

18वीं वार्षिक रिपोर्ट  
EIGHTEENTH ANNUAL REPORT

2013-2014

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
Technology Development Board

**भारत सरकार**  
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग  
खंड-क, भू-तल, विश्वकर्मा भवन,  
शहीद जीत सिंह मार्ग,  
नई दिल्ली-110016



**GOVERNMENT OF INDIA**  
DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY  
WING-A, GROUND FLOOR, VISHWAKARMA BHAWAN,  
SHAHEED JEET SINGH MARG,  
NEW DELHI-110016

## विषय सूची

एक यादगार वर्ष	4
पूर्वावलोकन	14
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन	30
प्रस्तावना	34
परियोजनाएं और उत्पाद	42
परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना	82
सकारात्मक - सक्रिय भूमिका	94
प्रोन्नति संबंधी गतिविधियां	100
अनुसंधान एवं विकास उपकर	108
प्रशासन	112
प्रारंभिक जांच समिति के सदस्य	114
परियोजना मूल्यांकन एवं परियोजना अनुविक्षण समितियों के विशेषज्ञों के नाम	120
उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति ( एच एल ई सी ) के विशेषज्ञों के नाम	126
वर्ष 2013-14 का लेखा परीक्षित विवरण	128
पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट 2013-14	184

# CONTENTS

<b>The Year That Was</b>	<b>5</b>
<b>An Overview</b>	<b>15</b>
<b>Composition of the Technology Development Board</b>	<b>31</b>
<b>Introduction</b>	<b>35</b>
<b>Projects and Products</b>	<b>43</b>
<b>Processing of Project Proposals</b>	<b>83</b>
<b>Pro-active Role</b>	<b>95</b>
<b>Promotional Activities</b>	<b>101</b>
<b>Research and Development Cess</b>	<b>109</b>
<b>Administration</b>	<b>113</b>
<b>Members of the Initial Screening Committees</b>	<b>115</b>
<b>Experts for the Project Evaluation Committees and Project Monitoring Committees</b>	<b>121</b>
<b>Experts for the High Level Expert Committees (HLEC)</b>	<b>127</b>
<b>Audit Annual Statement of Account for the Year 2013-14</b>	<b>129</b>
<b>Separate Audit Report 2013-14</b>	<b>185</b>

## एक यादगार वर्ष

वर्ष 2013-14 के दौरान, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ वित्तीय सहायता हेतु 16 करारों को सम्पन्न किया और 317.06 करोड़ रु. के कुल परियोजना परिव्यय में से 88.73 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता दी। टीडीबी की सहायता में स्वास्थ्य देख रेख, इंजीनियरिंग, कृषि, उर्जा एवं अपशिष्ट उपयोगिता, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। यह परियोजनाएं 6 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में फैली है।

चालू नई परियोजनाओं और स्कीमों के लिए 99.10 करोड़ रु. की राशि का संवितरण किया गया है। इस राशि में ऋण के रूप में 58.80 करोड़ रु., औद्योगिक संगठन और प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स को अनुदान के रूप में 10.50 करोड़ रु., इक्विटी भागीदारी हेतु 2.40 करोड़ रु. तथा निवेश के लिए उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) हेतु 27.40 करोड़ रु. शामिल हैं।

### उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण हेतु उद्योगों के लिए प्रत्यक्ष सहायता के अतिरिक्त, टीडीबी ने प्रौद्योगिकीय रूप से नवोन्मो व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) के साथ नेटवर्किंग करना जारी रखा है। नवोन्मो और नवोन्मेषी उत्पाद/सेवाएं रखने वाले एस एम ई के लिए आरंभिक स्तर के उद्यमों को सहायता प्रदान करके स्वयं के कार्य क्षेत्र का विस्तार करना इसका मुख्य उद्देश्य रहा है। टीडीबी की इस पहल ने भारतीय अर्थव्यवस्था की संवृद्धि को प्रेरित करने वाले क्षेत्रों में मुख्य बल के साथ प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं को व्यापक रूप से सहायता प्रदान करने हेतु आगे आने के लिए वेन्चर कैपिटलिस्ट / निजी इक्विटी फंड्स का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

31 मार्च, 2014, टीडीबी ने 12 (बारह) वीसीएफ नामतः एपीआईडीसी, यूटीआई-एआईएफ, यूटीआई-आईटीवीयूएस, वेंचर ईस्ट, जीवीएफएल, आरवीसीएफ, सीआईआईई-आईएफएसई, आईईएचएसएमइ-आईईएफ, सिडबी-आईओएफ, सीफ-सीफ आईएएफ, ब्लूम वेंचर'एस - एमएसएससीएफ एवं आइवीकैप वेंचर'एस-आइवीकैप वीटीएफ-1 में भागीदारी की है और 310.00 करोड़ रु. के निवेश की प्रतिबद्धता/भागीदारी की है तथा इसमें से चार वीसीएफ में निवेश से लाभ पहले ही शुरु हो गया है।

इस वर्ष, टीडीबी को यू टी आई-एसेंट इंडिया फंड (एआईएफ) की यूनिटों के मोचन से 3.61 करोड़ रु. एवं आरवीसीएफ-एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड की यूनिटों के मोचन से 0.36 करोड़ रु. प्राप्त हुए।

### इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकत्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

वर्ष 2005 में, टीडीबी ने डीएसटी के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एनएसटीआईडीबी) द्वारा प्रशासित इन्क्यूबेटर्स (एसटीईपी - टीबीआई) को आरंभिक स्तर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरु करके संवृद्धि - उन्मुखी अग्रसक्रिय पहल अपनाई है और वर्ष 2011-12 तक 3600 लाख रु. की प्रतिबद्धता के साथ 36 (जिनमें कि दुबारा सहायता प्राप्त करने वाले 4 टीबीआईएस/एसटीईपीएस सम्मिलित हैं) प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टीबीआईएस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क (एसटीईपीएस) को सहायता प्रदान की है।



## The Year That Was

During the year 2013-14, Technology Development Board (TDB) concluded 16 agreements for financial assistance with various industrial concerns and committed Rs. 88.73 crore out of total project outlay of Rs. 317.06 crore. TDB's support covers various sectors such as Healthcare, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilization, Telecommunication and Information Technology etc. The projects are spread over 6 States/Union Territories.

An amount of Rs. 99.10 crore has been disbursed towards on-going, new projects and schemes. This included Rs. 58.80 crore as loan, Rs. 10.50 crore as grant to industrial concerns and Technology Business Incubators, Rs. 2.40 crore as equity participation and Rs. 27.40 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

### Participation in Venture Capital Funds

In addition to the direct support to industries for commercialization of indigenous technologies, TDB continued networking with technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures. The objective behind this exercise is to spread itself by providing support to early stage ventures for SMEs having innovation and innovative products /services. This initiative of TDB has given confidence to Venture Capitalist/Private Equity Funds to come up in big way to support the technology based projects with a pronounced emphasis on sectors which are the growth drivers of Indian economy.

Upto 31<sup>st</sup> March, 2014, TDB has participated in 12 (twelve) VCFs namely APIDC, UTI-AIF, UTI-ITVUS, Ventureast, GVFL, RVCF, CIIE-IFSE, IEHSME-IEF, SIDBI-IOF, SEAF-SEAFIAF, Blume Venture's-MSSCF and IvyCap Venture's-Ivy Cap VTF-1 and committed investment of Rs. 310.00 crore out of which the return on investment in four VCFs has already started.

This year, TDB has received, Rs. 3.61 crores towards redemption of units of UTI-Ascent India Fund (AIF) and Rs. 0.36 crores towards redemption of units of RVCF- SME Technology Venture Fund.

### Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators

In 2005, Technology Development Board (TDB) took a growth-oriented proactive initiative by starting the Seed Support System for providing financial assistance for Start-ups in Incubators (STEP/TBI) administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of DST and has supported 36 (which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPS) Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurs Parks (STEPS) involving TDB's commitment of Rs. 3600.00 lakhs till 2011-12.

इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है और विभिन्न क्षेत्रों में बहुत से उद्यमियों को लाभान्वित किया है। इन्क्यूबेटीज के लिए जारी की गई वित्तीय सहायता विकास, स्तरोन्नयन और संबंधित कार्य की आवश्यकता रखने वाली प्रौद्योगिकियों के लिए आरंभिक स्तर सहायता में मदद करेगी। यह इन्क्यूबेटर्स द्वारा इन्क्यूबेशन निधि का सृजन करने में भी सुविधा प्रदान करेगी।

31 मार्च, 2014 तक टीडीबी ने कुल 36.00 करोड़ की लागत में से 36 (जिनमें दोबारा सहायता प्राप्त 4 टीबीआइएस / एसटीइपीएस शामिल हैं) टीबीआइएस/एसटीइपीएस में प्रत्येक को 1 करोड़ की अनुदान सहायता को जारी रखा।

## विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने 'सेंटर फॉर इ डेवलपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सी डी टी आई), स्पेन के साथ पूर्व में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार अपना तकनीकी सहयोग जारी रखा। 31 मार्च, 2014 तक सीडीटीआई, स्पेन और टीडीबी के बीच इंडिया स्पेन इनोवेशन प्रोग्राम (आईएसआईपी) के तहत कुल 8 (आठ) नामतः 'एफ एक्सइन्टरेक्टिव', 'इन्टीग्रेसन सिक्वेंसिटी सिस्टम', 'एससीयूटीयूएम', 'सीओडब्ल्यूबीयूएलएल', 'बीटीईएनएसआईओएन', 'बीईएनजीएएलए', 'एसकेआईडीएस' एवं 'एसईसीएलआईएमबीईआर इंडिया' को अनुमोदित किया गया।

## प्रौद्योगिकी दिवस

11 मई, 2013 को नई दिल्ली में प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया और भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान, प्रोफ. अनिल गुप्ता, आईआईएम अहमदाबाद के द्वारा दिया गया।

पुरस्कारों की श्रेणी में, श्री एस. जयपाल रेड्डी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री की उपस्थिति में मुख्य अतिथि ने 10 लाख रु. एवं ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार भारतीय वेटेरिनरी अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर, यूपी के संयुक्त सहयोग से विकसित 'विशेष एडजुवेंट के साथ सतत कोशिका संवर्ध (कल्चर) में पैर और मुंह के रोगों के टीके' के स्वदेशी विकास व वाणिज्यीकरण के लिए मेसर्स बायोवेट प्राइवेट लिमिटेड, मालूर कोलर जिला, हैदराबाद को प्रदान किया।

'स्टैटिक और डायनेमिक स्ट्रेन माप और वायु टनल संतुलन बल मापों दोनों के लिए एससीएडी, विशेषकर एससीएडी 508, एक चैनल सिस्टम के लिए डिजाइन : कम लागत के स्ट्रेन माप सिस्टमों की रेंज' के वाणिज्यीकरण के लिए मेसर्स पायरोडायनेमिक्स, बेंगलूरू तथा "मशीनी पूजों, काम से जुड़े फिक्सचर, शीट मेटल और लिनीयर मोशन गाइड्स एवं एक कार्बन फाईबर स्पिंडल के साथ डिजाइन किये गये प्लास्टिक पुजों के निरीक्षण हेतु शाॅप फ्रलोर की चुनौतियों से निपटने के लिए आर्म मैक्स सीएनसी 6-5-83डी कॉ-आर्डिनेट मीजरिंग मशीन" के वाणिज्यीकरण के लिए मेसर्स एक्वुरेट गाउजिंग एवं इन्स्ट्रूमेंट प्राइवेट लिमिटेड, पूने जैसे दो एसएसआई इकाईयों में से प्रत्येक को 5 लाख रु. एवं ट्राफी का पुरस्कार भी प्रदान किया।

समारोह में मुख्य अतिथि ने टीडीबी द्वारा सहायता प्राप्त निम्नलिखित नवीन उत्पाद का लोकार्पण भी किया:

1. पहले उत्पाद, रक्त रसायन विश्लेषणक (एनालाईजर) एवं कॉम्पैक्ट पोर्टेबल मोबाइल प्रयोग को टीडीबी की सहायता से मेसर्स एक्वुस्टर टेक्नोलॉजिज प्रा. लि., गुडगांव द्वारा विकसित किया गया। यह विश्लेषक (एनालाईजर) 23 मानकों के विश्लेषण में सहायता करता है, ये हैं : हीमोग्लोबिन, रक्त शर्करा, यूरिया, यूरिक एसिड, क्रियेटीनीन, कुल प्रोटीन, बिलरुबिन, कॉलेस्ट्रॉल, ट्राईग्लिसीराइड, एसजीपीटी, कैल्शियम,



This scheme has progressed well and benefited a number of entrepreneurs in various fields. The financial assistance released to the incubatees would cater to early stage support for technologies requiring development, up-scaling and related work. It will also facilitate in the building up of an Incubation Fund by the Incubators.

Upto 31<sup>st</sup> March, 2014, TDB continued its support to 36 (which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPs) TBIs/STEPs with a financial assistance of Rs. 1.00 crore each aggregating to Rs. 36.00 crore.

## MoUs with Foreign Institutions

TDB continued its technical collaboration with "Centre for the Development of Industrial Technology" (CDTI), Spain as per the MoU signed with it on 3.07.2006 and upto 31<sup>st</sup> March, 2014, total eight (8) bilateral projects namely 'FXINTERACTIVE, Integration Security System, SCUTUM, COWBULL, BTENSION, BENGALA, SKIDS and SAECLIMBER INDIA were approved under India Spain Innovating Program (ISIP) between CDTI, Spain and TDB.

## Technology Day

Technology day was celebrated on 11<sup>th</sup> May, 2013 in New Delhi and the Hon'ble President of India, Shri Pranab Mukherjee, was the Chief Guest on this occasion. The Technology Day Lecture was delivered by Prof. Anil Gupta, IIM, Ahmedabad.

In the awards category, the Chief Guest in the presence of Shri S. Jaipal Reddy, Minister of Science and Technology and Earth Sciences, presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to M/s Biovet Private Limited, Malur Kolar District, Hyderabad for 'Indigenous Development and Commercialization of Foot and Mouth Disease Vaccine in Continuous Cell Culture with Special Adjuvant', developed jointly in collaboration with Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Izatnagar, UP.

He also presented Rs. 5 lakh and a trophy each to two SSI units, M/s Pyrodynamics, Bengaluru for 'Commercializing a Range of Cost-effective Strain Measurement Systems: SCAD, especially SCAD 508, an 8 Channel System Designed for Both, Static & Dynamic Strain Measurement and Wind Tunnel Balance Force Measurements' and M/s Accurate Gauging & Instruments Pvt. Ltd, Pune for 'Commercialization of Arm max CNC 6-4-5: 3D Co-ordinate Measuring Machine to Meet the Challenges in Shop Floor for Inspection of Machined Parts, Workholding Fixtures, Sheet Metal and Plastic Parts Designed with Linear Motion Guides and a Carbon Fiber Spindle'.

In the function, the Chief Guest also launched following innovative products supported by TDB:

1. The First product which is Blood Chemistry Analyzer & Compact Portable Mobile Lab developed by M/s Accuster Technologies Pvt. Ltd., Gurgaon with the assistance of TDB. This Analyzer supports the analysis of 23 parameters which includes Haemoglobin count, Blood Glucose, Urea, Uric Acid, Creatinine, Total Protein, Bilirubin, Cholesterol, Triglycerides,

मैग्नीशियम, और फॉस्फोरस। इस उपकरण से इन 23 मानकों के परीक्षण की आवृत्ति लागत प्रति व्यक्ति 120 रु. से भी कम है। यह विश्लेषक (एनालाईजर) एक दिन में 4000 नमूनों की जांच कर सकता है। रक्त रसायन विश्लेषण की कीमत लगभग 80,000/- रु. है।

- लोकार्पित होने वाले दूसरे उपकरण मोड्यूलर टेबलेट पीसी (एडम-11) का डिजाइन, विकास और निर्माण दो युवा आईआईटीयन - श्री रोहन पांडे ओर श्री रोहित राठीरु मेसर्स नोशन इंक डिजाइन लैब्स प्रा. लि., बंगलुरु द्वारा किया गया। इनका टेबलेट पीसी बाजार में उपलब्ध अन्य समान उत्पादों से अलग है क्योंकि यह वाई-फाई, ब्लूटूथ और 3-जी के साथ जिग-बी के साथ एकीकृत करता है। इसका डिजाइन पुस्तक की छवि से प्रेरित है। इसमें दो (2) डिस्प्ले हैं, जिनमें एक सामने से पत्रिका के रूप में और दूसरा द्वितीयक (सेकेन्डरी) सूचनाओं को दर्शाता है। इन उन्नत रूप (वर्जन) को भारतीय बाजार में 12,000/- रु. प्रति इकाई की दर से बेचे जाने की संभावना है।

## पारस्परिक अन्तरक्रिया पद्धति

### प्रदर्शनियां / संगोष्ठियां

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के पास उपलब्ध वित्तीय सहायता के बारे में उद्योग, उद्यमियों एवं आर एण्ड डी संस्थानों के बीच जागरुकता का सृजन करने के लिए अन्य संगठनों के सहयोग से विचार-विमर्श बैठकों / प्रदर्शनियों में भागीदारी जैसे विभिन्न कार्यक्रमों को संचालित किया गया।

वर्ष के दौरान, टीडीबी ने नई दिल्ली में विभिन्न प्रदर्शनियों में भाग लेकर अपनी स्कीमों के बारे में जागरुकता पैदा की है।

### नए उत्पाद एवं सेवाएं

वर्ष के दौरान, टीडीबी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकीयों के विकास और वाणिज्यीकरण हेतु निम्नलिखित परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने के लिए नये करारों पर हस्ताक्षर किए :

- मेसर्स रोबोनिक् (इंडिया) प्रा. लि., नवी मुम्बई द्वारा स्वदेशी विकसित इन विट्रो डायग्नोस्टिक (आईवीडी) (मेडिकल डायग्नोस्टिक) उत्पादों का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मेसर्स अंकित फास्टनर्स प्रा. लि., बंगलोर द्वारा एल्यूमीनियम आयर वैपर डिपोजिटेड कोटेड एयरोस्पेश फास्टनर्स
- मेसर्स स्पर्शा फार्मा इंटरनेशनल प्रा. लि., हैदराबाद द्वारा अल्जाइमर्स रोग के लिए, रिवास्टीजमाइन ट्रांसडर्मल पैच का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मेसर्स फोरस हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड, बंगलोर द्वारा 3 नेष्ठा- एक इन्टेलीजेंट प्री-स्कीनिंग ऑप्थेल्मोलोजी उपकरण का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मेसर्स एक्वाएग्री प्रोसेसिंग प्रा. लि., नई दिल्ली द्वारा जलीय पौधों से कृषि, पशुपालन एवं मानवीय अनुप्रयोगों के लिए व्युत्पन्न मूल्यवर्धित उत्पादों का वाणिज्यीकरण
- मेसर्स वाटरलाइफ इंडिया प्रा. लि., सिकंदराबाद द्वारा डीआरडीओ के जल शुद्धीकरण प्रौद्योगिकी - मोबाइल एनबीसी का वाणिज्यीकरण



SGPT, Calcium, Magnesium, and Phosphorous. Recurring cost of testing all 23 parameters on this device is less than Rs. 120 per person. The analyzer is capable of analyzing 4000 samples during a day. The Blood Chemistry Analyzer costs around Rs. 80,000/-.

2. The second item launched is a modular Tablet PC (Adom II) designed, developed and manufactured by two young IITians- Sh. Rohan Pandey and Sh. Rohit Rathi of M/s Notion Ink Design Labs Pvt. Ltd., Bangalore. Their Tablet PC is differentiated from other similar product in the market as it integrates ZigBee along with WiFi, Bluetooth and 3G. Its design is inspired from the look of a book and it has 2 displays, one in front like a Magazine and another on the spine to show secondary information. This advanced version is intended to be marketed at a price of Rs. 12,000/- per unit in the Indian market.

## Interactive Mode

### Exhibitions/ Seminars

To create awareness in the industry, entrepreneurs and R&D institutions about the available financial support from TDB, various activities were undertaken such as interactive meetings / participation in exhibitions in collaboration with other organizations.

During the year, TDB created awareness about its scheme by participating in various exhibitions at New Delhi.

### New Products and Services

During the year, TDB signed new agreements for financial assistance to support the following projects for development and commercialization of innovative technologies:

- Development and commercialization of indigenously developed in-vitro Diagnostic (IVD) (medical diagnostic) products by M/s Robonik (India) Pvt. Ltd., Navi Mumbai
- Aluminium Ionvapour deposited coated Aerospace fasteners by M/s Ankit Fasteners Pvt. Ltd., Bangalore
- Development and commercialization of Rivastigmine Transdermal Patch for Alzheimer disease by M/s Sparsha Pharma International Pvt. Ltd., Hyderabad
- Development & commercialization of 3 nethra – An intelligent pre-screening ophthalmology device by M/s Forus Health Private Limited, Bangalore
- Commercialization of value added products for agriculture, animal husbandary and human applications derived from seaplants by M/s AquaAgri Processing Pvt. Ltd., New Delhi
- Commercializing mobile NBC – clean water technology from DRDO by M/s Waterlife India Pvt. Ltd., Secunderabad

- मेसर्स सिमेट्रिक बायोटेक प्रा. लि., मुम्बई द्वारा कार्डियो-वेस्क्यूलर रोगों के उपचार के लिए एक अनूठा थ्रोम्बोलाइटिक, क्लोट स्पेसिफिक स्ट्रेप्टोकाइनेस (एसएमआरएक्स 11)
- मेसर्स एंजल्स हेल्थ प्रा. लि., नवी मुम्बई द्वारा विश्व का पहला ऑनलाईन अस्पताल – मेडी एंजल्स
- मेसर्स जेन टेक्नोलॉजीज लि., हैदराबाद द्वारा मानवरहित एरियल वाहन मिशन सिमुलेटर का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मेसर्स विज्जीटेक सोल्यूशंस प्रा. लि., कोयम्बटूर द्वारा मशीन विजन आधारित प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण
- मेसर्स सियेकेम टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., चेन्नई द्वारा उच्च तापमान प्रतिरोधक हाइब्रिड ईवीएक्सएल पॉवर कैबिल्स आदि
- मेसर्स प्राइमोडिया केमिकल्स एंड फामास्यूटिकल्स प्रा. लि., हैदराबाद द्वारा प्राइमारीनो का उत्पादन / निर्माण
- मेसर्स एक्सियो बायोसॉल्यूशन्स प्रा. लि., अहमदाबाद द्वारा मस्तिष्कीय रक्तप्रवाह (ट्रोमेटिक ब्लीडिंग) की आपातकालीन हीमोस्टेटिक ड्रेसिंग का वाणिज्यीकरण
- मेसर्स एसआइ3डी सिस्टम्स प्राइवेट लि., बेंगलूर द्वारा छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) के लिए रुपांतरित उद्यम संचार प्रणाली का वाणिज्यीकरण
- मेसर्स उर्मि सिस्टम्स प्रा. लि., हैदराबाद द्वारा सॉफ्टवेयर डिफाइनड रेडियो का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मेसर्स इन्टीमो सिस्टम्स लि., हैदराबाद द्वारा आधारभूत सुविधाओं का विस्तार

### जारी उत्पाद / पूरी की गई परियोजनाएं

वर्ष के दौरान टीडीबी से सहायता के साथ जारी उत्पादों / पूरी की गई परियोजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:-

- मेसर्स पैनेसिया बायोटेक लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा उन्नत ड्रग डिलीवरी आधारित कैंसररोधी उत्पाद पैक्लीऑल (पैक्लीटैक्सेल) के वाणिज्यीकरण हेतु निर्माण सुविधा
- मेसर्स आई2आई टेलीसॉल्यूशन्स एंड टेलीमेडीसिन प्रा. लि., बेंगलूर द्वारा इंटरनेट ओर मोबाईल आधारित हेल्थ केयर एक्सेस के लिए एक टेलीपीएसीएस<sup>™</sup> आधारित विनिमय (एक्सचेंज) के लिए प्रौद्योगिकीयों का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मेसर्स फोरस हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर द्वारा 3 नेत्रा- एक इन्टेलीजेंट प्री-स्क्रीनिंग ऑप्थेल्मोलोजी उपकरण का विकास एवं वाणिज्यीकरण
- मेसर्स नोशन इंक डिजायन लैब्स प्रा. लि., बेंगलूर द्वारा बहु प्रयोगी टच कम्प्यूटिंग हैंड हेल्ड डिवाइस
- मेसर्स अल्फा कार्पस्कुल्स प्रा. लि., नई दिल्ली द्वारा स्वदेशी सस्ते डिस्पोजेबल लेप्रोस्कोपी ट्रोकर्स का विकास एवं वाणिज्यीकरण



- Clot Specific Streptokinase (SMRX 11), a novel thrombolytic for the treatment of cardiovascular diseases by M/s Symmetrix Biotech Pvt. Ltd., Mumbai
- MediAngels – The World’s First Online Hospital by M/s Angels Health Private Limited, Navi Mumbai
- Development and commercialization of Unmanned Aerial Vehicle Mission Simulator by M/s Zen Technologies Ltd., Hyderabad
- Commercialization of machine vision based technology by M/s Vizzitec Solutions Pvt. Ltd., Coimbatore
- High temperature resistant Hybrid EBXL power cables, etc. by M/s Siechem Technologies Pvt. Ltd., Chennai
- Production / Manufacture of Primacene ® by M/s Primodia Chemicals and Pharmaceuticals Pvt. Ltd., Hyderabad
- Commercialization of emergency Haemostatic dressing to control traumatic bleeding by M/s AXIO Biosolutions Private Ltd., Ahmedabad
- Commercialization of Converged Enterprise Communications System for Small & Medium Enterprises (SME) by M/s Si3D Systems Private Ltd., Bangalore
- Development & commercialization of Software Defined Radio by M/s Uurmi Systems Pvt. Ltd., Hyderabad
- Expansion of Infrastructure Facilities by M/s INTEMO Systems Ltd., Hyderabad

### **Product Released/Projects completed**

The products released / projects completed with assistance from TDB during the year include:-

- Manufacturing Facility for Commercialisation of Advanced Drug Delivery Based Anti-Cancer Product PacliALL (Paclitaxel) by M/s Panacea Biotech Limited, New Delhi
- Development and Commercialization of technologies for a TelePACS™ based Healthcare Exchange for internet and mobile based healthcare access by M/s i2i Telesolutions and TeleMedicine Private Limited, Bangalore
- Development and commercialization of 3nethra - An intelligent pre-screening Ophthalmology Device by M/s Forus Health Private Limited, Bangalore
- Multi-Application Touch Computing Hand Held Device by M/s Notion Ink Design Labs, Pvt. Ltd., Bangalore
- Development and Commercialization of Indigenous low cost Disposable Laparoscopy Trocars by M/s Alfa Corpuscles Pvt. Ltd, New Delhi

## ऋण चुकौती का निपटान

इस वर्ष, टीडीबी द्वारा सहायता प्राप्त आठ (8) कम्पनियों ने अपनी ऋण राशि का भुगतान कर दिया है और टीडीबी के द्वारा सन्तोषप्रद पाए जाने पर करार के अनुसार अपनी ऋण लेखाओं का निपटान कर दिया है।

## वर्ष में प्राप्त आवेदन

वर्ष के दौरान टीडीबी ने विभिन्न औद्योगिक संस्थानों से वित्तीय सहायता के लिए कुल 44 आवेदन प्राप्त किए जिसमें 1015.38 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत और 516.22 करोड़ रु. की टीडीबी से मांगी गई सहायता शामिल है। इनमें से टीडीबी के द्वारा वित्तीय सहायता के लिए 23 आवेदनों को उचित पाया गया। कई वेन्चर कैपिटल फण्ड्स ने भी अपने फंड में भागीदारी के लिए टीडीबी को संपर्क किया।



## Settlement of Repayment of Loan

This year, Eight (8) companies assisted by TDB have repaid their loan amount and settled their loan account as per the agreement to the satisfaction of TDB.

## Applications received

During the year, TDB received total 44 applications for financial assistance from various industrial concerns with total project cost of Rs. 1015.38 crore and TDB's assistance of Rs. 516.22 crore. Out of that, 23 applications were found suitable for further processing for financial assistance by TDB. Several Venture Capital Funds also approached TDB for participation in their fund.

## पूर्वावलोकन

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया।

इस अधिनियम में टीडीबी द्वारा संचालित प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग के लिए फंड सृजन का प्रावधान है। इस फंड द्वारा सरकार से अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम, 1986 यथा संशोधित 1995 के प्रावधानों के तहत औद्योगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया जाता है। फंड की राशि के निवेश से प्राप्त आय और फंड द्वारा दिए गए अनुदानों की वसूली को फंड में जमा कर दिया जाता है। वित्त अधिनियम, 1999 द्वारा आयकर संबंधी उद्देश्यों के लिए फंड को दिए गए अनुदानों में पूर्ण कटौती करने हेतु सक्षम बनाया गया।

वर्ष 1996-97 से 2013-14 की अवधि के दौरान आर एंड डी उपकर से सरकार द्वारा कुल 4965.49 करोड़ रु. एकत्र किए गए। इसमें से टीडीबी को 18 वर्षों की अवधि में 542.42 करोड़ रु. की संचित राशि उपलब्ध कराई गई।

टीडीबी का दायित्व स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करने वाली अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने वाली औद्योगिक इकाइयों तथा एजेंसियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रूप में तथा आपवादिक मामलों में अनुदान के रूप में उपलब्ध है। ऋण सहायता अनुमोदित परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक दी जाती है और इस पर प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत साधारण ब्याज लिया जाता है। ऋण अवधि के दौरान टीडीबी की सहायता से उत्पादित उत्पाद की बिक्री पर रॉयल्टी भी देय है। विकल्प के रूप में टीडीबी किसी कंपनी को इक्विटी पूंजी भी प्रदान कर सकता है बशर्ते यह अनुमोदित परियोजना लागत का अधिकतम 25 प्रतिशत तक हो। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई के शुरुआत, स्टार्ट अप अथवा विकास के चरणों में उपलब्ध कराई जा सकती है।

टीडीबी को अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों से वित्तीय सहायता हेतु आवेदन वर्ष भर प्राप्त होते रहते हैं। टीडीबी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु इच्छुक औद्योगिक इकाई को विहित पत्र में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशानिर्देशों सहित आवेदन के प्रारूप की प्रति टीडीबी से निःशुल्क या टीडीबी की वेबसाइट ([www.tdb.gov.in](http://www.tdb.gov.in)) से प्राप्त किया जा सकता है।

टीडीबी ने अपनी योजनाओं को प्रौद्योगिकी अभिमुखी परियोजनाओं तक और अधिक विस्तारित करने के लिए उद्यम पूंजी निधि में भी भाग लिया है। इसके अतिरिक्त, यह इन्व्यूब्रेटर्स को सीड सहायता स्कीम के माध्यम से सहायता भी प्रदान करता है और इसने अपनी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए घयनित विदेशी संस्थानों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श भी किया है।

31 मार्च, 2014 की स्थिति के अनुसार, टीडीबी द्वारा (1996 में इसके अस्तित्व में आने के बाद से) 6170.50 करोड़ रु. की कुल परियोजना लागत युक्त कुल 315 करारों पर हस्ताक्षर किया है जिसमें से टीडीबी की बचनबद्धता 1509.74 करोड़ रु. की है जिसमें से टीडीबी ने सरकार द्वारा दिए गए फंड और आंतरिक प्राप्तियों में से 1218.42 करोड़ रु. का संचितरण किया है।



## AN OVERVIEW

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996, as per the provisions of the Technology Development Board Act, 1995.

The Act enabled the creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

During the period of 1996-97 to 2013-14, a total amount of Rs. 4965.49 crore R&D cess has been collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of Rs. 542.42 crore over the period of 18 years.

The mandate of the TDB is to provide financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic application.

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity and/or in exceptional cases, grant. The loan assistance is provided up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent simple rate of interest per annum. Royalty is also payable on sales of products under TDB's project during currency of loan. In exceptional cases, TDB may also subscribe by way of equity capital in a company, subject to maximum of 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of industrial concerns.

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of economy throughout the year. An industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB applies in a prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB or by accessing TDB website ([www.tdb.gov.in](http://www.tdb.gov.in)).

TDB has also participated in Venture Capital Funds for spreading its support to technology oriented projects. Further, it also provides support to incubators through its Seed Support Scheme and has also interacted with select foreign institutions to promote its activities.

As on 31<sup>st</sup> March 2014, TDB has signed a total of 315 agreements (since its inception in 1996) with a total project cost of Rs. 6170.50 crore involving TDB's commitment of Rs. 1509.74 crore against which TDB has disbursed Rs. 1218.42 crore from the grants provided by the government and through internal accruals.

टीडीबी ने अब तक अन्य निवेशकों से कुल 2408.00 करोड़ रु. के निधियों तक पहुंच बनाते हुए 310.00 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता/भागीदारी के साथ अब तक कुल 12 उद्यम पूंजी निधियों को सहायता प्रदान किया है। टीडीबी ने सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत छत्तीस (जिनमें दोबारा सहायता प्राप्त 4 टीबीआइएस/एसटीइपीएस शामिल हैं) इन्क्यूबेटर्स में प्रत्येक को 1 करोड़ की अनुदान सहायता अनुमोदित की है।

## वित्तीय सहायता का तरीका

टीडीबी द्वारा 31 मार्च, 2014 तक दी गई वित्तीय सहायता के तरीकों को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

(करोड़ रु. में)

साधन	टीडीबी द्वारा स्वीकृत*	टीडीबी द्वारा वितरित
ऋण	1024.02	851.02
इक्विटी	25.71	**31.79
अनुदान	150.01	126.73
वेन्चर फंड	310.00	208.88
कुल	1509.74	1218.42

\* 31 मार्च, 2014 तक टीडीबी द्वारा वास्तविक रूप से अनुमोदित राशि वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, परिसमापन और निरसन के कारण पश्चातवर्ती वर्षों में परिवर्तित हो सकती है।

\*\* इसमें मार्च, 2004 में निको कॉरपोरेशन को संवितरित 18.46 करोड़ रु. (वर्ष 1999-2000 में 12.46 करोड़ रु. और वर्ष 2001-02 में 06.00 करोड़ रु.) के लोन के ऋण का संचित मोचन योग्य वरीयता शेषों में परिवर्तन (तथापि ऋण में कमी), मेसर्स फटियर लाईफलाईन प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई को संवितरित 5.00 करोड़ रु. के लोन के ऋण का संचित मोचन में परिवर्तन एवं टीडीबी की एक सेक्सन 25 कम्पनी, ग्लोबल इनोवेशन एण्ड टेक्नोलॉजी एलायन्स (जीआईटीए) में 4.34 करोड़ रु. की भागीदारी शामिल है।

## क्षेत्रवार कवरेज

टीडीबी की वित्तीय सहायता ने अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को कवर कर लिया है। निम्नलिखित तालिका में टीडीबी द्वारा 1996-97 में इसके गठन से 31 मार्च, 2014 तक क्षेत्रवार स्वीकृत की गई परियोजनाओं को दिखाया गया है:-

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
1	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा	78	1263.22	356.96
2	इंजिनियरिंग	62	599.17	222.90
3	इलेक्ट्रोनिक्स	5	111.56	42.75
4	कैमिकल	24	208.00	72.79
5	कृषि	21	141.55	47.40
6	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगिता	8	132.36	55.98
7	दूरसंचार	12	99.88	37.85



TDB has so far supported 12 Venture Capital Funds with a commitment/participation of Rs. 310.00 crores leveraging total funds aggregating to Rs. 2408.00 crores from other investors. TDB has approved grant assistance of Rs. 1.00 crore each to the thirty six (which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPs) Incubators under the Seed Support Scheme.

## Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB till 31<sup>st</sup> March 2014.

Rs. in Crore		
Instrument	Sanctioned by TDB*	Disbursement by TDB
Loan	1024.02	851.02
Equity	25.71	**31.79
Grant	150.01	126.73
Venture Funds	310.00	208.88
<b>Total</b>	<b>1509.74</b>	<b>1218.42</b>

\* The actual sanctioned amount by TDB as on 31<sup>st</sup> March 2014 may vary in subsequent years due to revision in the quantum of financial assistance, foreclosure and cancellations.

\*\* Includes conversion of loan of Rs. 18.46 crore (Rs. 12.46 crore in 1999-2000 and Rs. 6 crore in 2001-2002) disbursed to NICCO Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan), conversion of loan of Rs. 5.00 crore disbursed to M/s Frontier Lifeline Pvt. Ltd., Chennai into equity and Rs. 4.34 crore disbursed towards equity participation of TDB in Global Innovation and Technology Alliance (GITA) a Section 25 company.

## Sector-wise Coverage of Agreements

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The following table gives sector-wise projects sanctioned by TDB upto 31<sup>st</sup> March, 2014, since inception in 1996-97.

### Sector-wise Coverage of Agreements 1996-2014

(Rs. in Crore)				
	Sector	Number of Agreements	Total cost	Sanctioned by TDB
1	Health & Medical	78	1263.22	356.96
2	Engineering	62	599.17	222.90
3	Electronics	5	111.56	42.75
4	Chemical	24	208.00	72.79
5	Agriculture	21	141.55	47.40
6	Energy & Waste Utilization	8	132.36	55.98
7	Tele-communications	12	99.88	37.85

8	रक्षा एवं नागर विमानन	1	8.00	2.20
9	सड़क यातायात	10	527.04	81.20
10	हवाई यातायात	2	142.10	67.80
11	सूचना प्रौद्योगिकी	42	380.79	150.41
12	अन्य			
	(क) वेन्चर फंड सहित	12	2408.00	310.00
	(ख) एसटीईपी - टीबीआई	36	36.00	36.00
	(ग) सीआईआई	1	0.83	0.50
	(घ) मिलेनियम अलायंस (एमए)	1	112.00	25.00
	<b>कुल</b>	<b>315</b>	<b>6170.50</b>	<b>1509.74</b>

\* (टीडीबी द्वारा बिना राशि जारी वाले 14 रद्द किए गए करारों को शामिल नहीं किया गया है)

इसमें अन्य क्षेत्रों की तुलना में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। टीडीबी द्वारा दी गई सहायता विस्तृत रूप से नए वेन्चरों और विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में बाजार संचालित और प्रौद्योगिकी उन्मुखी है।

### वर्ष 1996-2014 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों का राज्यवार वितरण

वर्ष 1996-2014 के दौरान हस्ताक्षर किए गए करारों (कम्पनी के रजिस्टर्ड कार्यालय के आधार पर) का राज्यवार वितरण :

(करोड़ रु. में)

सं.	राज्य, केन्द्र शासित	करारों की संख्या	उद्यमों की संख्या	कुल	टीडीबी द्वारा स्वीकृत की गई ऋण, अनुदान/इक्विटी
1	आन्ध्र प्रदेश	82	69	1226.23	418.44
2	चंडीगढ़	4	4	43.75	16.50
3	दिल्ली	19	18	230.80	74.65
4	गुजरात	12	11	123.35	39.12
5	हरियाणा	6	5	44.15	18.00
6	हिमाचल प्रदेश	1	1	6.24	1.90
7	जम्मू एवं कश्मीर	1	1	5.65	2.38
8	कर्नाटक	36	34	475.30	188.64
9	केरल	3	3	19.03	7.15
10	मध्य प्रदेश	6	5	154.23	41.50
11	महाराष्ट्र	38	35	728.87	136.45
12	मणिपुर	1	1	7.94	2.70
13	पांडीचेरी	1	1	5.83	1.90
14	पंजाब	5	5	52.20	14.46
15	राजस्थान	1	1	35.77	3.00
16	तमिलनाडु	34	33	296.97	91.31



8	Defence and Civil Aviation	1	8.00	2.20
9	Road Transport	10	527.04	81.20
10	Air Transport	2	142.10	67.80
11	Information Technology	42	380.79	150.41
12	Others			
	a) Venture Funds	12	2408.00	310.00
	b) STEP-TBI	36	36.00	36.00
	c) CII	1	0.83	0.50
	d) Millennium Alliance (MA)	1	112.00	25.00
	<b>Total</b>	<b>315</b>	<b>6170.50</b>	<b>1509.74</b>

*\*(Excludes 14 agreements, which were cancelled by TDB without any release)*

Healthcare and Engineering sectors have a significant share in comparison to other sectors. The support by TDB is largely market driven and technology oriented in new ventures and also in various industrial sectors.

### State-wise Distribution of Agreements 1996-2014

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1996-2014 is given below:

(Rs. in Crore)

Sl No.	State, Union Territory	Number of Agreements	Number of Enterprises	Total cost	Loan/Grant / Equity Sanctioned by TDB
1	Andhra Pradesh	82	69	1226.23	418.44
2	Chandigarh	4	4	43.75	16.50
3	Delhi	19	18	230.80	74.65
4	Gujarat	12	11	123.35	39.12
5	Haryana	6	5	44.15	18.00
6	Himachal Pradesh	1	1	6.24	1.90
7	Jammu & Kashmir	1	1	5.65	2.38
8	Karnataka	36	34	475.30	188.64
9	Kerala	3	3	19.03	7.15
10	Madhya Pradesh	6	5	154.23	41.50
11	Maharashtra	38	35	728.87	136.45
12	Manipur	1	1	7.94	2.70
13	Pondicherry	1	1	5.83	1.90
14	Punjab	5	5	52.20	14.46
15	Rajasthan	1	1	35.77	3.00
16	Tamil Nadu	34	33	296.97	91.31

17	उत्तर प्रदेश	7	6	52.03	33.88
18	पश्चिम बंगाल	8	6	105.33	46.26
19	अन्य सहित				
	वेंचर फंड	12	12	2408.00	310.00
	एसटीईपी - टीबीआई	36	32	36.00	36.00
	सीआईआई	1	1	0.83	0.50
	मिलेनियम अलायंस (एमए)	1	1	112.00	25.00
	<b>कुल योग</b>	<b>315</b>	<b>285</b>	<b>6170.50</b>	<b>1509.74</b>

टीडीबी द्वारा वित्तीय भागीदारी बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करती है और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। इसकी वित्तीय सहायता में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भागीदारी होती है।

### सकारात्मक सक्रिय भूमिका

पिछले कुछ समय से टीडीबी ने विभिन्न वेंचर कैपिटल फंड्स के साथ भागीदारी की है ताकि विभिन्न नवीन परियोजनाओं के उत्तोलन निवेश की संभावनाओं का विस्तृत किया जा सके और सीड सहायता स्कीम के माध्यम से इन्क्यूबेटर्स द्वारा आर एंड डी पहलों को सहायता दी है। टीडीबी देश में प्रौद्योगिकी उन्मुख पहलों को एक प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए विदेशी संस्थानों के साथ जुड़ा है।

### उद्यम पूंजी निधि में भागीदारी

टीडीबी ने 31 मार्च, 2014 तक अन्य निवेशकों से 2408.00 करोड़ रु. की कुल जमा निधियों के साथ 310.00 करोड़ रु. की कुल प्रतिबद्धता / भागीदारी के साथ 12 वेंचर फंड्स नामतः यूटीआई - आईटीवीयूएस, यूटीआई-एआईएफ, एपीआईडीसी, वेंचरइंस्ट, जीवीएफएल, आरबीसीएफ, सीआईआई, एसआईडीबीआई, आईआईएच-एमएसएमई, एसईएएफ, ब्लूम एवं आइवीकैप ग्रुप जैसे प्रतिष्ठित और बेहतर अनुभव रखने वाले उद्यम पूंजी निधि कंपनियों के साथ भागीदारी की है। नवोन्मेषी परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाने के अपने उद्देश्य के साथ इस निधि का उद्देश्य आईटी/आईटीईएस, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, दूरसंचार, नैनो प्रौद्योगिकी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी उन्मुख उद्यमों को सहायता प्रदान करने पर लक्षित है।

### एसटीईपीएस / टीबीआईएस के लिए सीड सहायता

टीडीबी ने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम विचारों का प्रोत्साहित करने के लिए युवा उद्यमियों हेतु प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सहायता स्कीम शुरू की है। टीडीबी इस बात को मान्यता देता है कि इन्क्यूबेशन स्तर पर प्रौद्योगिकीय नवोन्मो और विकास अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं जिसके फलस्वरूप प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण होता है। विगत वर्षों में इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता में भागीदारी करने का निर्णय लेकर टीडीबी ने एक संवृद्धि-उन्मुखी पहल की है।

वर्ष 2005-08 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता प्रणाली के अन्तर्गत टीडीबी ने पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने



17	Uttar Pradesh	7	6	52.03	33.88
18	West Bengal	8	6	105.33	46.26
19	Others - Including				
	Venture Funds	12	12	2408.00	310.00
	STEP-TBIs	36	32	36.00	36.00
	CIH	1	1	0.83	0.50
	Millennium Alliance (MA)	1	1	112.00	25.00
	<b>Grand Total</b>	<b>315</b>	<b>285</b>	<b>6170.50</b>	<b>1509.74</b>

Financial participation by TDB depends largely on market driven conditions and varies considerably from one sector to another. Healthcare along with the engineering sector have a significant share in its financial assistance.

## Pro-active Role

In the recent past, TDB has partnered with various Venture Capital Funds to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects. TDB has also supported R&D initiatives by incubators through its Seed Support Scheme. TDB has also associated with select foreign institutions with the aim of providing a platform for developing technology oriented enterprises in the country.

## Participation in Venture Capital Funds

As on 31<sup>st</sup> March, 2014, TDB has participated in 12 Venture Funds, with reputed and well experienced Venture Capital Fund companies mainly UTI-ITVUS, UTI-AIF, APIDC, Ventureast, GVFL, RCVF, CIE, SIDBI, IIM MSME, SEAF, Blume and IvyCap group with a total commitment/participation of Rs. 310.00 crore leveraging total funds aggregating to Rs. 2408.00 crore from other investors. These funds are targeted to support technology oriented ventures in various sectors such as IT / ITES, Biotechnology, Health, Telecommunications, Nano-technology, Cleantech Energy and Agribusiness etc. to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects.

## Seed Support for STEP/TBIs

TDB has instituted the Seed Support Scheme to provide early stage financial assistance to young entrepreneurs for innovative technology venture ideas to fruition. TDB recognizes that technological innovation and development at incubation stage are critical components resulting in the commercialization of technology. TDB has taken a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support Scheme for Start-ups in Incubators in previous years.

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support System for Start-ups in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well. TDB extended the scheme and supported another five incubators for Rs.100.00 lakh each in the second round

अच्छी प्रगति की है। टीडीबी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007-08 में दूसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित अन्य 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2009-10 में तीसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2010-11 में चौथे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 9 (नौ) एवं 2011-12 में पांचवे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक के साथ 12 (बारह) इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की है।

31 मार्च, 2014 तक टीडीबी ने 36 (जिनमें दोबारा वित्तीय सहायता प्राप्त 4 टीबीआईएस / एसटीईपीएस शामिल है) टीबीआईएस/एसटीईपीएस को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने बहुत सी इन्क्यूबेटीज कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रीकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।

### विदेशी संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग / हस्तांतरण परियोजनाओं को प्रोत्साहित, सहायित एवं वित्त पोषित करने तथा आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और नवोन्मो के द्वारा एसएमई संवृद्धि को सहायता प्रदान करने के लिए टीडीबी ने चुनिंदा विदेशी संस्थानों नामतः एजेंस नेशनले डी बेलोराइजेशन डी ला रेकरेक (एएनवीएआर), फ्रांस, सेंटर फॉर दी डेवलपमेंट ऑफ इन्डस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सीडीटीआई), स्पेन और कॉमनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सीबीसी), यू.के. के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके द्विपक्षीय सहयोग को जारी रखा।

### रोजगार के अवसर

टीडीबी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन तथा मौजूदा उद्यमों द्वारा नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से रोजगार के नए अवसर का सृजन करके मूल्यवर्धन किया है।

### प्रौद्योगिकी दिवस एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2013 को प्रौद्योगिकी दिवस समारोह-2013 मनाया गया और मुख्य अतिथि के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान प्रोफ. अनिल गुप्ता, आईआईएम अहमदाबाद द्वारा दिया गया।

### स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार-2013

- (i) मैसर्स बायोवेट प्राइवेट लिमिटेड, मालूर, कर्नाटक ने इंडियन वेटरिनरी अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर, उ. प्र. के साथ संयुक्त रूप से विशेष एडजुवेंट के साथ सतत कोशिका संवर्ध (सेल कल्चर) में पैर एवं मुंह के रोग के टीके का स्वदेशी विकास एवं वाणिज्यीकरण किया। कम्पनी ने आईवीआरआई के साथ पुरस्कार प्राप्त किया और 10 लाख रु. की नकद राशि एवं ट्राफी प्रत्येक को अलग-अलग दिया गया।



in 2007-08, five incubators for Rs.100.00 lakh each in the third round in the year 2009-10, nine incubators for Rs.100.00 lakh each in the fourth round in the year 2010-11 and twelve incubators for Rs.100.00 lakh each in the fifth round in 2011-12.

Till 31<sup>st</sup> March, 2014, TDB has supported 36 (which includes two times financial assistance to 4 TBIs/STEPs) TBIs and STEP. These Incubators have provided assistance to several Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

### **MoUs with Foreign Institutions**

TDB has continued its bilateral cooperations with foreign countries by signing MoUs with selected foreign institutions, namely, Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

### **Job Opportunity**

TDB has added value by creating new job opportunities through implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by ongoing enterprises.

### **Technology Day and Presentation of National Awards**

The Technology Day Function 2013 celebrated on 11<sup>th</sup> May 2013 was presided over by President of India, Shri Pranab Mukherjee as the Chief Guest. The Technology Day Lecture was delivered by Prof. Anil Gupta, IIM, Ahmedabad.

#### **National Award- 2013 for successful commercialization of Indigenous Technology**

- (i) **M/s Biovet Private Limited, Malur, Karnataka** for "Indigenous Development and Commercialization of Foot and Mouth Disease Vaccine in Continuous Cell Culture with Special Adjuvant", developed jointly in collaboration with Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Izatnagar, UP. The company alongwith IVRI received the Award and a cash Award of Rs. 10.00 lakh and a Trophy has been given to each of them separately.





11 मई, 2013 को श्री एस. एन. सिंह, प्रबंध निदेशक, मैसर्स बायोवैट प्राइवेट लिमिटेड, मालूर, कर्नाटक को राष्ट्रीय पुरस्कार की ट्राफी प्रदान करते हुए श्री प्रणव मुखर्जी



11 मई, 2013 को प्रौद्योगिकी विकासकर्ता/प्रदानकर्ता, इंडियन वेटेरिनरी अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर के कार्यकारी निदेशक, डॉ. जी. पी. सिंह को राष्ट्रीय पुरस्कार का ट्राफी प्रदान करते हुए श्री प्रणव मुखर्जी

### स्वदेशी प्रौद्योगिकी आधारित उत्पादों के सफल वाणिज्यीकरण हेतु एस एस आई यूनिट पुरस्कार-2013

- (i) मैसर्स पायरोडायनेमिक्स, बेंगलुरु ने "स्टैटिक और डायनेमिक स्ट्रेन माप और वायु टनल संतुलन के बल मापन के लिए एससीएडी, विशेषकर एससीएडी-508, एक 8 चैनल सिस्टम के लिए डिजाइन: सरस्ते स्ट्रेन माप प्रणालियों की रेंज" के वाणिज्यीकरण के लिए 5 लाख रु. का नकद पुरस्कार एवं ट्राफी प्राप्त किया।



Shri Pranab Mukherjee presenting the trophy for the National Award 2013 to Dr. S.N. Singh, Managing Director of M/s Biovet Private Limited, Malur, Karnataka on 11<sup>th</sup> May 2013



Shri Pranab Mukherjee presenting the trophy for the National Award 2013 to Dr. G. P. Singh, Actg. Director, Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Izatnagar, the Technology Developer/Provider on 11<sup>th</sup> May 2013

**Awards for SSI Unit – 2013 for successful commercialization of indigenous technology based product to:**

- (i) **M/s Pyrodynamics, Bengaluru** received a cash Award of Rs. 5.00 lakh and a Trophy for "Commercializing a Range of Cost-effective Strain Measurement Systems: SCAD, especially SCAD 508, an 8 Channel System Designed for Both, Static & Dynamic Strain Measurement and Wind Tunnel Balance Force Measurements".





11 मई, 2013 को श्री एस. रवि. प्रकाश, प्रबंध निदेशक, मैसर्स पायरोडाइनेमिक्स, बैंगलुरु को एसएसआई यूनिट 2013 का ट्राफी प्रदान करते हुए श्री प्रणव मुखर्जी

- (ii) मैसर्स एक्चूरेट गाउजिंग एंड इन्स्ट्रुमेंट्स प्रा. लि., पूने ने "मशीनी पुर्जो, काम से सम्बंधित फिक्सचर शीट मेटल और लिनीयर मोशन गाइड्स एवं एक कार्बन फाइबर स्पिंडल के साथ डिजाइन किये गये प्लास्टिक पुर्जो के निरीक्षण हेतु शॉप फ्रलोर की चुनौतियों से निपटने के लिए आर्म मैक्स सीएनसी 6-4-5 :3डी कॉ-ऑर्डिनेट मीजरिंग" के वाणिज्यीकरण के लिए 5 लाख रु. का नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्राप्त किया।



11 मई, 2013 को श्री विक्रम सालुंके, एमडी एवं श्री एस. एम. दिवेकर, व्यवसाय प्रमुख, मैसर्स एक्चूरेट ग्रुप को एसएसआई यूनिट 2013 का ट्राफी प्रदान करते हुए श्री प्रणव मुखर्जी





Shri Pranab Mukherjee presenting the trophy for the SSI Unit 2013 to Shri S. Ravi Prakash, Managing, Director, M/s Pyrodynamics, Bengaluru on 11<sup>th</sup> May 2013

- (ii) **M/s Accurate Gauging & Instruments Pvt. Ltd, Pune** received a cash Award of Rs. 5.00 lakh and a Trophy for "Commercialization of Arm max CNC 6-4-5: 3D Co-ordinate Measuring Machine to Meet the Challenges in Shop Floor for Inspection of Machined Parts, Work-holding Fixtures, Sheet Metal and Plastic Parts Designed with Linear Motion Guides and a Carbon Fiber Spindle.



Shri Pranab Mukherjee presenting the trophy for the SSI Unit 2013 to Shri Vikram Salunkhe, MD and Mr. S.M. Divekar, Business Head, M/s Accurate Group on 11<sup>th</sup> May 2013

## बोर्ड के सदस्य

डॉ. टी. रामासामी, सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने 1 जनवरी, 2014 से सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग का अतिरिक्त कार्यभार, डॉ. समीर ब्रह्मचारी के स्थान पर संभाला जो कि 31 दिसम्बर, 2013 को सेवानिवृत्त हो गए, श्री अविनाश चन्द्र ने 1 जून, 2013 से सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग का कार्यभार, श्री वी. के. सारस्वत के स्थान पर संभाला जो कि 31 मई, 2013 को सेवानिवृत्त हो गए, श्री रतन पी. बतल ने दिसम्बर, 2013 से सचिव, व्यय विभाग का कार्यभार, श्री आर. एस. गुजराल के स्थान पर संभाला जो कि 30 नवम्बर, 2013 को सेवानिवृत्त हो गए, श्री अमिताभ कान्त ने 13 मार्च, 2014 से सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग, वाणिज्य मंत्रालय का कार्यभार, श्री सौरभ चन्द्रा के स्थान पर संभाला जो कि 28 फरवरी, 2014 को सेवानिवृत्त हो गए एवं श्री एल. सी. गोयल ने 1 अक्टूबर, 2013 से सचिव, ग्रामीण विकास विभाग का कार्यभार, श्री एस. विजय कुमार के स्थान पर संभाला जो कि 30 सितम्बर, 2013 को सेवानिवृत्त हो गए।

## आभार

बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का, टीडीबी के लिए उनके अधिकारियों की सेवाएं प्रदान करने के लिए अपना आभार प्रकट करता है।

स्थान: नई दिल्ली  
दिनांक:

ह./—  
(प्रोफ. आशुतोष शर्मा)  
अध्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड



## Board Members

Shri T. Ramasami, Secretary, Department of Science and Technology has taken additional charge of Secretary, Department of Scientific & Industrial Research w.e.f. 1<sup>st</sup> January, 2014 in place of Dr. Samir Brahmachari who superannuated on 31<sup>st</sup> December, 2013. Shri Avinash Chander has taken charge as Secretary, Department of Defence Research & Development w.e.f. 1<sup>st</sup> June, 2013 in place of Shri V. K. Saraswat who superannuated on 31<sup>st</sup> May, 2013. Shri Ratan P. Watal has taken charge of Secretary, Department of Expenditure w.e.f. December, 2013 in place of Shri R. S. Gujral who superannuated on 30<sup>th</sup> November, 2013. Shri Amitabh Kant has taken charge as Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion, Ministry of Commerce w.e.f. 13<sup>th</sup> March, 2014 in place of Shri Saurabh Chandra who superannuated on 28<sup>th</sup> February, 2014 and Shri L. C. Goyal has taken charge as Secretary, Department of Rural Development w.e.f. 1<sup>st</sup> October, 2013 in place of Shri S. Vijal Kumar who superannuated on 30<sup>th</sup> September, 2013.

## Acknowledgment

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers for TDB.

Place: New Delhi

Date:

Sd/-

(Prof. Ashutosh Sharma)

Chairperson

Technology Development Board

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन

(31 मार्च, 2014)

- |     |   |                            |
|-----|---|----------------------------|
| 1.  | डॉ. टी. रामासामी<br>सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग                          | पदेन अध्यक्ष               |
| 2.  | डॉ. टी. रामासामी<br>सचिव, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (अतिरिक्त प्रभार) | पदेन सदस्य                 |
| 3.  | श्री अविनाश चन्द्र<br>सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग                        | पदेन सदस्य                 |
| 4.  | श्री रतन पी. बतल<br>सचिव, व्यय विभाग  | पदेन सदस्य                 |
| 5.  | श्री अमिताभ कान्त<br>सचिव, औद्योगिक नीति एवं प्रोन्नयन विभाग                      | पदेन सदस्य                 |
| 6.  | श्री एल. सी. गोयल<br>सचिव, ग्रामीण विकास विभाग                                    | पदेन सदस्य                 |
| 7.  | रिक्त   | सदस्य                      |
| 8.  | रिक्त   | सदस्य                      |
| 9.  | रिक्त   | सदस्य                      |
| 10. | रिक्त   | सदस्य                      |
| 11. | श्री हरकेश मित्तल<br>सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड                               | पदेन सदस्य<br>(सदस्य सचिव) |



## COMPOSITION OF THE TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

(As on 31<sup>st</sup> March, 2014)

- |     |  |   |
|-----|--|---|
| 1.  | Dr. T. Ramasami<br>Secretary, Department of Science & Technology   | ex-officio Chairperson                  |
| 2.  | Dr. T. Ramasami<br>Secretary, Department of Scientific<br>& Industrial Research ( <b>Additional Charge</b> ) | ex-officio Member                       |
| 3.  | Shri Avinash Chander<br>Secretary, Department of Defence Research<br>& Development                           | ex-officio Member                       |
| 4.  | Shri Ratan P. Watal<br>Secretary, Department of Expenditure  | ex-officio Member                       |
| 5.  | Shri Amitabh Kant<br>Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion                                | ex-officio Member                       |
| 6.  | Shri L. C. Goyal<br>Secretary, Department of Rural Development   | ex-officio Member                       |
| 7.  | Vacant   | Member                                  |
| 8.  | Vacant   | Member                                  |
| 9.  | Vacant   | Member                                  |
| 10. | Vacant   | Member                                  |
| 11. | Shri Harkesh Mittal<br>Secretary, Technology Development Board   | ex-officio Member<br>(Member Secretary) |

## बोर्ड के सदस्यों की फोटोग्राफ

(31 मार्च, 2014)



डॉ. टी रामासामी,  
अध्यक्ष  
एवं सचिव, डीएसआईआर (अतिरिक्त प्रभार)



श्री अविनाश चन्द्र



श्री रतन पी. वतल



श्री अमिताभ कान्त



श्री एल. सी. गोयल



श्री हरकेश मित्तल



## PHOTOGRAPHS OF THE BOARD MEMBERS

(As on 31<sup>st</sup> March, 2014)



Dr. T. Ramasami  
Chairperson &  
Secretary, DSIR (Additional Charge)



Shri Avinash Chander



Shri Ratan P. Watal



Shri Amitabh Kant



Shri L. C. Goyal



Shri Harkesh Mittal

## प्रस्तावना

व्यापक घरेलू अनुप्रयोग के लिए विकास को प्रोन्नत करने और सभी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) का गठन किया।

टीडीबी, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के तहत सृजित प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोष को शासित करता है, कोष भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम भी टीडीबी को किसी अन्य स्रोत से टीडीबी द्वारा प्राप्त सभी धनराशियों को कोष के खाते में डालते हुए कोष के प्रदान धनराशियों से की गयी वसूलियों और कोष की धनराशि के निवेश से किसी आय द्वारा निधि बनाने का अधिकार देता है वित्त अधिनियम, 1999 आयकर के प्रयोजनार्थ कोष के लिए दिये गये दानों हेतु पूर्ण कटौतियों का अधिकार देता है।

भारत सरकार टीडीबी को अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 (1995 में यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत औद्योगिक कंपनियों से किये गये उपकर समाहरणों में से निधियां मुहैया कराती है। वर्ष 1996-97 से 2013-14 की अवधि के दौरान सरकार द्वारा 4965.49 करोड़ रु. का अनुसंधान एवं विकास उपकर एकत्रित किया गया। इसमें से, टीडीबी ने 18 वर्ष के भीतर 542.42 करोड़ रु. की संचयी प्राप्त की।

टीडीबी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता रहता है। टीडीबी को औद्योगिक कंपनियों के लिए ऋण सहायता मुहैया कराने का अधिदेश प्राप्त है। ऋण के लिए 5 प्रतिशत प्रति वर्ष का साधारण ब्याज होता है (13 मई, 2002 से प्रभावी)। ऋण अवधि के दौरान टीडीबी की परियोजनाओं के तहत उत्पादन की बिक्री होने पर रॉयल्टी का भी भुगतान करना होता है। टीडीबी आवेदकों से प्रशासनिक, संसाधन अथवा वचनबद्धता प्रभार वसूल नहीं करता। टीडीबी किशतों में धनराशि मुहैया कराती है जो ऋण करार की शर्तों और निबन्धनों के अनुसार सम्बद्ध मानकों से जुड़े होते हैं। कुछ मामलों में टीडीबी सहायता प्रदत्त औद्योगिक कंपनियों के निदेशक बोर्ड में निदेशक (कों) को नामित कर सकता है। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अवधि साधारणतया तीन वर्षों से अधिक नहीं होती है।

ऋण की मात्रा सामान्यतः स्वीकृत परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक सीमित है। ऋण और ब्याज को ऋणाधारों और गारंटियों के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है।

सामान्यतः ऋण वापसी और ब्याज भुगतान परियोजना पूरी होने के पश्चात आरंभ होता है और अधिस्थगन काल एक वर्ष से अधिक नहीं होता। तत्पश्चात् ऋण धनराशि नौ अर्धवार्षिक किशतों में वसूलीयोग्य होती है। पहली किशत के पुनः भुगतान (वापसी) तक ही संचयी ब्याज की धनराशि को तीन वर्ष की अवधि में बांट दिया जाना चाहिए।

टीडीबी स्वदेशी रूप से प्रौद्योगिकी को विकसित करने में शामिल औद्योगिक कंपनियों और आर एण्ड डी संस्थानों को अनुदानों और / अथवा ऋण के रूप में भी वित्तीय सहायता मुहैया कराता है। अनुदानों की स्वीकृति का निर्णय टीडीबी बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे विशेष मामलों में ही मुहैया किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं को इनके द्वारा प्राप्त रॉयल्टी में से टीडीबी को (अनुदान के समतुल्य) अथवा सहभागी एजेंसियों द्वारा किये गये निवेशों के लाभांश में से आनुपातिक रूप से टीडीबी को भुगतान करना अपेक्षित होता है।



## INTRODUCTION

To promote development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to build up Fund by crediting all sums received by TDB from any other source, recoveries made of the amounts granted from the Fund, and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India provides funds to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986 (as amended in 1995). During the period of 1996-97 to 2013-14, a total amount of Rs. 4965.49 crore R&D cess has been collected by the Government. Out of this, TDB has received a cumulative sum of Rs. 542.42 crore over the period of 18 years.

TDB receives applications seeking financial assistance throughout the year. The TDB mandate provides for loan assistance to the industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum (w.e.f. 13<sup>th</sup> May 2002). Royalty would also be payable on sale of products under TDB project during the concurrency of loan. TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants. TDB provides the loan amount in instalments that are linked to implementation associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. The implementation period of a project should generally not exceed three years.

The quantum of loan is, normally, limited upto 50 percent of the approved project cost for the expenditure to be incurred for completion of project. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees.

Normally, the repayment of the loan and payment of interest commences after the project is completed and moratorium period not exceeding one year. The loan amount is generally recoverable in nine, half yearly instalments thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years.

TDB also provides financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technologies. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is provided in exceptional cases having importance towards fulfilling national interest. The recipient may be required to pay TDB (equivalent to grant) royalty received by it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.



टीडीबी किसी औद्योगिक कंपनी (कंपनी अधिनियम 1956 के अधीन) में इसके आरंभ होने, चलाने और / अथवा टीडीबी द्वारा अपेक्षाओं के यथा मूल्यांकित किये गये जरूरतों अनुसार और संवृद्धि स्तरों पर ऋण - इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान कर सकता है।

इक्विटी अंशदान टीडीबी के पूरे बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह स्वीकृत परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक होता है बशर्ते यह प्रोत्साहकों द्वारा चुकता पूंजी से अधिक न हो। औद्योगिक कंपनी को टीडीबी द्वारा अंशदान की धनराशि के समतुल्य अपने शेयर प्रमाण पत्र टीडीबी को जारी करने होंगे। अंशदान पूर्व स्थितियों में यह शामिल होगा कि प्रोत्साहकों का अंशदान होना चाहिए और अपने हिस्से की शेयर पूंजी को पूर्ण रूप से चुकता किया जाना चाहिए। प्रोत्साहकों को टीडीबी के अंशदान के बराबर अपने शेयर टीडीबी को गिरवी रखना चाहिए। टीडीबी को ऐसी कंपनियों के निदेशक मंडल में नामित निदेशक (को) को रखने का अधिकार है। टीडीबी का यह विवेकाधिकार है कि वह (इक्विटी पूंजी) विनियमनों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परियोजना पूरी हो जाने के तीन वर्षों के पश्चात् अथवा अंशदान की तिथि से पांच वर्षों के पश्चात् कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंग्स को समाप्त कर सकती है। तथापि, शेयरों को वापस खरीदने का पहला विकल्प संस्थापकों के पास होगा।

टीडीबी औद्योगिक कंपनियों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी के प्रतिस्थापन पर विचार नहीं करता जिन्होंने इस प्रकार का ऋण अन्य संस्थानों से लिया है।

वर्ष 2013-14 के दौरान बोर्ड ने की बैठक दिनांक 11 अप्रैल, 2013 (52वीं) को सम्पन्न हुई।

## प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने औद्योगिक संगठनों के लिए 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' को शुरू किया है। इस पुरस्कार के दो घटक हैं: (i) उन औद्योगिक संगठनों के लिए जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफल वाणिज्यीकरण किया है और (ii) इन प्रौद्योगिकी के विकासकर्ताओं / प्रदाताओं के लिए। इसके प्रत्येक घटक में दस लाख रु. का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी प्रदान की जाती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे।

## एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टीडीबी ने प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद को सफलतापूर्वक वाणिज्यीकृत करने वाली लघु उद्योग इकाई (एस एस आई यूनिट) के लिए एक ट्राफी और 2 लाख रु. (वर्ष 2011 में 5 लाख रु. में परिवर्तित) के नकद पुरस्कार को शुरू किया था। प्रथम एस एस आई यूनिट पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया।

## प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का वितरण

11 मई, 2013 को मनाए गए प्रौद्योगिकी दिवस समारोह 2013 की अध्यक्षता मुख्य अतिथि के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने, श्री एस. जयपाल रेड्डी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री, की उपस्थिति में की।

समारोह को सम्बोधित करते हुए, मुख्य अतिथि श्री प्रणव मुखर्जी ने कहा "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2013 के समारोह में आपके साथ मेरा भाग लेना, वास्तव में मेरे लिए गौरव की बात है।





TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio.

The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 percent of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern is to issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of such companies. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. However, the first option to buy back the shares is given to the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finances from other institutions.

During the year 2013-14, the Board held 1 meeting i.e. on 11<sup>th</sup> April, 2013 (52<sup>nd</sup>).

## National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of Rs. 10 lakhs and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11<sup>th</sup> May 1999.

## Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh (Revised to Rs. 5 lakh in the year 2011) and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialized a technology-based product. The first SSI award was given on 11<sup>th</sup> May, 2001.

## Technology Day and Presentation of National Awards

The Technology Day Function 2013 celebrated on 11<sup>th</sup> May 2013 was presided over by President of India Shri Pranab Mukherjee as the Chief Guest in the presence of Shri S. Jaipal Reddy, Minister of Science and Technology and Earth Sciences.

Addressing the occasion, Chief Guest Shri Pranab Mukherjee said that "It is indeed a privilege for me to be present here along with you to participate in the National





यह दिवस देश के प्रौद्योगिकीय क्षमताओं के विकास के लिए सरकार की सम्बद्धताओं को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाता है।

एक प्रमुख प्रौद्योगिकीय शक्ति के रूप में भारत की यात्रा चुनौतीपूर्ण रही है। मैं, हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकी विदों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ एवं उनके प्रति कृतज्ञ हूँ जिन्होंने अपने गंभीर प्रयासों, अनथक समर्पण और दृष्टि केन्द्रीकरण के द्वारा हमें, अनेक कठिनाइयों के बावजूद, उच्च प्रौद्योगिकीय क्षमता वाले देश की स्थिति प्राप्त करने में मदद की है।

वैश्वीकरण ने कारोबार के नियमों को दोबारा से लिखा है। केवल अति प्रतिस्पर्धी और लचकदार कंपनियां ही इस बेधक वैश्विक बाजार में टिके रहने की आशा कर सकती हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हममें मुकाबला करने की क्षमता है। यदि हमारी प्रणालियां सुदृढ़ और प्रभावी होंगी तो संसार हमारा सम्मान करेगा और हमारे साथ कार्य करने को इच्छुक होगा। इस संदर्भ में इस वर्ष के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का थीम 'इनोवेशन - अन्तर लाता है' प्रासंगिक और उपयुक्त है।

इनोवेशन, भविष्य की मुद्रा के रूप में पहचान बना रहा है। यह कारोबार को प्रतिस्पर्धी धार प्रदान करता है और प्रभावी प्रबंधन के लिए समाधान उपलब्ध कराता है। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि पूरी दुनिया की सरकारें इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए गंभीर प्रयास कर रही हैं। 2010-20 का दशक भारत में इनोवेशन के दशक के रूप में घोषित हो चुका है। हमने, इस वर्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इनोवेशन नीति का निर्माण किया है जिसका उद्देश्य इनोवेशन आधारित विकास है। यह नीति देश की प्रगति में इनोवेशन के लिए एक इको-सिस्टम का आवाहन करती है। इस इनोवेटरों को प्रोत्साहित करने और उन्हें मान्यता देने की मांग करती है, विशेषकर जमीन से जुड़े इनोवेटरों को, जो आम आदमी के लाभ के लिए अपनी सादगी भरी मेधा से प्रक्रियाओं का मूल्यवर्धन किया है।

यह नीति हमारी अनुसंधान और विकास प्रणाली को सही आकार देने की आवश्यकता पर भी बल देती है। भारत में इनोवेशन की निचली रेखा बहुत उत्साहवर्धक नहीं है क्योंकि एक वर्ष में भारत की ओर से फाइल किये गये पेटेंटों की तुलना में यू.एस. और चीन जैसे अग्रणी देशों के फाइल पेटेंट 12 गुणा अधिक है। भारत जीडीपी का 0.9 ही अनुसंधान और विकास पर खर्च करता है जो कि चीन, यू.के. और इजराइल की तुलना में बहुत कम है। बड़े स्तर पर इनोवेशनों को लाने के लिए, अनुसंधानों पर अपने खर्च को और बढ़ाना चाहिए। निजी क्षेत्र जो कि हमारे देश के अनुसंधान एवं विकास पर किये गये खर्च में एक चौथाई का योगदान देते हैं, उन्हें भी जापान, यू.एस. एवं दक्षिण कोरिया जैसे देशों के स्तर की बराबरी पर आने के लिए अपने खर्च के हिस्से को और बढ़ाना चाहिए।

नई ज्ञान अर्थव्यवस्था में भारत की भावी समृद्धि नये विचारों को प्रदान करने की क्षमता, प्रक्रियाओं और समाधानों पर निर्भर है। इनोवेशन की प्रक्रिया ज्ञान को सामाजिक हित और आर्थिक समृद्धि में परिवर्तित करेगी। वैश्विक प्रतिस्पर्धी दुनिया में, भारत को क्षमता, उत्पादकता, दक्षता और समग्र वृद्धि को बढ़ाकर अपनी इनोवेशन संभावनाओं को खोलना होगा। भारत और उसके लोगों की इनोवेशन क्षमता को भारत की प्रगति और विकास प्रक्रिया का चोतक बनना है और इसके लिए इनोवेशन की इस प्रवृत्ति को विश्वविद्यालयों, व्यवसायियों और सरकार से सभी स्तर के लोगों तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

इस समय भारत अनेक स्तरों पर मजबूत है। गहन अनुसंधान और विकास आधार और अकादमिक प्रतिभा के साथ, इसके पास जैव प्रौद्योगिक, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमेटिव पुर्जों, सूचना प्रौद्योगिकी और आईटी सम्बंधित सेवाओं जैसे कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों में अग्रणी इनोवेशन खिलाड़ी बनने की संभावनाएं हैं। जबकि भारत



Technology Day 2013 function. This Day symbolizes the importance the Government attaches to the development of the country's technological capabilities.

The journey of India's emergence as a major technological power has been challenging. I take this opportunity to extend my greetings and gratitude to our scientists, engineers and technologists whose sincere endeavour, untiring commitment and focused vision helped us achieve the status of Nation with high technological capability despite many odds.

Globalization has rewritten the rules of business. Only the most competitive and resilient companies can expect to survive in the fiercely global market. We must make sure we have the capacity to compete, to innovate and to deliver on time. If our systems are strong and robust, the world will respect us and be willing to work with us. In this context, the theme of the National Technology Day this year, "Innovation - Making a Difference", is timely and appropriate.

Innovation is increasingly recognized as the currency of the future. It lends a competitive edge to business, and provides solution for effective governance. It is therefore not surprising that governments around the world are making a concerted effort to encourage innovation. The decade 2010-20 has been declared in India as the decade of innovation. We have formulated the Science, Technology and Innovation Policy this year, aimed at an innovation-led development. This policy calls for an eco-system for innovation activity to thrive in our country. It portrays a need to encourage and recognize innovators, including grass root innovators who by their sheer brilliance have added value to processes to the benefit of the common man.

This policy also addresses the need to right-size our research and development system. India's innovation bottom line is not very encouraging as the number of patent applications filed annually in leading countries like US and China is roughly 12 times more than that of India. India spends only 0.9 per cent of GDP on research and development, which is much below that of China, UK and Israel. We should step up our expenditure on research to pursue innovation in a big way. The private sector, which contributes one-fourth of our country's expenditure on research and development, should also increase their share of spending to levels prevalent in countries such as Japan, US and South Korea.

The future prosperity of India in the new knowledge economy will increasingly depend on its ability to generate new ideas, processes and solutions. The process of innovation shall convert knowledge into social good and economic wealth. In a globally competitive world, India has to unleash its innovation potential to increase capacity, productivity, efficiency and inclusive growth. The capacity of innovation of India and its people has to become a part and parcel of India's growth and development process. And for it to happen, the spirit of innovation has to permeate all sectors of the economy from universities, businesses and government, to people at all levels.

India today has a number of strengths. With a strong research and development base and academic talent, it has the potential to become a leading innovation player in certain key economic sectors such as biotechnology, pharmaceuticals, automotive components, information technology, software, and IT-enabled services. However, India has around 300 million of its citizens living below the poverty line. Huge disparities exist in terms of access to development initiatives. And



के लगभग 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। विकास प्रयासों का लाभ लेने के हिसाब से बहुत असमानता है। इसी विरोधाभास के कारण भारत में जितने अवसर हैं, उतनी ही समस्याएं हैं। मुझे विश्वास है कि भारत, प्रगति के मुख्य चालक और शक्ति प्रदाता के रूप में इनोवेशन और प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके सतत समग्र विकास की चुनौतियों के निपट सकता है।

हमारी लोकतांत्रिक सरकार की आवश्यकताएं और अपेक्षाएं अन्य देशों से अलग हैं। इनोवेशन के लिए हमारी प्राथमिकताएं, हमारी सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं के हिसाब से तय होनी चाहिए। भारतीय इनोवेशन नीति इसीलिए अलग होती है। इसे विचारों के उत्पादन पर केन्द्रित होना चाहिए ताकि समग्र विकास को बढ़ाया मिले और सामाजिक-आर्थिक पिरामिड के तल पर अवस्थित लोगों को लाभ मिल सके। सतत विकास नीति की प्राप्ति के लिए हमें समग्र इनोवेशन पर केन्द्रित होना होगा।

हमने इनोवेशन ईको-सिस्टम बनाने के लिए कदम उठाए हैं। इनोवेशन नीति तैयार करने और देश में इनोवेशन गति को मदद देने के लिए हमारे पास एक सांस्थानिक ढांचा विद्यमान है जिसमें राष्ट्रीय इनोवेशन परिषद, राज्य इनोवेशन परिषदें और क्षेत्रीय इनोवेशन परिषदें शामिल हैं। सरकार एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी से 5000 करोड़ रु. की समग्र इनोवेशन निधि पर विचार किया गया है। यह समाधानों के लिए किये जा रहे प्रयासों को प्रोत्साहित करेगा ताकि गरीबों के लिए जीवन यापन अवसरों और कौशल विकास के अवसर बन सकें। समग्र इनोवेशन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए देश में बीस इनोवेशन समूह स्थापित किये जा रहे हैं। मुझे बताया गया है कि एक भारत इनोवेशन वेब पोर्टल बनाया जा रहा है जो इनोवेशन के संग्राह्य और विचारों के विनिमय के मंच के रूप में काम करेगा।

इनोवेशन गतिविधि में सहायता के लिए एक सुदृढ़ ईको-सिस्टम को उत्साहजनक सहयोग और सभी स्टैकधारकों की समर्पित भागीदारी की आवश्यकता होगी। सरकारी क्षेत्र, निजी क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र और बड़ी संख्या में हमारे देशवासी, ऐसे प्रयासों में योगदान देने के इच्छुक होंगे। इन प्रयासों को किसी भव्य मंच की आवश्यकता नहीं है और ये घर, स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय एवं कार्य-स्थलों से शुरु किये जा सकते हैं।

यह महत्वपूर्ण है कि युवा मस्तिष्कों में इनोवेशन की भावना को प्रोत्साहित किया जाये। हमें उनकी उत्सुकता और सृजनशीलता को प्रोत्साहित करना चाहिए। हमें उनकी कुछ नया खोजने के प्रयासों में मदद करनी चाहिए।

इस वर्ष आयोजित, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के उप-कुलपतियों के सम्मेलन में एक सिफारिश की गयी कि केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में इनोवेटर्स क्लब स्थापित किये जाएं ताकि अध्यापक और विद्यार्थी समुदायों और कैम्पस के पास रह रहे जमीनी इनोवेटर्स के बीच सम्पर्क स्थापित हो। कल, मुझे, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में पहली बार ऐसे क्लब के उद्घाटन का अवसर मिला। मुझे युवाओं के इनोवेशनों को देखकर खुशी हुई। मुझे विश्वास है कि बीबीएयू, लखनऊ के ये प्रयास जल्दी ही 40 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों तक पहुंचेंगे।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर मैं सभी देशवासियों का आग्रह करता हूँ कि वे इनोवेशन को एक जीवन पथ बनाने की शपथ लें।

मैं यह कहते हुए समापन करता हूँ कि विचार में इनोवेशन, प्रयासों में इनोवेशन और एक सर्वव्याप्त इनोवेशन भावना ही तेजी से बदलती इस दुनिया में हमारी स्थिति और स्तर को बनाये रख सकती है, जहाँ प्रौद्योगिकीय अप्रचलन रोजमर्रा की बात है। मुझे विश्वास है कि हमारे देशवासी इस अवसर का लाभ उठावेंगे, चुनौतियों को स्वीकार करेंगे और भारत को उच्च प्रौद्योगिकीय क्षमता सम्पन्न देश बनावेंगे।”

प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान, श्री अनिल गुप्ता, आईआईएम, अहमदाबाद के द्वारा दिया गया।



this paradox makes India a place of numerous opportunities as well as place of numerous problems. I believe that India can meet the challenges of sustainable inclusive growth by using innovation and technology as key drivers and enablers of growth.

The needs and requirements of our democratic polity are different from the other nations. Our priorities for innovation should be conditioned by our socio-economic realities. The Indian innovation strategy, therefore, has to be different. It should focus on generating ideas that promote inclusive growth and benefit people at the bottom of the socio-economic pyramid. To conceive a sustainable growth strategy, we must focus on inclusive innovation.

We have taken steps to create an innovation eco-system. To formulate innovation strategies and support the innovation 'movement' in the country, we have an institutional framework comprising the National Innovation Council, the State Innovation Councils and Sectoral Innovation Councils. A Rs. 5,000 crore Inclusive Innovation Fund, with public and private sector participation, has been envisaged. It will encourage efforts to design solutions that create livelihood opportunities and skill development for the poor. Twenty innovation clusters are being set up in the country to take the inclusive innovation agenda forward. I am told that an India Innovation web portal is being created to serve as depository of innovations and platform for exchange of ideas.

A strong eco-system for supporting innovation activity will require enthusiastic support and committed participation of all stakeholders. The public sector, private sector, education sector, and our citizens at large must be willing contributors to such efforts. The efforts do not necessarily require any grand platform and can begin from home, school, college, university and work place. It is important to ignite the young minds with the spirit of innovation. We must encourage them to pursue their curiosity and creativity. We must help them discover the fascination of creating something new.

In the Conference of Vice Chancellors of Central Universities held this year, a recommendation was made to set up Innovators Clubs in the Central Universities to facilitate interaction between the teaching and student communities and at the same time grassroots innovators living around the campus. Yesterday, I had the privilege to open the first such club at the Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU). I was happy to see the innovations that have been made by the young people. I am confident that this initiative taken by BBAU at Lucknow will soon reach all the 40 Central Universities.

On National Technology Day, I urge all the citizens to take a pledge to make innovation a way of life.

I would like to conclude by saying that innovation in thought, innovation in effort and an all-pervasive innovative spirit can maintain our position and status in the fast changing world, where technological obsolescence is the order of the day. I am confident that our countrymen will rise to the occasion, to take up this challenge and make India a nation with high technological capabilities."

The Technology Day Lecture was delivered by Prof. Anil Gupta, IIM, Ahmedabad.

## परियोजनाएं और उत्पाद

### स्वीकृति

वर्ष 2013-14 के दौरान टीडीबी ने 88.73 करोड़ रु. की प्रतिबद्धता और 317.06 करोड़ रु. की कुल परियोजना परिव्यय के साथ विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के साथ 16 करारों पर हस्ताक्षर किए।

### संवितरण

वर्ष 2013-14 के दौरान टीडीबी ने चालू और नई परियोजनाओं के लिए 99.10 करोड़ रु. का संवितरण किया है। इसमें औद्योगिक इकाइयों के लिए ऋण के रूप में 58.80 करोड़ रु. औद्योगिक इकाई एवं प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स के लिए अनुदान के रूप में 10.50 करोड़ रु. इक्विटी भागीदारी के लिए 2.40 करोड़ रु. तथा निवेश हेतु उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) के लिए 27.40 करोड़ रु. शामिल हैं।

### क्षेत्रवार कवरेज

टीडीबी ने इस बात को पूरा अनुभव करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं को सहायता दी है कि सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण दक्षता के विकास के लिए प्रौद्योगिकी अति अनिवार्य है। निम्नलिखित सारणी टीडीबी द्वारा 2013-14 के दौरान संपन्न करारों के क्षेत्रवार कवरेज को दर्शाती है :

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी की बचनबद्धता
1	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा	6	196.20	36.23
2	इंजिनियरिंग	5	77.17	33.10
3	इलेक्ट्रॉनिक्स	1	11.20	5.60
4	केमिकल	1	1.93	0.80
5	कृषि	1	10.72	4.50
6	सूचना प्रौद्योगिकी	1	10.00	4.50
7	टेलीकॉम	1	9.84	4.00
	कुल	16	317.06	88.73

### करारों का राज्य-वार वितरण

2013-14 के दौरान टीडीबी द्वारा सहायता का विस्तार सात राज्यों / केन्द्र शासित प्रदेशों में हुआ। वर्ष के दौरान टीडीबी द्वारा हस्ताक्षर किए गए 16 करारों का राज्य-वार वितरण को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है :



## PROJECTS AND PRODUCTS

### Sanctions

During the year 2013-14, TDB signed 16 agreements with various industrial concerns with a commitment of Rs. 88.73 crore out of total project outlay of Rs. 317.06 crore.

### Disbursements

During the year 2013-14, TDB disbursed Rs. 99.10 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 58.80 crore as loan to industrial concerns, Rs. 10.50 crore as grant to an industrial concern and Technology Business Incubators, Rs. 2.40 crore towards equity participation and Rs. 27.40 crore to Venture Capital Fund (VCF) for investment.

### Sector-wise Coverage

TDB provides support to projects in various sectors fully recognizing that technology is the key to develop core competency in all sectors. The table below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2013-14.

(Rs. in Crore)

	Sector	Number of Agreements	Total cost	TDB's Commitment
1	Health & Medical	6	196.20	36.23
2	Engineering	5	77.17	33.10
3	Electronics	1	11.20	5.60
4	Chemical	1	1.93	0.80
5	Agriculture	1	10.72	4.50
6	Information Technology	1	10.00	4.50
7	Telecom	1	9.84	4.00
	<b>Total</b>	<b>16</b>	<b>317.06</b>	<b>88.73</b>

### State-wise Distribution of Agreements

During 2013-14, the assistance by TDB is spread over seven states/ union territories. The table below indicates State-wise distribution of the 16 agreements signed by TDB during the year.

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	करारों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी की बचनबद्धता
1	आन्ध्र प्रदेश	6	87.41	35.50
2	दिल्ली	1	10.72	4.50
3	गुजरात	1	3.31	1.33
4	कर्नाटक	3	31.16	11.40
5	महाराष्ट्र	3	158.08	24.50
6	तमिलनाडु	2	26.38	11.50
	<b>कुल</b>	<b>16</b>	<b>317.06</b>	<b>88.73</b>

### प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता

टीडीबी औद्योगिक इकाइयों को प्रौद्योगिकीयों के वाणिज्यीकरण के लिए इस बात को नजरअंदाज करते हुए कि उद्योग की प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय संस्थान द्वारा अथवा स्वदेशी आर एंड डी यूनिट द्वारा विकसित की गई है, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। यदि परियोजना सूचना एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित होती है तो प्रौद्योगिकी सामान्यता संबंधित उद्योग द्वारा ही विकसित की गई होती है। वर्ष 2013-14 में प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं द्वारा हस्ताक्षर किए गए करारों को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है :

(करोड़ रु. में)

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता	संख्या	कुल लागत	टीडीबी द्वारा स्वीकृत
आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिट	14	176.28	71.13
डीआरडीओ	1	11.20	5.60
माईकोवियल तकनीकी संस्थान, सीएसआईआर लैब, चंडीगढ़	1	129.58	12.00
<b>कुल</b>	<b>16</b>	<b>317.06</b>	<b>88.73</b>

### सम्पन्न करार

वर्ष 2013-14 के दौरान टीडीबी ने विभिन्न औद्योगिक संगठनों के साथ 16 करारों पर हस्ताक्षर किए, जिनके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :

#### 1. मेसर्स रोबोनिक (इंडिया) प्रा. लि., नवी मुम्बई

मेसर्स रोबोनिक (इंडिया) प्रा. लि., नवी मुम्बई ने अपनी घरेलू विकसित तकनीक पर आधारित स्वदेशी परियोजना 'वाइट्रो डायग्नोस्टिक (आईवीडी) (मेडिकल डायग्नोस्टिक) उत्पाद (रुरलैब, एटोरा, ऑटोकोग, कम्प्यूटर सहित एलिसा विश्लेषक, मूत्र विश्लेषक-मल्ट्री स्ट्रिप।' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।



(Rs. in Crore)

	State / Union Territory	Number of Agreements	Total cost	TDB's Commitment
1	Andhra Pradesh	6	87.41	35.50
2	Delhi	1	10.72	4.50
3	Gujarat	1	3.31	1.33
4	Karnataka	3	31.16	11.40
5	Maharashtra	3	158.08	24.50
6	Tamil Nadu	2	26.38	11.50
	<b>Total</b>	<b>16</b>	<b>317.06</b>	<b>88.73</b>

## Technology Providers

TDB provides financial assistance to industrial concerns for commercialization of technologies irrespective of the fact whether the technology has been developed by the national institution or in-house R&D unit of the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology may generally be developed by the industrial concerns enterprises themselves. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2013-14 are indicated in the following table:

(Rs. in crore)

Technology Providers	Number	Total Cost	Sanctioned by TDB
In-house R&D Units	14	176.28	71.13
DRDO	1	11.20	5.60
Institute of Microbial Technology, Chandigarh, CSIR Lab.	1	129.58	12.00
<b>Total</b>	<b>16</b>	<b>317.06</b>	<b>88.73</b>

## Agreements concluded

During the year 2013-14, TDB signed 16 agreements with various industrial concerns. The details are given below:

### 1. M/s Robonik (India) Pvt. Ltd., Navi Mumbai

M/s Robonik (India) Pvt. Ltd, Navi Mumbai has approached TDB for financial assistance for its project titled 'Development and Commercialization of indigenously developed in-vitro Diagnostic (IVD) (medical diagnostic) products (ruralab, autora, Autocoag, Elisa analyser with computer, urine analyser-multi strip)' based on technology developed in-house by the company.

उत्पादों की प्राप्ति और विकास किया जा चुका है और प्रदर्शन तथा आवश्यकता की जांच के लिए प्रोटोपाइप बनाए जा चुके हैं।

वाणिज्यीकरण में उत्पादों की इंजीनियरिंग शामिल है ताकि, सौंदर्य, औद्योगिक सुरक्षा, उत्पादन की स्वीकार्यता, सेवा क्षमता और सुचारु उपयोग की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रेषण से पहले उत्पादन फ्रूलोर पर उत्पादों के परीक्षण के लिए गुणता नियंत्रण प्रक्रियाओं का संचालन और परीक्षण मानकों को विकसित किया गया है। कम्पनी उपरोक्त डायग्नोस्टिक उपकरणों के डिजाइन और विकास के लिए फोटोमेट्री रिफ्रलेक्टोमेट्री, कण गणना, चमक मापन, इलेक्ट्रोलाइट विश्लेषण आदि जैसी मूल प्रौद्योगिकियों पर ही विश्वास कर रही है।



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स रोबोटिक (इंडिया) प्रा. लि., नवी मुम्बई के प्रबंध निदेशक, श्री सुभाष चन्द्र पुजा

टीडीबी ने दिनांक 12 अप्रैल, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1700.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 850.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 जून, 2015 को पूर्ण हो जायेगी।

## 2. मेसर्स अंकित फास्टनर्स प्रा. लि., बेंगलोर

मेसर्स अंकित फास्टनर्स प्रा. लि., बेंगलोर ने अपनी घरेलू विकसित तकनीक पर आधारित परियोजना 'एल्युमीनियम आयन वैपर डिपोजिटेड कोटेड एयरोस्पेश फास्टनर्स' के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

कम्पनी ने अत्यधिक तापमान पर रोटेशनल गति वाले इंजनों और फ्रेमों में प्रयोग के लिए एयरोस्पेश भाग हेतु विभिन्न प्रकार के स्टेनलेस स्टील, टिटैनियम, आइकोनेल, उच्च श्रेणी के निकेल और कोबाल्ट आधारित फास्टनर्स के निर्माण की अपनी अनूठी प्रक्रिया के वाणिज्यीकरण का प्रस्ताव रखा। अंकित के फास्टनर्स उच्च शक्ति और कम भार एसेम्बलियों हेतु डिजाइन किये गये हैं और इन उत्पादों के लिए बाजार में पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं।



The products have been conceived and developed and prototypes have been built to check the performance and requirements. Now the above products are ready for commercialization.

Commercialization involves engineering of products to meet aesthetics, industrial safety, ease of production, serviceability and ease of use. Quality control procedures are laid and test jigs are developed to test products at production floor before dispatch. The Company is relying on the basic technologies such as Photometry, Reflectometry, Particle counting, Luminescence measurement, electrolyte analysis etc. for designing and developing the above diagnostic instruments.



"Exchanging the Loan Agreement with Shri Subhas Chandra Punja, Managing Director  
M/s Robonik (India) Pvt. Ltd, Navi Mumbai"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 850.00 lakh out of the project cost of Rs. 1700.00 lakh under an agreement signed on 12<sup>th</sup> April, 2013. The project is due for completion by 30<sup>th</sup> June 2015.

## 2. M/s Ankit Fasteners Pvt. Ltd., Bangalore

M/s Ankit Fasteners Private Limited, Bangalore has approached TDB for financial assistance for its project titled 'Aluminum Ion Vapour Deposited Coated Aerospace Fasteners' based on technology developed in-house by the company.

The company proposes to commercialize their unique process to manufacture various types of Stainless Steel, Titanium, Inconel, high performance Nickel and Cobalt base alloys fasteners for the aerospace segment for use in engines and frames that are subject to extreme temperatures and rotational speeds. Ankit's Fasteners are designed for high strength and light weight assemblies and have an addressable captive market for these products.

कम्पनी ने एल्यूमीनियम आयर वैपर डिपोजिशन (एआईवीडी) प्रक्रिया को देशी रूप से विकसित किया है। एल्यूमीनियम आयर वैपर डिपोजिशन (एआईवीडी) प्रक्रिया से आपत्तिजनक अवशिष्ट नहीं निकलते हैं। प्लेटिंग कार्यों के दौरान, कैडमियम इलेक्ट्रोप्लेटिंग के साथ एआईवीडी के प्रतिस्थापन से निकलने वाले आपत्तिजनक अवशिष्टों की मात्रा निश्चित रूप से कम हो जायेगी।

टीडीबी ने दिनांक 18 अप्रैल, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1297.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 500.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 सितम्बर, 2013 को पूर्ण होना था।

### 3. मेसर्स स्पर्श फार्मा इंटरनेशनल प्रा. लि., हैदराबाद

मेसर्स स्पर्श फार्मा इंटरनेशनल प्रा. लि., हैदराबाद ने अपनी परियोजना 'एल्जाइमर रोग के लिए रावास्टीगमिन ट्रांसडर्मल पैच' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

कम्पनी ने किफायती दरों पर भारत के लाखों जरूरतमंद लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ट्रांसडर्मल पैचों के निर्माण की दृष्टि से यह परियोजना चलाई है। कम्पनी ने दावा किया है कि वह 2009 से फेंटानिल ट्रांसडर्मल पैचों के निर्माण करने वाली पहली भारतीय कंपनी है। कम्पनी ने एल्जाइमर बीमारी जो कि असाध्य, अनुत्पादक एवं त्वचा रोग है, के उपचार के लिए, अपनी घरेलू आर एंड डी सुविधा में देसी रूप से रावास्टीगमिन ट्रांसडर्मल पैच विकसित किये हैं। कम्पनी टीडीबी की सहायता से एल्जाइमर रोग के लिए रावास्टीगमिन ट्रांसडर्मल पैचों के वाणिज्यिक उत्पादन हेतु, वर्तमान परियोजना के अन्तर्गत स्तरीय सुविधा केन्द्र स्थापित करने पर विचार कर रही है।



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स स्पर्श फार्मा इंटरनेशनल प्रा. लि., हैदराबाद के प्रबंध निदेशक, डॉ. डान्ये वीरापनेनी



The Company has indigenized the Aluminum Ion Vapour Deposition (AIVD) process. The Aluminum Ion Vapour Deposition (AIVD) process does not generate hazardous waste. Replacing cadmium electroplating with AIVD would significantly reduce the volume of hazardous waste generated during the plating operations.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 500.00 lakh out of total project cost of Rs. 1297.00 lakh under an agreement signed on 18<sup>th</sup> April, 2013. The project was to be completed by 30<sup>th</sup> September, 2013.

### 3. M/s Sparsha Pharma International Pvt. Ltd., Hyderabad

M/s Sparsha Pharma International Pvt. Ltd., Hyderabad has approached TDB for financial assistance for its project titled "Development and Commercialization of Rivastigmine Transdermal Patch for Alzheimer Disease".

The company established with a vision to manufacture Transdermal patches in India at an affordable cost to cater to the needs of millions of needy people in India, has claimed to be the first Indian Company manufacturing Fentanyl Transdermal Patches since 2009. The company in its own in-house R&D facility has developed indigenously, Rivastigmine Transdermal Patch for Alzheimer disease, an incurable, degenerative, and dermal disease. Project envisages setting up of a State-of-the-Art facility under the present project exclusively for commercial production of Rivastigmine Transdermal Patches for Alzheimer disease with the support of TDB.



"Exchanging the Loan Agreement with Dr. Dange Veerapaneni, Managing Director, M/s Sparsha Pharma International Pvt. Ltd., Hyderabad"

बोर्ड ने दिनांक 6 मई, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 2646.50 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 800.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2015 को पूर्ण हो जायेगी।

#### 4. मेसर्स फोरस हेल्थ प्रा. लि., बेंगलूर

मेसर्स फोरस हेल्थ प्रा. लि., बेंगलूर ने अपनी घरेलू विकसित तकनीक पर आधारित परियोजना 3नेत्रा – एक सुबोधा (इन्टेलीजेंट) प्री-स्क्रीनिंग ऑप्टेलमोलोजी उपकरण के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

कम्पनी एक पोर्टेबल, सुबोधा, नॉन-इनवैसिव, नॉन मीड्रिएटिक, सस्ते फंडूस कैमरे (नेत्र चिकित्सा उपकरण) का कार्यान्वयन कर रही है जो पांच नेत्र रोगों कॅटारेक्ट, डायबेटिक रेटिना, ग्लूकोमा, कॉर्निया मुद्दों के साथ वचिलन सूची पत्र मापन की पूर्व जांच में सहायता करती है। इसमें अन्दर ही निर्मित रीफ्लेक्टोमीटर के साथ रेटिनल कैमरा होता है जो रेटिना की छवि (इमेज) लेता है और उसके माध्यम से उसकी छवि (इमेज) प्रसंस्करण एल्गोरिदम से खोजी गयी समस्या की ऑटोमेटिक रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। यह रिपोर्ट जांच प्रक्रिया के पांच मिनट में आ जाती है जो रेटिनल छवियों आर खोजी गयी समस्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी देती है। इन छवियों की गुणवत्ता जांच उद्देश्यों की दृष्टि से बेहतरीन है और उच्च स्तर निदानों जैसे सर्जरी, लेजर चिकित्सा आदि के लिए भी इसका प्रयोग किया जा सकता है।

यह उपकरण टेलीमेडिसीन समाधानों जैसे रिमोट डायग्नोस्टिक प्रणालियों के साथ एकीकृत किया जाता है और रिमोट स्थितियों में रोगी की जांच में मदद कर सकता है। 3नेत्रा का विकास अस्पतालों से दूर बड़ी मात्रा में पूर्व जांच के उद्देश्य से किया गया है ताकि डॉक्टर जरूरतमंद रोगियों को अधिक समय दे सकें। टेलीमेडिसीन एवं डाटासेंटर के साथ 5 मुख्य नेत्र समस्याओं की ऑटोमेटेड पहचान के लिए एकीकृत इमेज प्रोसेसिंग एल्गोरिदम के साथ, 3नेत्रा विश्व का पहला सुबोध पूर्व जांच ऑप्टेलमोलोजी उपकरण है।



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स फोरस हेल्थ प्रा. लि., बेंगलूर के अध्यक्ष एवं सीटीओ, डॉ. श्याम वासुदेव राव



TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 800.00 lakh out of the project cost of Rs. 2646.50 lakh under an agreement signed on 6<sup>th</sup> May, 2013. The project is due for completion by 31<sup>st</sup> March, 2015.

#### 4. M/s Forus Health Pvt. Ltd., Bangalore

M/s Forus Health Private Limited, Bangalore has approached TDB for financial assistance for its project titled 'Development and Commercialization of 3nethra - An intelligent pre-screening Ophthalmology Device' based on technology developed in-house by the company.

The Company is implementing a portable, intelligent, non-invasive, non-mydratic, low cost fundus camera (eye care device) that helps in pre-screening of five eye diseases namely cataract, diabetic retina, glaucoma, cornea issues as well as refractive index measurements. It has a retinal camera with inbuilt refractometer that captures the images of the retina and, through its image processing algorithm generates an automatic report about the problem it has detected. The report is generated within 5 minutes of screening process, carries information on both retinal images and a brief about the problem diagnosed. The quality of the images is excellent for screening purpose and can be considered for high level diagnosis like surgery, laser treatment etc.

The device can be further integrated with remote diagnostic systems like telemedicine solutions and can help a patient to get screened in remote conditions. 3nethra was developed with the sole aim of taking mass pre-screening away from hospital so that doctors can spend more time on needy patients. 3Nethra is World's first intelligent pre-screening ophthalmology device with integrated image processing algorithm for automated identification of 5 major eye problems along with telemedicine and datacenter.



"Exchanging the Loan Agreement with Dr. Shyam Vasudev Rao, President & CTO, M/s Forus Health Pvt. Ltd., Bangalore"

टीडीबी ने दिनांक 9 मई, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 835.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 240.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 दिसम्बर, 2013 को पूर्ण होना था।

#### 5. मेसर्स एक्वाएग्री प्रोसेसिंग प्रा. लि., नई दिल्ली

मेसर्स एक्वाएग्री प्रोसेसिंग प्रा. लि., नई दिल्ली ने अपनी परियोजना 'कृषि पशुपालन एवं मानवीय अनुप्रयोगों के लिए मूल्यवर्धित उत्पादों' के वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

यह परियोजना संशोधित कैराजीनस, खाद्य समाधान प्रयोगशाला और सुविधा, सैप संकेन्द्रण हाइड्रोलाइसिस एवं चूर्णन संयंत्र एवं रंग निस्सारण संयंत्र के लिए एसआइपीसीओटी औद्योगिक क्षेत्र मंडपम, तमिलनाडु, में चालू परियोजना/सुविधाओं की वृद्धि पर विचार करती है। यह प्रौद्योगिकी सीवीड सार के एक्सट्रैक्शन और प्रोसेसिंग के लिए सीएसआइआर द्वारा विकसित और लाइसेंस प्राप्त है।

कम्पनी प्रस्तावित उत्पादों को आगे विकसित करने और पोषक पदार्थों को निकालने के लिए सीएसएमसीआरआई, भावनगर द्वारा उपलब्ध जानकारी का उपयोग कर रही है। इसका मूल उद्देश्य हमारे सीवीड सार में उपस्थित पोषकों पर केंद्रीकरण के द्वारा आगे जैव-पोषकों का मूल्यवर्धन है। इसके लिए सकेन्द्रीकरण संयंत्र, हाइड्रोलाइसिस संयंत्र और पाऊडरिंग संयंत्र स्थापित किये जायेंगे।



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स एक्वाएग्री प्रोसेसिंग प्रा. लि., नई दिल्ली के प्रबन्ध निदेशक, श्री अभिराम सेठ

टीडीबी ने दिनांक 27 मई, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1072.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 450.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 जून, 2014 को पूर्ण होगा।



TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 240.00 lakh out of total project cost of Rs. 835.00 lakh under an agreement signed on 9<sup>th</sup> May, 2013. The project was to be completed by 31<sup>st</sup> December 2013.

#### 5. M/s AquAgri Processing Pvt. Ltd., New Delhi

M/s AquAgri Processing Private Limited, New Delhi has approached TDB for financial assistance for its project titled "Commercialization of Value added products for agriculture, animal husbandry and human applications derived from seaweeds".

The Project envisages augmentation of the existing project/ facilities at SIPCOT Industrial area Mandapam, Tamil Nadu, for refined Carrageenan, food solutions lab and facility, Sap concentration, hydrolysis and powdering plant and pigment extraction plant. The technology for extraction and processing of seaweed extracts developed by and licensed from CSIR.

The proposed products, company is trying to further develop and improve the bio-nutrient extraction by leveraging and building on the know-how provided by CSMCRI, Bhavnagar. The main objective is to bring further value addition to bio-nutrient, by ways of concentrating the nutrients present in our seaweed extract. Towards this end Concentration plant, Hydrolysis plant and powdering plant will be established.



"Exchanging the Loan Agreement with Shri Abhiram Seth, Managing Director, M/s AquAgri Processing Private Limited, New Delhi"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 450.00 lakh out of the total project cost of Rs. 1072.00 lakh, under an agreement signed on 27<sup>th</sup> May, 2013. The project is due for completion by 30<sup>th</sup> June, 2014.

## 6. मेसर्स वाटरलाइफ इंडिया प्रा. लि., सिकन्दराबाद

मेसर्स वाटरलाइफ इंडिया प्रा. लि., सिकन्दराबाद ने अपनी परियोजना 'मोबाइल आरओ जल शोधन प्रणालियों पर आधारित, डीआरडीओ की मोबाइल एनबीसी शुद्ध जल प्रौद्योगिकी' के वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

कम्पनी डीआरडीओ प्रौद्योगिकी पर आधारित मोबाइल एनबीसी - शुद्ध आरओ सिस्टम्स के निर्माण और वाणिज्यीकरण पर विचार कर रही है और इसके परीक्षण, मार्केटिंग और बिक्री के लिए री-डिजाइनिंग और निर्माण के द्वारा उत्पादन के लिए अपेक्षित सुविधाओं और उपकरणों की स्थापना भी करना चाहती है।

यह इकाई एनबीसी फिल्टर सिस्टम गतिशीलन के लिए कंटेनराइज्ड ट्रक पर रखा जाता है जो डीजल जेनरेटर और सभी पाइपों के साथ पूरी तरह सज्जित होता है। एनबीसी इकाई रेडियो न्यूक्लाइड और जैविक तथा रसायनिक अवशेषों के अंशों को हटाती है। इस उत्पाद का प्रयोग आपदा प्रबंधन और सेना की आवश्यकताओं के लिए होता है और इसे वैकल्पिक तौर पर बिना 'न्यूक्लीयर फिल्टर' के प्रयोग किया जा सकता है। यह विषम और कठोर क्षेत्र जांचों में भी सफल हो चुका है। यह एनबीसी दूषित जल पर परीक्षित है और डीआरडीई एवं बीएआरसी में भी इसका परीक्षण हो चुका है। यह थलसेना में नागाईपट्टनम एवं विभिन्न स्थानों की बाढ़ों में परीक्षित और सिद्ध हो चुका है।



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स वाटरलाइफ इंडिया प्रा. लि., सिकन्दराबाद के प्रबंध निदेशक, श्री सुदेश मेनन

टीडीबी ने दिनांक 17 जुलाई, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1120.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 560.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 सितम्बर, 2014 को पूर्ण होगा।



## 6. M/s Waterlife India Pvt. Ltd., Secunderabad

M/s. Waterlife India Private Ltd., Hyderabad has approached TDB for financial assistance for its project titled "Commercialization of DRDO's Mobile NBC Clean Water Technology based Mobile RO Water Purification Systems"

The company intends to commercialize and manufacture Mobile NBC- Clean RO Systems based on DRDO technology and envisages setting up the requisite facilities and equipment for productionizing the system through redesigning, manufacturing followed by testing, marketing and selling it.

This unit NBC filter system is mounted on a containerized truck for mobility and fully self sufficient with Diesel Generator and all piping. NBC unit removes traces of radionuclides, and biological and chemical warfare residue. The product has applications during Disaster Management and Military requirements and can be used optionally without the "Nuclear Filter". It has also passed rugged and stringent field trials. The System has been tested on NBC contaminated water and tested at DRDE and BARC. It has already been tested and proven in Army and Tsunami at Nagaipattinam and floods at various places.



"Exchanging the Loan Agreement with Shri Sudesh Menon, Managing Director,  
M/s Waterlife India Private Ltd., Hyderabad"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 560.00 lakh out of the project cost of Rs. 1120.00 lakh under an agreement signed on 17<sup>th</sup> July, 2013. The project is due for completion by 30<sup>th</sup> September, 2014.

### 7. मेसर्स सिमेट्रिक्स बायोटेक प्रा. लि., मुम्बई

मेसर्स सिमेट्रिक्स बायोटेक प्रा. लि., मुम्बई ने अपनी परियोजना 'क्लॉट स्पेसीफिक स्ट्रेप्टोकाइनेज (एसमएआरएक्स 11), कार्डियो वेस्कुलर रोगों के इलाज के लिए एक अनूठा थ्रोम्बोलाइटिक' के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

कम्पनी मुम्बई आधारित बायोफार्मास्यूटीकल्स विकास कम्पनी है। कम्पनी ने एक अनूठी 'क्लॉट बस्टर' प्रोम्बोलाइटिक ड्रग : क्लॉट स्पेसीफिक स्ट्रेप्टोकाइनेज विकसित की है जो कि इस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबायल टेक्नोलॉजी (आईएमटीईसीएच), चंडीगढ़, एक सीएसआरआई प्रयोगशाला द्वारा विकसित पेटेंटेड, अनूठी थ्रोम्बोलाइटिक प्रोटीन थिरेपीटिक पर डीएनए शीकॉम्बिनेट प्रौद्योगिकी द्वारा निर्मित थिरेपीटिक प्रोटीन पर आधारित है। इस परियोजना का उद्देश्य मोहाली में, सीजीएमपी अनुपालन के अनुसार क्लॉट स्पेसीफिक स्ट्रेप्टोकाइनेज (सीएसएसके) के व्यावसायिक उत्पादन के लिए निर्माण सुविधा स्थापित करना है।



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स सिमेट्रिक्स बायोटेक प्रा. लि., मुम्बई के निदेशक, डॉ. निर्मल मूल्ये

टीडीबी ने दिनांक 22 जुलाई, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 12967.64 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 1200.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना जनवरी, 2015 को पूर्ण होगा।

### 8. मेसर्स एन्जल्स हेल्थ प्रा. लि., नवी मुम्बई

मेसर्स एन्जल्स हेल्थ प्रा. लि., नवी मुम्बई ने अपनी परियोजना 'पूरे विश्व में प्रौद्योगिकी आधारित स्वास्थ्य रक्षा समाधानों उपलब्ध कराने वाले विश्व के पहले ऑनलाइन अस्पताल - मेडीएन्जल्स' के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।



### 7. M/s Symmetrix Biotech Pvt. Ltd., Mumbai

M/s Symmetrix Biotech Pvt. Ltd., Mumbai has approached TDB for financial assistance for its project titled "Clot Specific Streptokinase (SMRX 11), a novel thrombolytic for the treatment of cardiovascular disease.

The company is a Mumbai based Biopharmaceuticals Development Company and has developed a novel "clot-buster" thrombolytic drug: Clot Specific Streptokinase, a therapeutic protein made by DNA recombinant technology based on patented, novel thrombolytic therapeutic protein: developed by Institute of Microbial Technology (IMTECH), Chandigarh, a CSIR laboratory. The project aims to set up manufacturing facility for Commercial Production of Clot Specific Streptokinase (CSSK), as per cGMP compliance, in Mohali.



"Exchanging the Loan Agreement with Dr. Nirmal Mulye, Director, M/s Symmetrix Biotech Pvt. Ltd., Mumbai"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 1200.00 lakh out of the project cost of Rs. 12957.64 lakh under an agreement signed on 22<sup>nd</sup> July, 2013. The project is due for completion by January, 2015.

### 8. M/s Angels Health Pvt. Ltd., Navi Mumbai

M/s Angels Health Private Limited, Navi Mumbai has approached TDB for financial assistance for its project titled "MediAngels-The World's First Online Hospital providing technology based healthcare solutions across the world".

मेडीएन्जल्स विश्व का पहला ऑनलाइन अस्पताल है जो इन्टरनेट और ध्वनि चालित प्लेटफॉर्मों सहित प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने वाले लोगों को धिकित्सा सुविधाएं देने के प्रावधान पर विचार करता है। प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म घरेलू तौर पर विकसित किया गया है और एएसपी.नेट बेकबोन पर आधारित है। मेडीएन्जल्स फरवरी, 2011 से लाइव एवं काम कर रहा है। संस्थापकों की पूंजी के अतिरिक्त, मेडीएन्जल्स को एचडीएफसी होल्डिंग पीई समूह (भारत का सबसे बड़ा पीई समूह) जिसमें 2.4 करोड़ रुपये 2010 में एवं जमा राजस्व का 50.00 लाख रुपये पहले वर्ष के प्रचालन में निदर्शन किया।



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स एन्जल्स हेल्थ प्रा. लि., नवी मुम्बई के निदेशक, डॉ. देवराज सोमे और डॉ. अरविन्दर सिंगल

टीडीबी ने दिनांक 13 अगस्त, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1150.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 400.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 अगस्त, 2015 को पूर्ण होगा।

### 9. मेसर्स जेन टेक्नोलॉजिज लि., हैदराबाद

मेसर्स जेन टेक्नोलॉजिज लि., हैदराबाद ने अपनी परियोजना 'मानवरहित वायु वाहन मिशन सिम्यूलेटर' के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

जेन मानवरहित वायु वाहन सिम्यूलेटर एक विस्तृत प्रणाली है जिसे देशी रूप से बाहरी पायलटों, आन्तरिक पायलटों, मिशन कमांडरों, प्रेक्षकों/ विशेष पेलोड प्रचालकों और छवि दुभाषियों को प्रशिक्षित करने के लिए विकसित किया गया है।

परियोजना के सफल कार्यान्वयन के अतिरिक्त, कम्पनी निम्नलिखित कार्यों को करने के लिए भी प्रस्ताव रखती है 1) उत्पाद हेतु ट्रेडमार्क, 2) कॉपीराइट (पेटेंट) कार्यालय में सभी अनुप्रयोगों का पंजीकरण (इन्फ्रिंटेड संसाधन कोड और ग्राफिकल उपयोगकर्ता इन्टरफेस) और 3) कन्सोल (बेस) एवं बाहरी पायलट डोम प्रोजेक्शन एवं अनुरूपण की प्रक्रिया हेतु युटीलिटी पेटेंट के लिए आवेदन करना।



MediAngels is the world's first online hospital which envisages provision of medical services for people using technology including internet and voice enabled platform. The technology platform has been developed in house and is based on asp.net backbone. MediAngels has been LIVE & operational since Feb 2011. Besides promoters capital, MediAngels was seed funded by the HDFC Holdings PE group (India's largest PE group for Rs. 2.4 crore in 2010 and has demonstrated Rs. 50.00 lakh plus of revenue in its 1st year of operations.



"Exchanging the Loan Agreement with Dr. Debraj Shome and Dr. Arbinder Singal, Directors, M/s Angels Health Private Limited, Navi Mumbai"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 400.00 lakh out of total project cost of Rs. 1150.00 lakh under an agreement signed on 13<sup>th</sup> August, 2013. The project is due for completion by 31<sup>st</sup> August, 2015.

#### 9. M/s Zen Technologies Ltd., Hyderabad

M/s Zen Technologies Limited, Hyderabad has approached TDB for financial assistance for its project titled 'Development and Commercialization of Unmanned Aerial Vehicle Mission Simulator' based on technology developed in-house by the company.

Zen Unmanned Aerial Vehicle Simulator is a comprehensive system developed indigenously to train external pilots, internal pilots, mission commanders, observers/special payload operators and image interpreters.

Besides the successful implementation of the project, the company proposes to do the following 1) Trade Mark for the product; 2) Registration of all the software applications (encrypted source code and graphical user interface) with copyright (patent) office; and 3) applying for utility patent for console (bays) and external pilot dome projection and the process of simulation.



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स जेन टेक्नोलॉजिज लि., हैदराबाद के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री अशोक अतलुरी

टीडीबी ने दिनांक 27 अगस्त, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 2374.83 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 1160.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 30 सितम्बर, 2014 को पूर्ण होगा।

#### 10. मेसर्स विज्जीटेक सोल्यूशंस प्रा. लि., कोयम्बटूर

मेसर्स विज्जीटेक सोल्यूशंस प्रा. लि., कोयम्बटूर ने अपनी परियोजना 'मशीन विजन आधारित प्रौद्योगिकी' के वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

- वाणिज्यीकरण के लिए प्रस्तावित उत्पाद :
- ओआईसीसी (सर्कुलर पुर्जों का ऑप्टिकल निरीक्षण)
- एओआई (ऑटोमेटिक ऑप्टिकल निरीक्षण)
- एसीसीआर (ऑटोमेटिक कॉटन मिलावट को हटाना)

प्रौद्योगिकी विवरण : सभी तीनों प्रणालियां समान प्लेटफॉर्म सांझा करती हैं जिनके लिए निम्नलिखित क्षेत्रों में विभिन्न ज्ञान की आवश्यकता है :

- मैकेनिकल हैंडलिंग सिस्टम, ऑप्टिकल सिस्टम
- लाइटिंग डिजाइन, कैमरा डिजाइन
- सॉफ्टवेयर
- ऑटोमेशन
- प्रासेसिंग हार्डवेयर





“Exchanging the Loan Agreement with Shri Ashok Atluri, Chairman & Managing Director M/s Zen Technologies Limited, Hyderabad”

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 1160.00 lakh out of total project cost of Rs. 2374.83 lakh under an agreement signed on 27<sup>th</sup> August, 2013. The project is due for completion by 30<sup>th</sup> September, 2014.

#### 10. M/s Vizzitec Solutions Pvt. Ltd., Coimbatore

M/s Vizzitec Solutions Pvt. Ltd. Coimbatore has approached TDB for financial assistance for its project titled “Commercialization of Machine Vision based technology”.

##### **Proposed Products to be commercialized**

- OICC (Optical inspection of Circular Components)
- AOI (Automatic Optical Inspection)
- ACCR (Automatic Cotton Contamination Removal)

**Technology Details:** All the three systems share common platform requiring various knowledge in following areas:

- Mechanical Handling System; Optical System
- Lighting Design; Camera Design
- Software
- Automation
- Processing Hardware

सॉफ्टवेयर (विज्जीटेक कोर प्रौद्योगिकी विशेषता) : सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी निम्नलिखित पर आधारित है:

- वास्तविक समय लाइनक्स प्रणाली की मूल संरचना
- सीजीसी कम्पाइलर्स और उनके व्यवहार की मूल जानकारी
- डिजिटल छवि प्रसंस्करण तकनीक
- वास्तविक समय प्रणालियों के डिजाइन करने हेतु संरचना का ज्ञान
- छवि (इमेज) निकालना, रूपांतरण, बारम्बारता, स्थानक (स्पेशियल) विश्लेषण, प्रोफाइलिंग, तुलना, गणितीय एल्गोरिदम्स
- स्व-शिक्षण हेतु न्यूरल नेटवर्क सिद्धान्त
- नवीन विकास – आईपी हेतु अनेक अनूठे एल्गोरिदम्स विकास के लिए घरेलू तौर पर कार्य



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स विज्जीटेक सॉल्यूशन्स प्रा. लि., कोयम्बटूर के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री वेंकटेश पदाला

टीडीबी ने दिनांक 27 सितम्बर, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1187.61 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 550.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 जूलाई, 2014 को पूर्ण होगा।

#### 11. मेसर्स सियेकेम टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., चेन्नई

मेसर्स सियेकेम टेक्नोलॉजीज प्रा. लि., चेन्नई ने अपनी घरेलू तौर पर विकसित तकनीक पर आधारित परियोजना (i) उच्च तापमान प्रतिरोधी हाईब्रिड ईबीएक्सएल पॉवर केबिल्स (ii) उच्च उष्मा एवं अग्नि प्रतिरोधी ईबीएक्सएल केबिल जो कि उद्ये भवनों, चलती ट्रेनों और समुद्री अनुप्रयोगों में उपयोग हेतु चूहों, दीमकों और कीट प्रतिरोधक हैं और (iii) क्रिकेट बॉल बनाने के लिए, सफेद रंग के सिंथेटिक कोटेड, इलेक्ट्रॉन बीम चालित चमड़ा के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।



*Software (Vizzitecs core technology expertise):* The software technology is based on

- Basic architecture of real time Linux systems
- Basic knowledge on GCC compilers and its behavior
- Digital image processing techniques
- Architect knowledge to design real time systems
- Image extraction, conversion, frequency and spatial analysis, profiling, comparison, mathematical algorithms
- Neural network principles for self-learning
- New developments – In house leading to many unique algorithm developments for IP.



“Exchanging the Loan Agreement with Shri Venkatesh Padala, Chairman & Managing Director, M/s Vizzitec Solutions Pvt. Ltd., Coimbatore”

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 550.00 lakh against the total project cost of Rs. 1187.61 lakh, under an agreement signed on 27<sup>th</sup> September, 2013. The project is due for completion by 31<sup>st</sup> July, 2014.

#### 11. M/s Siechem Technologies Pvt. Ltd., Chennai

M/s Siechem Technologies Private Limited, Chennai has approached TDB for financial assistance for its project titled 'Development and commercialization of (i) High temperature resistant Hybrid EBXL power cables; (ii) High heat & fire resistant EBXL cable which is rodent, termite, insect resistant for use in high rise buildings, running trains and marine applications; and (iii) White colour Synthetic coated, Electron Beam Cured Leather for making cricket balls' based on technology developed in-house by the company.

टीडीबी ने दिनांक 9 अक्टूबर, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1450.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 600.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2015 को पूर्ण होगा।

## 12. मेसर्स प्रीमोडिया केमिकल्स एंड फार्मास्यूटीकल्स प्रा. लि., हैदराबाद

मेसर्स प्रीमोडिया केमिकल्स एंड फार्मास्यूटीकल्स प्रा. लि., हैदराबाद ने अपनी परियोजना 'प्रीमासीनो उत्पादन / निर्माण' के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

कंपनी ने अंतरिक्ष और रक्षा अनुप्रयोगों में रसायनों पर विशिष्ट बल और विविध अनुप्रयोगों के साथ विशिष्ट रसायनों के निर्माण और उनकी मार्केटिंग की प्राथमिक दृष्टि के साथ परियोजना प्रारम्भ की थी। फिलहाल की गतिविधियों में विशिष्ट रसायनों से सम्बंधित फेरोसीन का निर्माण एवं बिक्री, प्राथमिक रूप से अपने ब्रोडेड उत्पाद प्रीमासीन, जो कि बूटासीन का विकल्प है, शामिल है।

प्रीमासीन कंपनी द्वारा उत्पाद को दिया गया पंजीकृत ब्रांड नाम है जो कि एक फेरोसिन व्युत्पन्न (डेरीवेटिव) है जिसे पॉलीमेरिक वाइंडर एचटीपीबी में ग्राफ्ट किया गया है। केवल एचटीपीबी के उपयोग द्वारा सभी प्रोपेलेट्स लाभ रखने वाले प्रोपेलेट के लिए, यह उत्पाद एक आयात विकल्प है जिसे बूटासीन के ट्रेड नाम से एसएनपीई नामक फ्रेंच कम्पनी द्वारा बेचा जा रहा है।

कम्पनी बड़ौदा के निकट सावली, मंजूसार में प्रीमासीन के निर्माण हेतु समर्पित केन्द्र की स्थापना पर विचार कर रही है। यह केन्द्र भारतीय और अन्तरराष्ट्रीय ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़े स्तर पर इन उत्पादों का निर्माण करेगा।



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स प्रीमोडिया केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स प्रा. लि., हैदराबाद की प्रबंध निदेशक, श्रीमती रश्मी प्रधान

टीडीबी ने दिनांक 18 अक्टूबर, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 193.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 80.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 मार्च, 2015 को पूर्ण होगा।



TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 600.00 lakh out of total project cost of Rs. 1450.00 lakh under an agreement signed on 9<sup>th</sup> October, 2013. The project is due for completion by 31<sup>st</sup> March 2015.

## 12. M/s Primodia Chemicals and Pharmaceuticals Pvt. Ltd., Hyderabad

M/s Primodia Chemicals and Pharmaceuticals (P) Ltd., Hyderabad has approached TDB for financial assistance for its project titled "Production/ Manufacture of Primacene ®"

The company has been started with a vision primarily to manufacture and market specialty chemicals with diverse application with particular emphasis on chemicals for space and Defence applications. The immediate activities include manufacture and sale of Ferrocene related specialty chemicals, primarily its branded product - which is a substitute for Butacene- namely, Primacene.

The Primacene is the registered brand name given by the company to the product, a Ferrocene Derivative, grafted in a polymeric binder HTPB. The product is used as an energetic binder for the propellant having advantage over propellants using only - HTPB. This product is an import substitute as, at present, it is marketed only by a French company called SNPE under its trade name Butacene.

The company intends to set up a dedicated facility to manufacture Primacene, at Manjusar, Savli near Baroda. The facility will be for large scale manufacture of these products to cater to the needs of Indian and International clients.



"Exchanging the Loan Agreement with Mrs. Rashmi Pradhan, Managing Director, M/s Primodia Chemicals and Pharmaceuticals (P) Ltd., Hyderabad"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 80.00 lakh out of the project cost of Rs. 193.00 lakh under an agreement signed on 18<sup>th</sup> October, 2013. The project is due for completion by 31<sup>st</sup> March, 2015.

### 13. मेसर्स एक्सियो बायोसोल्यूशंस प्रा. लि., अहमदाबाद

मेसर्स एक्सियो बायोसोल्यूशंस प्रा. लि., अहमदाबाद ने अपनी परियोजना 'ट्रॉमेटिक रक्त प्रवाह को रोकने के लिए आपातकालीन हीमोस्टेटिक ड्रेसिंग' के वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

कंपनी ने एक्सियोस्टेट को सफलतापूर्वक विकसित, पेटेंटेड और उसके वाणिज्यीकरण हेतु नियामक प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है। एक्सियोस्टेट आपातकालीन हीमोस्टेटिक ड्रेसिंग्स है जो 100 प्राकृतिक जैव सामग्री से बने हैं और एक अनूठी, किफायती ड्रेसिंग प्रदान करते हैं जो मिनटों में ट्रॉमेटिक रक्त प्रवाह को रोक देती है। एक्सियोस्टेट की सुरक्षा और क्षमता का परीक्षण अन्तर्राष्ट्रीय मार्गनिर्देशों के अनुसार किया जा चुका है। कम्पनी फिलहाल पायलट स्तर पर एक्सियोस्टेट का निर्माण कर रही है। कम्पनी विचार कर रही है कि टीडीबी की सहायता से निर्माण क्षमता के विस्तार के लिए एक अलग केन्द्र बनाया जाये और एक्सियोस्टेट का वाणिज्यीकरण करके इसे भारत और विदेशों के बाजार में उतारा जाये।



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स एक्सियो बायोसोल्यूशंस प्रा. लि., अहमदाबाद के प्रबंध निदेशक, श्री लियो एस. मावेली

टीडीबी ने दिनांक 18 अक्टूबर, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 331.41 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 133.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 जुलाई, 2015 को पूर्ण होगा।

### 14. मेसर्स एसआई3डी सिस्टम्स प्रा. लि., बेंगलूर

मेसर्स एसआई3डी सिस्टम्स प्रा. लि., बेंगलूर ने अपनी परियोजना 'लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए रुपान्तरित उद्यम संधार प्रणाली' के वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।



### 13. M/s AXIO Biosolutions Pvt. Ltd., Ahmedabad

M/s. AXIO Biosolutions Private Limited, Ahmedabad has approached TDB for financial assistance for its project title "Commercialization of emergency Haemostatic dressing to control traumatic bleeding"

The company has successfully developed, patented and secured regulatory clearances for commercialization of AXIOSTAT: Emergency Haemostatic Dressings made of 100% natural biomaterials as a novel, affordable dressing that stops profuse traumatic bleeding within minutes. AXIOSTAT has been tested for safety and efficacy according to International guidelines. The company currently manufactures AXIOSTAT at pilot scale. The company envisages to scale up the manufacturing capacity as a separate dedicated facility to commercialize AXIOSTAT into major markets in India and abroad with the support of TDB.



"Exchanging the Loan Agreement with Shri Leo S. Mavelly, Managing Director, M/s AXIO Biosolutions Private Limited, Ahmedabad"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 133.00 lakh out of the project cost of Rs. 331.41 lakh under an agreement signed on 18<sup>th</sup> October, 2013. The project is due for completion by 31<sup>st</sup> July, 2015.

### 14. M/s Si3D Systems Pvt. Ltd., Bangalore

M/s Si3D Systems Pvt. Ltd., Bangalore has approached TDB for financial assistance for its project titled "Commercialization of Converged Enterprise Communication System for Small & Medium Enterprises (SME)".

कम्पनी ने सरलीकरण, डाटा और आवाज संरचना की लागत कटौती के लिए लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) को सक्षम बनाने के विचार से रुपांतरित उद्यम संघार प्रणाली का परिवार विकसित किया है जिसका नाम 'ऑफिस इन ए बॉक्स' है जो कि इन्टीग्रेटेड फोन एक्सचेंज, राउटर और एक एप्लीकेशन गेटवे सर्वर का एक में प्लग एवं प्ले सोल्यूशन है। इस एकीकृत प्रणाली को टीडीबी की मदद से व्यवसायिक क्षतियों और क्लाउड सहायता पर निर्भर अनुप्रयोगों इन्टरफेसेस के साथ निरूपित किया जाना है।

टीडीबी ने दिनांक 29 अक्टूबर, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 984.47 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 400.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया जो कि बाद में दिनांक 2 जनवरी, 2014 को हस्ताक्षरित संशोधित करार के तहत बदलकर 300.00 लाख रु. कर दी गयी। परियोजना 30 जून, 2014 को पूर्ण होगा।

### 15. मेसर्स ऊर्मि सिस्टम्स प्रा. लि., हैदराबाद

मेसर्स ऊर्मि सिस्टम्स प्रा. लि., हैदराबाद ने अपनी घरेलू विकसित प्रौद्योगिकी पर आधारित परियोजना 'सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड रेडियो' के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

ऊर्मि सिस्टम्स का उद्देश्य अलग कारकों की संख्या के साथ लचकीलापन रखते हुए एसडीआर का परिवार तैयार करना है जो प्लेटफॉर्म माउन्टेड (एयर बॉर्न, शिप आधारित अथवा वाहन सवारी) पैन पैक अथवा दस्ती हो। इसका उद्देश्य पूरी तरह देसी सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड रेडियो के परिवार का विकास करना और इसके उपयोगकर्ताओं को सर्वव्याप्त वायरलेस संचारों को एक्सेस के साथ कम कीमत पर उपलब्ध कराने में मदद करना है ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर किसी से कहीं भी किसी भी तरह सम्पर्क स्थापित कर सकें। इस एसडीआर प्रणाली के रक्षा, गृह सुरक्षा, ऑटोमेटिव, आपदा सहायता और संचार, क्षेत्रों में व्याप्त अनुप्रयोग हैं।

टीडीबी ने दिनांक 12 नवम्बर, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1000.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 450.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 दिसम्बर, 2014 तक पूर्ण होगा।

### 16. मेसर्स इन्टेमो सिस्टम्स लि., हैदराबाद

मेसर्स इन्टेमो सिस्टम्स लि., हैदराबाद ने अपनी परियोजना 'अवसंरचनात्मक सुविधाओं का विस्तार' के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मांगा।

यह परियोजना विद्युतीय ऊर्जा प्रबंधन के वाणिज्यीकरण और बिजली सुधारों के साथ उपकरणों की बचत और ऊर्जा दक्ष अर्थव्यवस्था के लिए स्पष्ट विकास प्रक्रिया पर विचार करती है। वाणिज्यीकरण के अन्तर्गत प्रस्तावित उत्पादों में शामिल हैं क) जीएसएस आधारित ऊर्जा बचत प्रणाली जो विभिन्न लोडों, फ्रलक्चुरेशन, सुपर इम्पोज्ड विद्युत प्रदूषणकारी तत्त्वों जैसे स्पाइक्स, सर्जस और प्रतिकारी शक्ति के कारण इलेक्ट्रिक सर्किट के कूड़े से बिजली को बचा सके ख) ऊर्जा साधन उद्योगों, रेलवे प्लेटफॉर्मों, पेट्रोल बंक्स की कैनोपी, एटीएम केंद्र, हवाई अड्डा आदि के लिए विश्वसनीय एवं स्थिर ऊर्जा आपूर्ति हेतु बिजली प्रबंधन प्रणाली और ग) प्रस्तावित विशिष्टताओं के अन्तर्गत आईईसी, आईईईई, एएनएसआई और एनईएमए मानकों के अनुसार लघु लघु एतसीएडीए-आरटीयू डिजायन।



The company with the intent to enable small & medium enterprises (SME) to simplify & cost-reduce their Data & Voice infrastructure, has developed a family of Converged Enterprise Communication Systems, called "Office-in-a-Box" which is an integrated Phone Exchange, Router and an Applications Gateway Server, all in one plug-n-play solution. The integrated system to be configured with application interfaces depending on the business verticals and cloud support with the assistance of TDB.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 400.00 lakh out of the project cost of Rs. 984.47 lakh under an agreement signed on 29<sup>th</sup> October, 2013 which was later amended through Supplementary Agreement dated 2<sup>nd</sup> January, 2014 for financial assistance of Rs. 300.00 Lakh. The project is due for completion by 30<sup>th</sup> June, 2014.

#### **15. M/s Uurmi Systems Pvt. Ltd., Hyderabad**

M/s Uurmi Systems Private Limited, Hyderabad has approached TDB for financial assistance for its project titled 'Development and Commercialization of Software Defined Radio' based on technology developed in-house by the company.

Uurmi Systems aims to create a family of SDR with the flexibility of having a number of variants which could be platform mounted (air borne, ship based or vehicle mounted), man pack or hand held. The objective is to develop a family of fully indigenous Software Defined Radio Communication systems and help to reduce costs in providing end-users with access to ubiquitous wireless communications – enabling them to communicate with whomsoever they need, whenever they need to and in whatever manner is appropriate. The SDR system will have wide applications in Defence, Homeland Security, Automotive, Disaster Relief and Communication sectors.

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 450.00 lakh out of the total project cost of Rs. 1000.00 lakh under an agreement signed on 12<sup>th</sup> November, 2013. The project is due for completion by 31<sup>st</sup> December, 2014.

#### **16. M/s INTEMO Systems Ltd., Hyderabad**

M/s Intemo System Limited, Hyderabad has approached TDB for financial assistance for its project titled "Expansion of Infrastructure facilities".

The project envisages the Commercialization of Electrical Energy Management and Saving Equipments Matching with Power Reforms and Clean Development Mechanism for Energy Efficient Economy. The product proposed to be commercialized include: a) GSM Based Energy Saver System to facilitate various loads to save power from wastage in Electrical Circuits due to fluctuations, super imposed power pollutants like spikes, surges and reactive power, b) Power Management System for reliable and stable energy Supply for Energy Intensive Industries, Railway Platforms, Canopy of petrol Bunks, ATM Centers, Airports etc. and c) Mini SCADA-RTU designed in accordance with applicable IEC, IEEE, ANSI, and NEMA standards, unless otherwise specified under proposed specifications.



ऋण करार का आदान प्रदान करते मेसर्स इन्टेमो सिस्टम्स लिमिटेड, हैदराबाद के प्रबंध निदेशक, श्री के. सत्यनारायणा

टीडीबी ने दिनांक 28 मार्च, 2014 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1406.65 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 500.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 31 दिसम्बर, 2014 को पूर्ण होगा।





"Exchanging the Loan Agreement with Shri K. Satyannarayana, Managing Director,  
M/s Intemo System Limited, Hyderabad"

TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 500.00 lakh out of the project cost of Rs. 1406.65 lakh under an agreement signed on 28<sup>th</sup> March, 2014. The project is due for completion by 31<sup>st</sup> December, 2014.

## वर्ष 2013-14 के दौरान जारी किए गए उत्पाद / सम्पन्न परियोजनाएं

वर्ष के दौरान टीडीबी से वित्तीय सहायता के साथ जारी किए गए उत्पादों / सम्पन्न की गई परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है :

### उन्नत ड्रग डिलीवरी आधारित कैंसर रोधी उत्पाद

मेसर्स पेनेसिया बायोटेक लिमिटेड, नई दिल्ली ने अपनी परियोजना 'कैंसर रोधी उत्पाद पैक्लीऑल पर आधारित उन्नत ड्रग डिलीवरी' के वाणिज्यीकरण हेतु निर्माण सुविधाओं को कार्यान्वयन किया।

तकनीक में उच्च दबाव होमोजेनाइजेशन द्वारा पॉलिमरिक नैनोपार्टिकल बनाना, जो कि वर्धित परमिएशन एवं रिटेशन (ईपीआर) प्रभाव के कारण ट्यूमर को लक्ष्य करने की क्षमता रखता है एवं इससे कोई केमोफोर प्रेरित जहरीलापन एवं कोई पैक्लीटैक्सल प्रेरित गंजापन भी नहीं होता, शामिल है।

इन उच्च जलविरोधी दवाइयों के नैनोपार्टिकल बनने से घुलनशीलता की समस्या का भी निपटान हो जाएगा। पार्टिकल के सतह एरिया को बड़े पैमाने पर बढ़ाकर और विघटन में सुधार लाकर ऐसा किसा जा सकता है। नैनोपार्टिकल के स्थिरता का विस्तार लायोफिलिजेशन द्वारा पुनर्गठन के लिए पाउडर के रूप में तब्दील कर किया जा सकता है। कम्पनी ने बद्दी प्लांट में साइकोटॉक्सिक उत्पादों के निर्माण हेतु, अद्यतन भारतीय एवं यूएस एफडीए/एमएचआरए जैसे अन्तरराष्ट्रीय नियामक मानकों के साथ एक स्तरीय केन्द्र स्थापित किया है।



मेसर्स पेनेसिया बायोटेक का पैक्लीऑल

टीडीबी ने दिनांक 25 जूलाई, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 4947.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 500.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया था। परियोजना 1 अप्रैल, 2013 को पूर्ण हो गया।

### इन्टरनेट और मोबाइल आधारित उपयोगों के लिए टेलीपेक्सटी<sup>SM</sup> आधारित स्वास्थ्य रक्षा विनिमय हेतु प्रौद्योगिकी

मेसर्स आई2आई टेलीसॉल्यूसन्स एवं टेलीमेडिसीन प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर ने अपनी घरेलू विकसित तकनीक पर आधारित परियोजना 'इन्टरनेट और मोबाइल आधारित उपयोगों के लिए टेलीपाक्सटी<sup>SM</sup> आधारित स्वास्थ्य रक्षा विनिमय हेतु प्रौद्योगिकीयों का विकास एवं वाणिज्यीकरण' का कार्यान्वयन किया।



## Products Released / Projects Completed During 2013-14

The brief profile of products released / projects completed during the year with the financial assistance from TDB is given below:

### Advanced Drug Delivery Based Anti-Cancer Product PacliALL (Paclitaxel)

Ms/ Panacea Biotech Limited New Delhi have implemented the project "Manufacturing Facility for Commercialisation of Advanced Drug Delivery Based Anti-Cancer Product PacliALL (Paclitaxel)".

Technology involves preparation of polymeric nanoparticles by high pressure homogenization, giving the product advantages of tumour targeting due to enhanced permeation & retention (EPR) effect & no cremophor induced toxicity & no paclitaxel induced alopecia in case of paclitaxel.

Preparing nanoparticles of these highly hydrophobic drugs would solve solubility problems, thereby greatly increasing the surface area of the particles and improving dissolution. The stability of the nanoparticles can be extended by converting the suspension in to powder for reconstitution by lyophilization. The company had created a state of art facility complying with the latest India and international regulatory standards viz. US FDA/MHRA for production of cytotoxic products at Baddi plant .



*PacliALL by M/s Panacea Biotech*

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 500.00 lakh out of the total project cost of Rs. 4947.00 lakh under the agreement signed on 25<sup>th</sup> July, 2012. The project was completed on 1<sup>st</sup> April, 2013.

### Technology for TelePACS™ based Healthcare Exchange for internet and mobile based healthcare access

M/s i2i Telesolutions and TeleMedicine Private Limited, Bangalore have implemented the project entitled 'Development and commercialization of technologies for a TelePACS™ based Healthcare Exchange for internet and mobile based healthcare access' based on technology developed in-house by the company.

टेलीमेडिसीन सोल्यूशन, आई-फोन और आई-पैड पर व्यवसायिक एंड टू एंड टेलीऑर्थोमोलोजी उपलब्ध कराता है। कंपनी ने सुरक्षित इनक्रिप्टेड ट्रांसमिशन, भंडारण और रिमोट निदान व रिपोर्टों के लिए मेडिकल छवियों की पुनःप्राप्ति उपलब्ध कराकर सेलुलर और ब्रॉडबैंड नेटवर्कों के लिए प्रौद्योगिकियों के उपयोग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा विकसित की है। इस प्रौद्योगिकी को विकास केन्द्र, बंगलोर, भारत में विकसित किया गया है। कम्पनी ने सफलतापूर्वक सीई प्रमाणन प्राप्त कर लिया है और यूएस सिक एफडीए अनुमोदन लेने की प्रक्रिया में है।



मेसर्स आई2आई टेलीसॉल्यूशन्स का टेलीपेक्सटी<sup>SM</sup> आधारित स्वास्थ्य रक्षा विनिमय

बोर्ड ने दिनांक 25 अप्रैल, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 751.17 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 250.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया था। परियोजना 30 सितम्बर, 2013 को पूर्ण हो गया।

### उनेथा – एक बुद्धिमान पूर्व जांच ऑफ़थेलमोलोजी उपकरण

मेसर्स फोरस हेल्थ प्रा. लि., बंगलोर ने अपनी घरेलू विकसित तकनीक पर आधारित परियोजना 'उनेथा – एक बुद्धिमान पूर्व जांच ऑफ़थेलमोलोजी उपकरण के विकास एवं वाणिज्यीकरण' को कार्यान्वित किया।

उत्पाद एक पोर्टेबल, सुबोधा, नॉन-इनवेसिव, नॉन मीडिएटिक, सस्ते फंडूस कैमरे (नेत्र चिकित्सा उपकरण) है, जो पांच नेत्र रोगों कॅटारेक्ट, डायबेटिक रेटिना, ग्लूकोमा, कॉर्निया मुहों के साथ वचिलन सूची पत्र मापन की पूर्व जांच में सहायता करती है। इसमें अन्दर ही निर्मित रीफ्रेक्टोमीटर के साथ रेटिनल कैमरा होता है जो रेटिना की छवि (इमेज) लेता है और उसके माध्यम से उसकी छवि (इमेज) प्रसंस्करण एल्गोरिदम से खोजी गयी समस्या की ऑटोमेटिक रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। यह रिपोर्ट जांच प्रक्रिया के पांच मिनट में आ जाती है जो रेटिनल छवियों आर खोजी गयी समस्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी देती है। इन छवियों की गुणवत्ता जांच उद्देश्यों की दृष्टि से बेहतरीन है और उच्च स्तर निदानों जैसे सर्जरी, लेजर चिकित्सा आदि के लिए भी इसका प्रयोग किया जा सकता है।



The telemedicine solution provides commercial end-to-end TeleOphthalmology solution on iPhone and iPad. The company has developed healthcare access technologies for cellular and broadband networks providing secure encrypted transmission, storage and retrieval of medical images for remote diagnosis and reporting. The technology was developed at the development center in Bangalore, India. The Company has successfully obtained CE certifications and is in the process of obtaining FDA approvals in USA.



*TelePACS™ based Healthcare Exchange by M/s i2i Telesolutions*

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 250.00 lakh out of the total project cost of Rs. 751.17 lakh under an agreement signed on 25<sup>th</sup> April, 2012. The project was completed by 30<sup>th</sup> September, 2013.

### **3Nethra – An intelligent pre-screening Ophthalmology Device**

M/s Forus Health Private Limited, Bangalore have implemented a project on 'Development and commercialization of 3nethra - An intelligent pre-screening Ophthalmology Device' based on technology developed in-house by the company'.

The product is a portable, intelligent, non-invasive, non-mydratic, low cost fundus camera (eye care device) that helps in pre-screening of five eye diseases namely cataract, diabetic retina, glaucoma, cornea issues as well as refractive index measurements. It has a retinal camera with inbuilt refractometer that captures the images of the retina and, through its image processing algorithm generates an automatic report about the problem it has detected. The report is generated within 5 minutes of screening process, carries information on both retinal images and a brief about the problem diagnosed. The quality of the images is excellent for screening purpose and can be considered for high level diagnosis like surgery, laser treatment etc.

यह उपकरण टेलीमेडिसीन समाधानों जैसे रिमोट डायग्नोस्टिक प्रणालियों के साथ एकीकृत किया जाता है और रिमोट स्थितियों में रोगी की जांच में मदद कर सकता है। अनेथा का विकास अस्पतालों से दूर बड़ी मात्रा में पूर्व जांच के उद्देश्य से किया गया है ताकि डॉक्टर जरूरतमंद रोगियों को अधिक समय दे सकें।

टेलीमेडिसीन एंव डाटासेंटर के साथ 5 मुख्य नेत्र समस्याओं की ऑटोमेटेड पहचान के लिए एकीकृत इमेज प्रोसेसिंग एल्गोरिदम के साथ, अनेथा विश्व का पहला बुद्धिमान पूर्व जांच ऑर्थोलमोलोजी उपकरण है।



मेसर्स फोरस हेल्थ का अनेथा

टीडीबी ने दिनांक 9 मई, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 835.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 240.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया था। टीडीबी ने 75.00 लाख रु. (पहली किश्त) की राशि कंपनी को जारी किया। उत्पाद के सफल विकास एवं परीक्षण के बाद कंपनी ने सामान्य ब्याज सहित यह 75.00 लाख रु. की राशि टीडीबी को लौटा दी है।

#### मल्टी-एप्लिकेशन टच कम्प्यूटिंग हैंड हेल्ड डिवाइस

मेसर्स नोशन इंक डिजायन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलोर ने अपनी परियोजना 'मल्टी-एप्लिकेशन टच कम्प्यूटिंग हैंड हेल्ड डिवाइस' हेतु वित्तीय सहायता के लिए टीडीबी से सहायता मांगा।

यह उत्पाद, एडम II एक उच्च क्षमता, एआरएम आधारित टच कम्प्यूटिंग टैबलेट है जिसे भारत में स्कैंच से डिजाइन एवं विकसित किया गया है। दूसरे अन्य ओईएम की तरह इसका मुख्य इंजीनियरिंग न तो बाहर से मंगाया गया है और न ही व्हाईड लेबल है, एडम II डिवाइस नोशन इंक द्वारा दो साल के प्रतिबद्ध शोध और इंजीनियरिंग प्रयास का प्रतिफल है जो भारत में उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के लिए जटिल बोर्ड डिजायन के लिए उच्च तकनीक वाला आईपी प्रदान करने का वचन देता है। एडम II अपने तरह का विश्व का पहला टच कम्प्यूटिंग हस्ती उपकरण है।



The device can be further integrated with remote diagnostic systems like telemedicine and can help a patient to get screened in remote conditions. 3nethra was developed with the sole aim of taking mass pre-screening away from hospital so that doctors spend time on needy patients.

3Nethra is World's first intelligent pre-screening ophthalmology device with integrated image processing algorithm for automated identification of 5 major eye problems along with telemedicine and data centre.



*3Nethra by M/s Forus Health*

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 240.00 lakh out of the total project cost of Rs. 835.00 lakh under an agreement signed on 9<sup>th</sup> May 2013. TDB released an amount of Rs. 75.00 lakh (as 1<sup>st</sup> instalment) to the company. After the successful development and testing of the product, the company has repaid Rs. 75.00 lakh and normal interest to TDB.

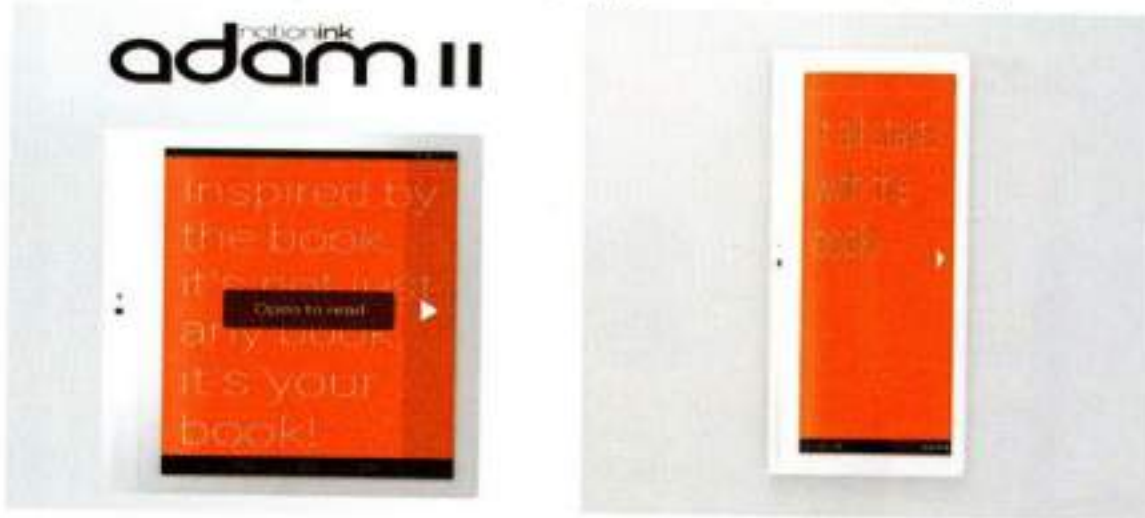
### **Multi-Application Touch Computing Hand Held Device**

M/s Notion Ink Design Labs, Pvt. Ltd, Bangalore has implemented the project for 'Multi-Application Touch Computing Hand Held Device' based on technology developed in-house by the company.

The product Adam II is a high end, ARM based touch computing tablet designed and developed from scratch in India. Unlike other OEMs where the core engineering is either outsourced or white-labelled, Notion Ink's Adam II device has had 2 years of dedicated research and engineering efforts which promises to catalyze and bring hi-tech IP for Complex Board Design for Consumer Electronic Products in India. Adam II is the first of its kind of touch computing hand held devices in the world.

नोशन इंक भारत में पहली कंपनी है जो अपने उत्पादों में चैसिस और बॉडी के लिए मैग्नेशियम का प्रयोग करती है। मैग्नेशियम का उपयोग एयरोस्पेश उद्योगों में उसके हल्के भार, जंगरोधी और उच्च शक्ति गुणधर्मों के कारण किया जाता है। यह इनके उत्पादों को टच कम्प्यूटिंग उपकरणों में सबसे हल्का बनाता है।

नोशन इंक का कोर आईपी सज्जित डिजाइन, पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक डिजाइन, सॉफ्टवेयर वास्तुकला, उपयोगकर्ता इंटरफेसेस और लाइनक्स/एन्ड्रॉइड बोर्ड सहायता पैकेज में हैं।



मेसर्स नोशन इंक डिजाइन लैब्स का एडम II

टीडीबी ने दिनांक 14 फरवरी, 2013 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 1549.31 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 650.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 28 फरवरी, 2014 को पूर्ण हो गया।

### स्वदेशी सस्ते डिस्पोजेबल लेप्रोस्कोपी ट्रोकर्स

मेसर्स अल्फा कोरपस्कल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली ने अपनी परियोजना 'स्वदेशी कम लागत डिस्पोजेबल लेप्रोस्कोपी ट्रोकर्स के विकास एवं वाणिज्यीकरण' को कार्यान्वित किया।

कंपनी ने 'एडप्टिव रिड्यूसर सील पर इनबिल्ट स्नैप ट्राई-एंगुलेटेड ब्लेडलेस सेपरेटर टिप और एंगुलेटेड फेस्कल थ्रेड' जैसे अनूठे पूजों के साथ संशोधित डिस्पोजेबल लेप्रोस्कोपी ट्रोकर्स को डिजाइन एवं विकास किया है।

कंपनी ने उपरोक्त डिस्पोजेबल लेप्रोस्कोपी ट्रोकर्स के निर्माण के लिए स्तरीय के साथ मशीनों, सम्बद्ध पूजों/उपकरणों की पहचान, प्राप्ति और स्थापना की है। साथ ही उत्पाद के निर्माण, एसेम्बली और पैकिंग विशेष टूल्स, माउल्ड्स और डाईज़ के साथ इसको डिजाइन और पूर्ण किया है।



Notion Ink is the first in India to use Magnalium for the chassis and the body in their products. Magnalium is used in aerospace industry for its light weight, anti-corrosive and high strength properties. This makes their product lightest of the class of touch computing devices.

Notion Ink's core IP is in embedded design, power electronics, industrial design, software architecture, user interfaces and Linux /Android Board Support Packages.



*Adam II by M/s Notion Ink Design Labs*

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 650.00 lakh out of a total project cost of Rs. 1549.31 lakh under an agreement signed on 14<sup>th</sup> February, 2013. The project was completed on 28<sup>th</sup> February, 2014.

### **Indigenous low cost Disposable Laparoscopy Trocars**

M/s Alfa Corpuscles Pvt. Ltd, New Delhi have implemented a project on "Development and Commercialization of Indigenous low cost Disposable Laparoscopy Trocars"

The company has designed and developed an improved disposable laparoscopic trocar with novel features such as 'Inbuilt Snap on Adaptive Reducer Seal, Tri Angulated Bladeless Separator Tip and Angulated Fascial Thread."

The company has indentified, procured and commissioned machines/ ancillary/ equipment in cognizance with the general state of art for the manufacture of the said disposable laparoscopy trocar and has designed and validated special tools, moulds and dies for the manufacturing, assembly and packing of the product.



मेसर्स अल्फा कोरपस्कल्स का डिस्पोजेबल लेप्रोस्कोपी ट्रोकार्स

बोर्ड ने दिनांक 1 मई, 2012 को हस्ताक्षरित ऋण करार के तहत 248.00 लाख रु. की कुल परियोजना लागत में से 114.00 लाख रु. का ऋण सहायता स्वीकृत किया। परियोजना 21 मार्च, 2014 को पूर्ण हो गया।





*Disposable Laparoscopy Trocars by M/s Alfa Corpuscles*

TDB had sanctioned a loan assistance of Rs. 114.00 lakh out of the total project cost of Rs. 248.00 lakh under the agreement signed on 1<sup>st</sup> May, 2012. The project was completed on 21<sup>st</sup> March, 2014.

## परियोजना प्रस्तावों को संशोधित करना

टीडीबी से ऋण सहायता की अपेक्षा रखने वाली औद्योगिक इकाई को एक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा करना होता है। टीडीबी वर्ष भर आवेदन प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित और अन्य विवरण 'परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश' पुस्तिका में उपलब्ध कराया गया है जो कि टीडीबी द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। संबंधित उद्योग अथवा उद्यमी / प्रोत्साहक आवेदन का प्रपत्र टीडीबी की वेबसाइट [www.tdb.gov.in](http://www.tdb.gov.in) से प्राप्त कर सकता है।

### वर्ष 2013-14 में प्राप्त आवेदन

टीडीबी ने वर्ष के दौरान औद्योगिक संस्थानों से 44 आवेदन प्राप्त किया।

#### राज्य-वार प्राप्त आवेदन

44 आवेदनों का राज्यवार वितरण निम्नलिखित है:

(करोड़ रु. में)

	राज्य/संघ शासित प्रदेश	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1	आंध्र प्रदेश	7	217.33	83.42
2	छत्तीसगढ़	1	4.00	2.00
3	दिल्ली	1	3.56	1.56
4	गुजरात	4	245.94	163.64
5	हरियाणा	1	10.00	9.95
6	कर्नाटक	11	107.71	51.90
7	केरल	2	10.89	6.00
8	महाराष्ट्र	11	354.74	176.05
9	राजस्थान	1	14.80	1.00
10	तमिलनाडु	4	41.61	18.30
11	उत्तर प्रदेश	1	4.80	2.40
	<b>कुल</b>	<b>44</b>	<b>1015.38</b>	<b>516.22</b>

#### क्षेत्र-वार प्राप्त आवेदन

टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त किए जाने कि लिए सभी आर्थिक क्षेत्रों से आवेदन प्राप्त होते हैं। क्षेत्र-वार प्राप्त आवेदनों का वितरण नीचे दिया गया है:-



## PROCESSING OF PROJECT PROPOSALS

An industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. TDB receives the applications throughout the year. The industrial concern or the entrepreneur/promoter can also obtain the format of application from the website of TDB i.e. [www.tdb.gov.in](http://www.tdb.gov.in).

### Applications Received in 2013-14

TDB received 44 applications during the year from industrial concerns.

### Application Received State-wise

The state-wise distribution of 44 applications is as under:

(Rs. in Crore)				
	State / Union Territory	Number of Applications	Estimated Total cost	Assistance sought from TDB
1	Andhra Pradesh	7	217.33	83.42
2	Chhattisgarh	1	4.00	2.00
3	Delhi	1	3.56	1.56
4	Gujrat	4	245.94	163.64
5	Haryana	1	10.00	9.95
6	Karnataka	11	107.71	51.90
7	Kerala	2	10.89	6.00
8	Maharashtra	11	354.74	176.05
9	Rajasthan	1	14.80	1.00
10	Tamilnadu	4	41.61	18.30
11	Uttar Pradesh	1	4.80	2.40
	<b>Total</b>	<b>44</b>	<b>1015.38</b>	<b>516.22</b>

### Applications Received Sector-wise

TDB receives applications seeking financial assistance in all the sectors of the economy. The sector-wise details of receipt of applications are given in the table below:

(करोड़ रु. में)

	सेक्टर	आवेदनों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1	कृषि	1	14.80	1.00
2	केमिकल	4	232.88	165.25
3	इलेक्ट्रॉनिक्स	2	10.45	4.90
4	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोगिता	2	17.11	8.00
5	इंजीनियरिंग	11	388.49	192.91
6	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा	9	200.02	68.47
7	सूचना प्रौद्योगिकी	14	132.66	66.21
8	टेलीकॉम	1	18.97	9.48
	<b>कुल</b>	<b>44</b>	<b>1015.38</b>	<b>516.22</b>

### आवेदकों के प्रकार

वर्ष के दौरान टीडीबी द्वारा प्राइवेट लिमिटेड एवं पब्लिक लिमिटेड कंपनियों इत्यादि से प्राप्त आवेदनों को नीचे की तालिका में देखा जा सकता है:

(करोड़ रु. में)

श्रेणी	आवेदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों	37	871.74	437.41
पब्लिक लिमिटेड कंपनियों	6	142.81	78.51
अन्य	1	0.83	0.30
<b>कुल</b>	<b>44</b>	<b>1015.38</b>	<b>516.22</b>

### आवेदनों की प्रारंभिक जांच

प्रारंभिक जांच समिति (आईएससी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को उसके पूर्णता, परियोजना का उद्देश्य एवं प्रौद्योगिकी की स्थिति आदि की दृष्टि से जांच करती है। ऐसी जांच में आवेदक और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता के साथ विचार विमर्श के साथ - साथ अतिरिक्त जानकारी / विस्तृत विवरण अथवा परियोजना के बारे में संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण शामिल होता है। यदि आवेदक, टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित मानदण्डों को पूरा नहीं करता है तो उसे तदनुसार सलाह दी जाती है।

आवेदनों की प्रारंभिक जांच में सहयोग देने वाले वैज्ञानिकों की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टीडीबी उनके प्रति अपना आभार प्रकट करता है।



(Rs. in Crore)

	Sector	Number of Applications	Estimated Total cost	Assistance sought from TDB
1	Agriculture	1	14.80	1.00
2	Chemical	4	232.88	165.25
3	Electronics	2	10.45	4.90
4	Energy and Waste Utilization	2	17.11	8.00
5	Engineering	11	388.49	192.91
6	Health & Pharma	9	200.02	68.47
7	Information Technology	14	132.66	66.21
8	Telecom	1	18.97	9.48
	<b>Total</b>	<b>44</b>	<b>1015.38</b>	<b>516.22</b>

### Profile of Applicants

TDB mainly received applications from private limited companies and public limited companies etc., during the year, as may be seen from the table given below.

(Rs. in Crore)

Category	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance Sought from TDB
Private Limited Company	37	871.74	437.41
Public Limited Company	6	142.81	78.51
Others	1	0.83	0.30
<b>Total</b>	<b>44</b>	<b>1015.38</b>	<b>516.22</b>

### Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project and status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling for additional information/details or a brief presentation covering the project. If the application does not meet the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

The list of experts, who assisted in the Initial Screening of applications, is appended to this report. TDB is thankful to them.

## परियोजना मूल्यांकन

### परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी)

आईएससी की सिफारिशों के आधार पर आवेदनों को परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए उसकी प्रकृति और उत्पादन को ध्यान में रखते हुए पीईसी का गठन किया जाता है और परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए टीडीबी के बाहर से संबंधित क्षेत्रों (विज्ञान, तकनीकी एवं वित्तीय) के विशेषज्ञों को इस समिति में शामिल किया जाता है।

विशेषज्ञ (सेवारत अथवा सेवानिवृत्त) सरकारी विभागों, आर एंड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों और व्यावसायिक बैंकों के हो सकते हैं। पी ई सी परियोजना स्थल का दौरा करती है। आवेदन को प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता सहित वैज्ञानिकी, तकनीक, मार्केटिंग, वाणिज्यिक तथा वित्तीय प्रस्तुतीकरण की विस्तृत जानकारी देने एवं परियोजना एवं कम्पनी से जुड़े मुद्दों पर जानकारी देने का पूरा अवसर दिया जाता है।

### उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी)

टीडीबी में आर्थिक सहायता हेतु प्राप्त परियोजना प्रस्ताव एक लंबे समय तक लंबित पड़ा रहता है। आईएससी एवं पीईसी से कमेंट्स / इनपुट्स प्राप्त होने में देरी और टीडीबी परियोजना वित्त व्यवस्था दिशा निर्देश पुस्तिका में उद्धृत निर्देशों का सख्ती से पालन करना इसका देरी का मुख्य कारण है।

लंबित एवं आगामी परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन में तेजी लाने के क्रम में, अध्यक्ष, टीडीबी ने (वर्ष 2011-12 से) इन परियोजना प्रस्तावों के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए एक नामचीन व्यक्तित्व की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी), जिसमें कि टीडीबी के बाहर के उस क्षेत्र के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ (वैज्ञानिक, तकनीकी, शिक्षा, मार्केटिंग एवं वित्तीय) शामिल हैं, का गठन किया।

इस उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी) की पहली बैठक डॉ. अनिल काकोदकर, पूर्व-सचिव, भारत सरकार की अध्यक्षता में 23 - 24 जनवरी, 2012 के दौरान मुम्बई में हुई जिसमें कि विशेषज्ञ ग्रुप द्वारा एक साथ 48 परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया।

बोर्ड ने 18.02.2012 को आयोजित अपनी 49वीं बैठक में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी) द्वारा परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन की नई प्रक्रिया पर काफी विचार विमर्श किया। बोर्ड ने प्रस्तावों पर कार्य करने के समय लागत को घटाने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना व अनुमोदन किया। बोर्ड ने प्रथम एचएलईसी की सिफारिशों को स्वीकार किया और एचएलईसी द्वारा सिफारिश किए गए सभी छब्बीस (26) मामलों को मंजूरी प्रदान की।

बोर्ड ने भविष्य के लिए निम्नलिखित मूल्यांकन प्रक्रिया का अनुमोदन किया।

क) बोर्ड ने इस तरह मूल्यांकन करने के प्रस्ताव के संकल्पना की सराहना की और सलाह दिया कि इसे 4 तकनीकी विशेषज्ञों व 1 से 2 वित्तीय विशेषज्ञों से कई क्षेत्र विशेषज्ञ की समिती बनाई जाए। ये समितियां मामलों की जांच के लिए हर तिमाही बैठक करेंगी और उपयुक्त सिफारिशें प्रदान करेंगी।



## Project Evaluation

### Project Evaluation Committee (PEC)

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project and the product. PEC consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant fields from outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant along with the technology provider is given full opportunity to give a detailed brief on the scientific, technical, marketing, commercial and financial aspects and to provide in-depth information on various issues related to the project & the company.

### High Level Expert Committee (HLEC)

The project proposal received in TDB for financial assistance kept pending for relatively long period of time. This is due to delay in receiving comments/ inputs from ISC & PEC members and strictly adhering to the procedures laid in the TDB guidelines.

In order to expedite the process of evaluation for pending and upcoming project proposals, Chairperson, TDB (from the year 2011-12) constituted a High Level Expert Committee which consists of eminent experts (scientific, technical, academia, marketing and financial) in the relevant fields from outside TDB under the Chairmanship of a renowned personality for an independent evaluation of the projects.

The first meeting of this High Level Expert Committee (HLEC) took place during 23<sup>rd</sup> & 24<sup>th</sup> January, 2012 at Mumbai under the Chairmanship of Dr. Anil Kakodkar, Ex-Secretary, Government of India in which 48 project proposals were evaluated simultaneously by the group of experts.

The Board in its 49<sup>th</sup> Meeting dated 18.02.2012 deliberated at length the new process of evaluation of project proposals by High Level Expert Committee (HLEC). The Board appreciated and endorsed the steps taken to reduce the time to process proposals. The Board accepted the recommendations of the first HLEC and approved all the twenty six (26) cases recommended by the HLEC.

The Board recommended the following process of evaluation for the future:

- a) The Board appreciated the concept to evaluate proposals in this manner and suggested that several domain specific committees should be formed with 3 to 4 technical experts and 1 to 2 financial experts. These committees would meet once in a quarter to review the cases and make suitable recommendations.

ख) बोर्ड ने अध्यक्ष को विभिन्न डोमेन की 8-10 समितियों के लिए 7 से 10 विशेषज्ञों का विशेष पैनल बनाने के लिए अधिकृत किया। किसी दिए हुए समय पर मूल्यांकन के मकसद से 3 से 4 सदस्यों जिसमें वित्तीय विशेषज्ञ भी शामिल हैं को किसी खास बैठक के लिए लिया जा सकता है। कमेटी बैठक के दौरान एक अध्यक्ष का चयन करेगी और वह बैठक के मिनट्स पर हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत होंगे।

ग) इन समूहों का कार्यकाल लगभग 2 साल का होगा और 31 मार्च 2014 तक अपने स्थान पर बने रहेंगे।

घ) अध्यक्ष, विशेषज्ञता की जरूरतों के आधार पर इन समितियों में अतिरिक्त सदस्यों को मनोनीत कर सकता है।

ड) यह प्रक्रिया टीडीबी के साथ पहले से मौजूद मूल्यांकन के उपकरणों के अतिरिक्त है और दोनों तंत्र साथ-साथ रहेंगे।

बोर्ड की, दिनांक 18.02.2012 को आयोजित 49वीं बैठक के इच्छानुसार, निम्नलिखित प्रक्रिया एचएलईसी की आगे की बैठकों के लिए लागू की गई।

- परियोजनाओं को 4 क्षेत्रों नामतः कृषि / स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी / टेलीकॉम और केमिकल / एनर्जी एवं वेस्ट में बांटा गया।
- दो क्षेत्रविशेष के विशेषज्ञ और एक वित्त विशेषज्ञ वाली चार अलग-अलग सेक्टर विशेष की समितियां बनाई जाएंगी जोकि प्रत्येक सेक्टर में आनेवाली परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी।
- मूल्यांकन पैरामीटर का निर्णय वेटेज से लिया जाएगा और समिती के सदस्यों से अनुरोध किया गया कि वे प्रत्येक प्रस्ताव का इन पैरामीटर पर 1-10 के स्केल पर मूल्यांकन करें।

वर्ष 2013-14 के दौरान, एचएलईसी की एक बैठक, डॉ. वी. के सारस्वत, भूतपूर्व-सचिव, भारत सरकार की अध्यक्षता में 5-6 जुलाई, 2013 के दरम्यान अहमदाबाद में आयोजित की गई जिसमें 11 परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया और 6 प्रस्तावों की सिफारिश टीडीबी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए किया गया।

## मूल्यांकन मानदण्ड

आवेदनों को वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, वाणिज्यिक एवं वित्तीय प्राथमिकता के आधार पर मूल्यांकित किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में निम्नलिखित शामिल है :-

- प्रस्ताव के विषयों का अनूठा एवं नवीनात्मक होना
- सुदृढ़ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय प्राथमिकता
- वृहत रूप से लागू करने के लिए और वाणिज्यीकरण से लाभप्रद संभावना
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता
- प्रस्तावित कार्यवाई नेटवर्क में आर एंड डी संस्थानों की क्षमता
- आंतरिक प्राप्ति सहित एंटरप्राइज की संगठनात्मक एवं वाणिज्यिक योग्यता



- b) The Board authorized the Chairperson to constitute 7 to 10 member expert panel for 8-10 committees in different domains. For the purpose of evaluation at any given point of time, 3 to 4 members can be drawn up for a particular meeting, including a finance expert. The committee will select a Chairperson during the meeting and he will be authorized to sign the minutes.
- c) These groups will have a tenure of approximately 2 years and would be in position till 31st March, 2014.
- d) The Chairperson can nominate, depending upon the specialized need, additional members to these committees.
- e) This procedure is in addition to the instruments of evaluation already available with TDB and both the mechanisms would co-exist.

As desired by the Board in its 49<sup>th</sup> Meeting dated 18.02.2012, the following procedure was adopted for subsequent meetings of HLEC.

- Projects were segregated in 4 sectors namely Agriculture / Healthcare, Engineering / Electronics, IT / Telecom and Chemical / Energy & Waste.
- Four different sector specific committees consisting of two domain experts and one financial expert were made to evaluate project proposals falling in each of that sector.
- The evaluation parameters were decided with weightage and committee members were requested to evaluate each proposal on these parameters in the scale of 1-10.

During the year 2013-14, one meeting of HLEC was held under the Chairmanship of Dr. V. K. Saraswat, Ex-Secretary, Govt. of India during 5<sup>th</sup> – 6<sup>th</sup> July, 2013 at Ahmedabad in which 11 project proposals were evaluated and 6 proposals were recommended for financial assistance by TDB.

## Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- The uniqueness and innovative content of the proposal
- Soundness, scientific quality and technological merit
- Potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialization
- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organizational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals

- प्रस्तावित लागत और वित्त पोषण के तरीके की औचित्यपूर्णता
- मापयोग्य उद्देश्य, लक्ष्य और निर्धारित लक्ष्य
- उद्यमी का पिछला रिकॉर्ड

## गोपनीयता एवं पारदर्शिता

टीडीबी में यह मान्यता है कि गोपनीयता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव है जिसमें एक नया उत्पादन अथवा प्रक्रिया शामिल है। आवेदक द्वारा यह बताया जाता है कि टीडीबी को उपलब्ध कराई जाने वाली कुछ जानकारी को सख्ती से गोपनीय रखा जाएगा और इसे परियोजना मूल्यांकन समिति एवं उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नहीं किया जाएगा। पीईसी या एचएलईसी प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों का खुलासा न करने की आवेदकों की आशंकाओं की संवेदनशीलता को ध्यान में रखा जाता है।

आवेदकों के साथ पूर्ण रूप से विचार विमर्श करने के पश्चात् पीईसी / एचएलईसी के विशेषज्ञों द्वारा टिप्पणियों और सिफारिशों को अंतिम रूप दिया जाता है। बैठक समाप्ति पर पीईसी / एचएलईसी की टिप्पणियों और सुझावों को आवेदक (कों) को मौखिक रूप से बताया जाता है। यदि परियोजना प्रस्ताव की पीईसी / एचएलईसी द्वारा सिफारिश नहीं की जाती तक आवेदन को टीडीबी द्वारा बंद कर दिया जाता है और आवेदक को सूचित कर दिया जाता है।

वर्ष 2013-14 में परियोजना प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) की एक (1) बैठक और उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी) की एक (1) बैठक आयोजित की गई।

## वित्तीय सहायता का अनुमोदन

पीईसी / एचएलईसी द्वारा वित्तीय सहायता के लिए प्रस्तावित परियोजना प्रस्तावों को आर्थिक सहायता पर विचार एवं अनुमोदन के लिए बोर्ड के समक्ष भेजने से पहले उसे टेक्नो-इकोनॉमिक वायविलिटी / ड्यू-डिलिजेन्स प्रक्रिया से गुजरना होता है।

## अनुविक्षण एवं समीक्षा

टीडीबी अनुमोदित सहायता लाभार्जकों को किस्तों में उपलब्ध कराता है जो कि जोखिम सम्बंधित लक्ष्यों पर आधारित होता है। दूसरी और अगली किस्तों को प्रत्येक अनुमोदित परियोजना के लिए गठित की गई परियोजना अनुविक्षण समिति (पीएमसी) की सिफारिशों के आधार पर जारी किया जाता है। परियोजना अनुविक्षण समिति में उन वैज्ञानिक / तकनीकी एवं वित्तीय विशेषज्ञों को शामिल किया जाता है जो कि परियोजना मूल्यांकन के समय पीईसी / एचएलईसी के सदस्य थे।

टीडीबी ने वर्ष 2013-14 के दौरान परियोजना अनुविक्षण समिति / परियोजना मूल्यांकन एवं अनुविक्षण समिति, समीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के माध्यम से इकत्तीस (31) बैठके आयोजित की।



- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur

## **Confidentiality and Transparency**

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee or High Level Expert Committee. The PEC or HLEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a comprehensive discussion with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC or HLEC. The observations and suggestions of the PEC or HLEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC or HLEC, the application is closed by TDB under intimation to the applicant.

During the year 2013-14, one (1) meeting of the Project Evaluation Committee (PEC) and one (1) meeting of High Level Expert Committee (HLEC) was held to evaluate the project proposals.

## **Approval of Financial Assistance**

The project proposals recommended by PEC or HLEC for financial assistance are further gone through a Techno-Economic Viability / Due-diligence process by the independent agency/agencies before the proposal is referred to the Board for its consideration and approval for financial assistance.

## **Monitoring and Review**

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in instalments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of instalments depends on the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved projects. The PMC invariably consists of a scientific/technical and financial expert who was a member of the PEC or HLEC at the time of evaluation of the project.

TDB conducted thirty one (31) meetings through Project Monitoring Committees / Project Evaluation & Monitoring Committees, review meetings and inspections during 2013-14.

## पीईसी, एचएलईसी एवं पीएमसी में सहयोग देने वाले विशेषज्ञ

वर्ष 2013-14 के दौरान परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन, अनुविक्षण और समीक्षा से संबंधित क्षेत्रों से तिहत्तर (73) विशेषज्ञों ने टीडीबी को अपनी विशेषज्ञता प्रदान की। विशेषज्ञों की सूची को इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में लगाया गया है। टीडीबी उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उनका आभार प्रकट करता है।

## आवेदनों के सारांश की स्थिति

वर्ष 2013-14 के दौरान टीडीबी को प्राप्त हुए आवेदनों की जानकारी और 31 मार्च, 2014 तक आवेदनों की स्थिति को निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है:

(करोड़ रु. में)

स्थिति	संख्या	कुल अनुमानित लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
प्राप्त आवेदन	44	1015.38	516.22
31.03.2014 को बंद आवेदन	21	607.09	348.20
2013-14 में हस्ताक्षरित करार	0	0.00	0.00
पी ई सी को भेजे गये अथवा पी ई सी के पश्चात् की गई कार्रवाई	8	228.25	85.25
विचार / प्रारंभिक जांच के अधीन आवेदन	15	180.04	82.77

\* वर्ष 2013-14 के दौरान, वर्ष 2012-13 में प्राप्त 10 आवेदनों, वर्ष 2011-12 में प्राप्त 4 आवेदनों एवं वर्ष 2010-11 में प्राप्त 2 आवेदनों सहित कुल 16 करारों पर हस्ताक्षर किए गए।



## List of Experts who assisted the PEC, HLEC and PMC

Seventy three (73) experts from the relevant fields have provided their expertise to TDB in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing the projects during 2013-14. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

## Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2013-14 and the status of applications as on 31<sup>st</sup> March, 2014 are indicated in the table given below:

Status	Number	(Rs. In Crore)	
		Estimated Total Cost	Assistance sought from TDB
<b>Application Received</b>	<b>44</b>	<b>1015.38</b>	<b>516.22</b>
Closed as on 31.03.2014	21	607.09	348.20
Agreements signed in 2013-14	0	0.00	0.00
Referred to or Processed after PEC/HLEC	8	228.25	85.25
Application under Consideration / under Initial Screening	15	180.04	82.77

*\*During the year 2013-14, 16 agreements were signed including 10 applications received in the year 2012-13, 4 from 2011-12 and 2 from 2010-11.*

## सकारात्मक – सक्रिय भूमिका

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड औद्योगिक इकाईयों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों पर विचार करने के अलावा सकारात्मक – सक्रिय भूमिका अदा करता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी की सहायता व्यापक होनी चाहिए। सकारात्मक-सक्रिय भूमिका के तौर पर टीडीबी ने नवीनता और नवीन उत्पाद / सेवाओं वाले एसएमई के माध्यम से शुरुआती चरण वाले वेन्चर को सहायता देकर अपना विस्तार करने के लिए वेन्चर कैपिटल फंड में भी भागीदारी की है। टीडीबी की प्रेरणा और भागीदारी के परिणामस्वरूप वेन्चर लाने वाले पूंजीपतियों ने टीडीबी मिशन को अपना सहयोग दिया है। पूर्ववर्ती वर्षों में इन्क्यूबेटर में शुरुआत करने वाले युवा उद्यमियों को शुरुआती आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके नवीन विचारों को फलीभूत करने के लिए सीड सहायता स्कीम में भागीदारी का निर्णय करके टीडीबी ने विकासोन्मुख पहल की है। टीडीबी ने आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, औद्योगिक खोज, प्रौद्योगिकी विकास एवं नवीन खोज के क्षेत्र में संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ाने, सहायता करने और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कुछ चुनिंदा विदेशी संस्थानों नामतः एजेंस नेशनले डी वेलोराइजेशन डी ला रेकरेक (एएनवीएआर), फ्रांस, सेंटर फॉर दी डेवलपमेंट ऑफ इन्डस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी (सीडीटीआई), स्पेन और कॉमनवेल्थ बिजनेस काउंसिल (सीबीसी), यू.के. के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

टीडीबी ने दायित्व के निर्वहन के लिए उपरोक्त पहल के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित किया है। बोर्ड ने वर्ष 2013-14 के दौरान निम्नलिखित पहलों का अनुमोदन किया है :

### क. वेंचर कैपिटल फंड (वीसीएफ) में भागीदारी

स्वदेशी प्रौद्योगिकीयों के विकास और वाणिज्यीकरण अथवा व्यापक घरेलू उपयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकीयों के अनुकूलन का प्रयास करने वाली औद्योगिक इकाईयों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के अतिरिक्त, टीडीबी ने नवोन्मो और नवोन्मोषी उत्पादों / सेवाएं रखने वाले प्रारंभिक अवस्था उद्यमों के लिए सहायता प्रदान करके अपने कार्य क्षेत्र को विस्तारित करने के उद्देश्य के साथ प्रौद्योगिकीय रूप से नवोन्मोषी व्यवहार्य उद्यमों को सहायता प्रदान करने हेतु प्रौद्योगिकी केन्द्रित उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) में भाग लेता है।

टीडीबी द्वारा उद्यम पूंजी निधि (वीसीएफ) में भागीदारी करने के मुद्दे पर बोर्ड की बैठकों में बहुत से अवसरों पर विचार किया जाता है। बोर्ड ने वीसीएफ में टीडीबी की भागीदारी को भौगोलिक एवं प्रौद्योगिकीय रूप से विस्तार करने के लिए एक उत्कृष्ट माध्यम माना और यह निर्णय लिया कि टीडीबी उच्च जोखिम, उच्च रिटर्न प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं में चयनात्मक आधार पर वी सी एफ में गहनता से सहायता प्रदान करना जारी रखे चूंकि वी सी एफ के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्मुख परियोजनाओं के वित्तपोषण ने बड़ी अच्छी सफलता दर्शाई है और काफी संख्या में परियोजनाओं को सहायता प्रदान की है।

बोर्ड ने दिनांक 17 मार्च, 2010 को अपनी 44वीं बैठक में उद्यम पूंजी निधि हेतु टीडीबी द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता पर विचार और समीक्षा करने तथा टीडीबी द्वारा वी सी एफ का सहायता प्रदान करने में अपनाई जाने वाली कार्य प(ति पर सुझाव देने के लिए एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया। बोर्ड ने 10 मई, 2010 की अपनी 45वीं बैठक के दौरान उद्यम पूंजी निधि में टीडीबी की भागीदारी हेतु निम्नलिखित व्यापक दिशा-निर्देश को भी अंतिम रूप प्रदान किया :-



## PRO-ACTIVE ROLE

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialization should be comprehensive. In a proactive role, TDB has also participated in Venture Capital Funds to spread itself by providing support to early stage ventures through SMEs having innovation and innovative products / services. TDB's motivation and participation has resulted in the venture capitalists contouring their assistance to TDB's mission. TDB took a growth-oriented initiative by instituting the Seed Support Scheme for start-ups in Incubators in previous years to provide early stage financial assistance to the young entrepreneurs for bringing their innovative technology venture ideas to fruition. TDB has signed Memorandum of Understanding (MoUs) with select foreign institutions, namely, Agence Nationale De Valorisation de la Recherche (ANVAR), France, Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Spain and Commonwealth Business Council (CBC), UK to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation for technology transfer, industrial research, technology development and innovation for the purpose of generating economic benefits.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies through the above initiatives. The Board continued its association with the following initiatives during the year 2013-14.

### **(a) Participation in Venture Capital Funds (VCFs)**

In addition to the direct financial assistance to industrial concern attempting development and commercialization of indigenous technologies or adapting imported technology for wider domestic application, TDB participates in the technology focused Venture Capital Fund (VCF) to support technologically innovative viable ventures with the objective to spread itself by providing support to early stage ventures having innovation and innovative products / services.

The issue of participation in Venture Capital Funds (VCFs) by TDB was discussed on several occasions in Board Meetings. The Board considered TDB's participation in VCFs as an excellent tool for increasing geographical and technological spread and decided that TDB may continue to support the VCFs rigorously on the selective basis in high risk, high return technology oriented projects, as funding to technology oriented projects through VCF route has shown remarkable success and supported large number of projects.

The Board in its 44<sup>th</sup> meeting dated 17<sup>th</sup> March, 2010 decided to constitute a committee to consider and review the support provided by the TDB to Venture Capital Funds and suggest the methodology to be adopted for supporting the VCFs by TDB. The Board also finalized the following broad guidelines for participation of TDB in Venture Capital Funds during its 45<sup>th</sup> meeting dated 10<sup>th</sup> May, 2010:

- टीडीबी की निधियां मुख्य रूप से उन वी सी एफ में लगाई जाएंगी जो नवोन्मेषी और / अथवा प्रौद्योगिकी उन्मुख क्षेत्रों में निवेश करने की नीति रखते हों
- लघु से मध्यम आकार की निधि में योगदान को वरीयता दी जायेगी
- वी सी एफ के लाभार्थियों को मुख्य रूप से एस एम ई क्षेत्र से होना चाहिए
- वी सी एफ में टीडीबी द्वारा योगदान सामान्यतः निधि के आकार के 15% तक होगा। समावेशी विकास / औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों अथवा प्रथम पीढ़ी के लिए नवोन्मो प्रदान करने वाले वी सी एफ के मामलों में 25% तक के उच्च योगदान के विषय पर विचार किया जा सकता है। कार्य क्षेत्र के 100% प्रौद्योगिकी उन्मुख होने के मामले में बोर्ड के अनुमोदन के आधार पर टीडीबी द्वारा उच्च योगदान पर भी विचार किया जा सकता है
- निगरानी कार्य तंत्र के रूप में, प्रस्तावों में सहयोग हेतु वी सी एफ की निवेश समिति में सदस्य के रूप में टीडीबी का एक प्रतिनिधि होगा
- प्रतिनिधि को कार्य क्षेत्र सन्तुलन हेतु आपत्ति दर्ज करने का प्राधिकार होगा
- निधि प्रबंधक के पृष्ठभूमि कार्य निष्पादन (ट्रेक रिकॉर्ड) पर विचार किया जाएगा
- वित्तीय सेवाओं को वरीयता नहीं दी जाएगी

31 मार्च, 2014 तक टीडीबी ने 12 नये उद्यम पूंजी निधियों (वीसीएफएस) में, 310.00 करोड़ रु. के सहभागिता के साथ भागीदारी की जिसमें अन्य निवेशकर्ताओं की कुल भागीदारी 2408.00 करोड़ रु. की है।

## ख. भारत – स्पेन नवोन्मो कार्यक्रम (आईएसआईपी) के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाएं

31 मार्च, 2014 तक सीडीटीआई, स्पेन और टीडीबी के बीच इंडिया स्पेन इनोवेशन प्रोग्राम (आईएसआईपी) के तहत दोनो देशों के लिए आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग के विकास / परियोजना हस्तांतरण एवं एसएमई विकास को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं नवीन खोज के क्षेत्र में सहायता करने और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए कुल 8 (आठ) द्विपक्षीय परियोजनाओं के साथ अपना गठबंधन जारी रखा। परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नलिखित है:

1. एफएक्सइंटेरेक्टिव – स्टैकधारकों और फोरेक्स बाजार के बीच सम्पर्क के लिए उच्च प्रौद्योगिकी उपकरणों हेतु अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना। इससे सम्बद्ध कंपनियां स्पेन की एफ एक्सट्रीट और मेडिकल वीएम तथा भारत की आई-नो इंडिसेज है।
2. इन्टीग्रेसन सिक्वूरीटि सिस्टम – यह एक इलेक्ट्रॉनिक निगरानी तंत्र है। इससे सम्बद्ध कंपनियां स्पेन की रैनट्रिंग्स एस. एल. और भारत की रैनट्रिंग सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स प्रा. लि. हैं।
3. एससीयूटीयूएम – इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य, माइक्रोकैप्सूलेड फेब्रिक्स, बेड शीट और कपड़ों, जिनमें मच्छर से बचा जा सके, की प्राप्ति के लिए विष रहित कीटनाशक माइक्रोकैप्सूल्स से सिंथेटिक और प्राकृतिक कपड़ा उद्योग के विकास एवं अनुप्रयोग में अनुसंधान है।
4. सीओडब्ल्यूबीयूएलएल – प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड और स्पेन तथा भारत के बीच फ्रेमवर्क के अन्तरण के द्वारा भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में केन्द्ररहित ग्राइडिंग निर्माण प्रतिद्वन्द्विता को बढ़ाना।



- TDB funds will primarily be deployed in VCFs which have policy to invest in innovative and/or technology oriented portfolio.
- Contribution in small to medium size fund would be preferred.
- The beneficiaries of the VCFs should be primarily from SMEs sector.
- The contribution by TDB in the VCF will normally be upto 15% of the fund size. Higher contribution can be considered in case of VCFs serving innovation for inclusive growth / industrially backward regions or first generation entrepreneur's upto 25%. In case the portfolio is 100% technology oriented even higher contribution by TDB can be considered based on Board approval.
- As an over sight mechanism, TDB representative will be a member of the Investment Committee of the VCF, to concur in proposals.
- The representative will be authorized to make exceptions to balance the portfolio.
- Track record of the Fund Manager to be considered.
- Financial services are not preferred.

Upto 31<sup>st</sup> March, 2014, TDB has participated in 12 (twelve) VCFs and committed investment of Rs. 310.00 crore leveraging total fund aggregating to Rs. 2408.00 crores from other investors.

#### **(b) Projects Approved under India Spain Innovating Program (ISIP)**

Upto 31<sup>st</sup> March, 2014, TDB continued its association with total eight (8) bilateral projects under India Spain Innovating Program (ISIP) between CDTI, Spain and TDB to promote, assist and fund the development of joint technology cooperation / transfer projects and for supporting SME growth via technology transfer and innovation for the purpose of generating economic benefits to both the countries. The details of the projects are as follows:-

1. **FXINTERACTIVE** – International Project for the high technology tools for the interaction between the stakeholders of the forex market. The companies involved were Fxtreet and Medical VM from Spain and I-Know Indices from India.
2. **Integration Security System** – An Electronic Surveillance System. The companies involved were RANTRING S. L. from Spain and RANTRING Software Engineers Pvt. Ltd., India.
3. **SCUTUM** – The main aim of this project is to research in the development and application of non-toxic insecticide microcapsules to synthetic and natural textiles, in order to obtain microencapsulated fabrics, bed sheet and clothes that avoid the mosquito bites.
4. **COWBULL** – Increase of Centerless Grinding Manufacturing Competitiveness in Indian and International Markets due to a technology development and transfer framework between Spain and India.

5. वीटेन्सन - यह दो स्पेनिश और दो भारतीय भागीदारों के 36 महीनों की अवधि की सहयोगी परियोजना है जो कि डिस्ट्रीब्यूशन बोर्डों और इलेक्ट्रोमैकेनिकल उपकरणों से प्रयुक्त किये जाने के लिए उन्नत एवं पर्यावरण-मित्र नई कम वोल्टेज की प्रौद्योगिकियों का विकास है। इसे भविष्य में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में उतारा जायेगा।
6. बेंगाला - यह 22 महीनों की अवधि की एक सहयोगी परियोजना है जिसमें एक स्पेनिश भागीदार, जो मुख्य भागीदार है और दूसरा अन्य भागीदार के रूप में भारतीय भागीदार है। इस परियोजना का उद्देश्य गंधों और सुगंधों के क्षेत्र में, भारत जैसे देश में व्यापक संभावनाओं का परीक्षण और दोहन है।
7. स्कीडस - एक स्पेनिश भागीदार एवं एक भारतीय भागीदार के साथ एक 60 महीनों की अवधि वाली एक सहयोगात्मक परियोजना जो उन क्षेत्रों के लिए नए स्किडस के विकास के लक्ष्य के साथ सहयोग करेगी जिनमें इन दोनों कम्पनियों की मुख्य उपस्थिति मौजूद है ताकि टर्नकी मिनी प्लांट की तरह एकल इकाई में विभिन्न प्रक्रिया को समेकित करके ये व्यापक समाधान बन सकें।
8. एसएईक्लीम्बर इंडिया - एक स्पेनिश भागीदार एवं एक भारतीय भागीदार के साथ एक 18 महीनों की अवधि वाली एक सहयोगात्मक परियोजना जो विकासशील देशों की निर्माण कार्य आवश्यकताओं के अनुकूल उत्पादों की एक श्रृंखला के विकास करने के उद्देश्य से सहयोग करेगी जहां उच्च वाट्यूम उपकरणों और अधिक ऊंचाई वाली इमारतों की मांग अधिक हो।

#### ग. इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम

टीडीबी ने युवा उद्यमियों का संवर्धन करने तथा अपने नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी उद्यम संबंधी विचारों का फलदायक स्थिति तक लाने और अंततः बाजार तक उन्हें पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक शुरुआती / आरंभिक स्तर की पूंजी प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखा। इससे कुछ नवोन्मेषी विचारों / प्रौद्योगिकियों को उस स्तर तक ले जाने में सहायता करेंगे जहां ये सफल वाणिज्यीकरण के अपने मार्ग पर टीडीबी / एफ आई एस माध्यमों के द्वारा सामान्य ऋण प्राप्त करने के लिए उपयुक्त होंगे। अतः प्रस्तावित सहायता को प्रौद्योगिकियों के विकास एवं वाणिज्यीकरण के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए तैयार किया गया है।

टीडीबी ने वर्ष 2005-06 के दौरान प्रौद्योगिकीय विचारों का संवर्धन करने के लिए इन्क्यूबेटर्स में शुरुआतकर्ताओं के लिए सीड सहायता स्कीम के अंतर्गत पांच प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टी बी आई एस) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एस टी ई पी एस) को वित्तीय सहायता प्रदान की है। इस स्कीम ने अच्छी प्रगति की है। टीडीबी ने इस स्कीम का विस्तार किया और 2007-08 में दूसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित अन्य 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2009-10 में तीसरे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 5 (पांच) इन्क्यूबेटर्स, 2010-11 में चौथे चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 9 (नौ) इन्क्यूबेटर्स एवं पांचवें चरण में 100.00 लाख रु. प्रत्येक सहित 12 (बारह) इन्क्यूबेटर्स को सहायता प्रदान की है।

प्रौद्योगिकीय विचारों, प्रयोगशाला स्तर की प्रौद्योगिकियों और प्रौद्योगिकीय उद्यमिता के संवर्धन का पोषण करने के लिए टीडीबी ने 36 (जिसमें दोबारा वित्तीय सहायता प्राप्त 4 टीबीआईएस/एसटीपीएस शामिल है) प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटर्स (टीबीआईएस) एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्कों (एसटीपीएस) को सहायता प्रदान की है। इन इन्क्यूबेटर्स ने 150 से अधिक इन्क्यूबेटीज कम्पनियों को उनकी दूरसंचार, सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स, कृषि, यंत्रिकरण, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, खाद्य, सौर, वस्त्र एवं जैव प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए सहायता प्रदान की है।



5. **BTENSION** – It is a collaborative 36 months duration project with two Spanish partners and two Indian partners that will collaborate with the aim of developing advanced and eco-friendly new low voltage technologies to be applied to distribution boards and electromechanical devices that in future will be commercialized in national and international markets.
6. **BENGALA** – It is a collaborative 22 months duration project with one Spanish partner as main participant and one Indian partner as other partner. The aim of the project is to test and exploit the vast possibilities that a country like India offers in the Flavors and Fragrances field.
7. **SKIDS**- A collaborative 60 months duration project with one Spanish partner and one Indian partner that will collaborate with the aim of development of new skids for the sectors in which these companies have major presence, so that they could become comprehensive solutions integrating various process stages into a single unit like a turnkey mini plant.
8. **SAECLIMBER INDIA**- A collaborative 18 months duration project with one Spanish partner and one Indian partner that will collaborate with the aim to develop a product line to fit the needs on construction on the developing countries, where the needs are on high volume equipment and high rise buildings.

#### (c) Seed Support Scheme for Start-Up in Incubators

TDB continued to provide financial support to Technology Business Incubators (TBIs) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) to extend much needed early stage /start-up capital to young entrepreneurs to incubate and to bring their innovative technology venture ideas under development to fruition and finally to reach the market place. This would enable some of these innovative ideas/ technologies to graduate to a level where they can then be fit for seeking normal lending through TDB/ FI's route on their way to successful commercialization. Thus the proposed assistance is positioned to act as a bridge between development & commercialization of the technologies.

TDB provided financial assistance to five Technology Business Incubators (TBI's) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEP's) under Seed Support Scheme for Start-up in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. This scheme has progressed well and TDB extended the scheme and supported another five incubators for Rs.100.00 lakh each in the second round in 2007-08, five incubators for Rs.100.00 lakh each in the third round in the year 2009-10, nine incubators for Rs.100.00 lakh each in the fourth round in the year 2010-11 and twelve incubators for Rs.100.00 lakh each in the fifth round in 2011-12.

To nurture the incubation of technological ideas, lab scale technologies and technological entrepreneurship, TDB has extended support to 36 (which includes two times financial support to 4 TBIs/STEPs) Technology Business Incubators (TBIs) and Science and Technology Entrepreneurship Parks (STEPs) as on 31<sup>st</sup> March, 2014. These Incubators have provided assistance to more than 150 Incubatee companies for their projects which are in the areas of telecom, software, robotics, agriculture, instrumentation, engineering, environment, pharma, food, solar, textile and biotechnology etc.

## प्रोन्नति संबंधी गतिविधियां

### प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने किसी औद्योगिक कंपनी द्वारा 'स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' स्थापित करने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय पुरस्कार में दो प्रकार के घटक शामिल हैं: (i) वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होंने स्वदेशी प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक वाणिज्यीकरण किया है और (ii) ऐसी प्रौद्योगिकीयों के विकासकर्ता / प्रदाता। प्रत्येक में रु. 10 लाख का नकद पुरस्कार और एक ट्राफी होती है। पहली बार यह राष्ट्रीय पुरस्कार 11 मई, 1999 को प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रदान किए गए थे तत्पश्चात् प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अर्थात् 11 मई को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

### एस एस आई इकाई के लिए पुरस्कार

अगस्त, 2000 में टीडीबी ने इन एस एस आई इकाई, जिन्होंने सफलतापूर्वक प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का वाणिज्यीकरण किया, को 2 लाख रु. और एक ट्राफी का पुरस्कार आरंभ किया। प्रथम एस एस आई यूनिट पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया तत्पश्चात् प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर अर्थात् 11 मई को प्रत्येक वर्ष एस एस आई यूनिट के लिए पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया। वर्ष 2011 में नकद पुरस्कार को 5 लाख रु. में परिवर्तित कर दिया गया।

### राष्ट्रीय पुरस्कार 2013

वे औद्योगिक इकाईयां जिन्होंने अप्रैल, 2008 के बाद स्वदेशी प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण किया वे राष्ट्रीय पुरस्कार 2013 के लिए आवेदन करने के पात्र होते हैं। विज्ञापन के प्रतिउत्तर में टीडीबी को 33 आवेदन प्राप्त हुए - 14 आवेदन 10 लाख रु. के पुरस्कार के लिए, 7 आवेदन 5 लाख रु. के पुरस्कार के लिए एवं 12 आवेदन दोनो पुरस्कारों के लिए प्राप्त हुए।

प्रोफेसर एस. के जोशी, भूत पूर्व महानिदेशक, सी एस आई आर, नई दिल्ली ने राष्ट्रीय पुरस्कार 2013 के लिए गठित की गई चयन समिति की अध्यक्षता की एवं इस समिति के सदस्यों में प्रोफेसर आर. कुमार, हॉनरेरी प्रोफेसर, आईआईएससी, बंगलोर, श्रीमती पद्मजा रुपारेल, अध्यक्ष, इंडियन एंजेल नेटवर्क, श्री अंजन दास, ईडी, कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री, एवं डॉ. आर. रघुनन्दन, चीफ एक्जक्यूटिव, जेएसएसएटीई-एसटीईपी शामिल हैं।

चयन समिति ने, इंडियन वेटेरिनरी अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) इज्जत नगर, उ. प्र. के साथ साझा सहयोग से विकसित विशेष सहायक के साथ सतत कोशिका संवर्ध में पैर और मुंह के रोगों के टीके का देशी विकास एवं वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार 2013 के लिए मेसर्स बायोवेट प्राइवेट लिमिटेड, मालूर, कोलार जिला, हैदराबाद का चयन किया।

इस टीके को कठोर गुणता आश्वासन के अन्तर्गत बीएसएल 3एजी+ कंटेनमेंट सुविधा में निर्मित एवं परीक्षित किया गया। बायोएफएमडी-तेल का प्रयोग घायल पैर वाले पशुओं विशेषकर मवेशियों, भेड़ों, बकरियों और सुअरों के सक्रिय इम्यूनाइजेशन के लिए किया जाता है। यह पूरी तरह सुरक्षित है और स्थायी, उच्च सीरो रुपान्तरण के साथ दीर्घकालिक इम्युनिटी प्रदान करता है। विशेष एडजुवेंट के साथ पीपीपी के अन्तर्गत बायोवेट द्वारा विकसित जटिल एसओपीएस विश्वभर में प्रयोग किये जाते हैं और तटबंधीय कृषि जलवायु परिदृश्य के कारण भारत के लिए भी यह उपयोगी है।



## PROMOTIONAL ACTIVITIES

### National Awards on Technology Day

The Technology Development Board instituted a 'National Award for Successful Commercialization of Indigenous Technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialized the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of ten lakh Rs. and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11<sup>th</sup> May 1999 and thereafter, it has been decided to give the National Awards every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11<sup>th</sup> May.

### Award for SSI unit

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakh and a trophy to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11<sup>th</sup> May, 2001 and thereafter it has been decided to give the Award for SSI Unit every year on the Occasion of Technology Day i.e. 11<sup>th</sup> May. The cash awards were later revised to Rs. 5 lakh in the year 2011-12.

### National Award 2013

The industrial concerns that have commercialized indigenous technologies after April 2008 were eligible to apply for the National Award 2013. In response to advertisement, TDB received 33 applications – 14 applications for the award of Rs. 10 lakh; 7 applications for the award of Rs. 5 lakh and 12 applications for the both awards.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2013, consisted of Prof. S.K. Joshi, Ex-DG, CSIR, New Delhi as Chairman of the Committee; Prof. R. Kumar, Honorary Professor, IISc, Bangalore, Ms Padmaja Ruparel, President, Indian Angel Network, Shri Anjan Das, ED, Confederation of Indian Industry and Dr. R. Raghunandan, Chief Executive, JSSATE-STEP as Members of the Committee.

The Selection Committee selected 'M/s Biovet Private Limited, Malur, Kolar District, Hyderabad' for National Award 2013 for 'Indigenous Development and Commercialization of Foot and Mouth Disease Vaccine in Continuous Cell Culture with Special Adjuvant', developed jointly in collaboration with Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Izatnagar, UP.

The vaccine is manufactured and tested in BSL 3ag+ containment facility under strict quality assurance. BioFMD-Oil is used for active immunization of cloven-footed animals especially cattle, sheep, goat and pig. This is completely safe and provides stable, long lasting immunity with high sero-conversion. The critical SOP's developed by Biovet under PPP with a special adjuvant used globally suited for India in a tropical agro climatic scenarios.

## एस एस आई यूनिट पुरस्कार-2013

चयन समिति ने एस एस आई श्रेणी में पुरस्कार हेतु 'मेसर्स पायरोडानेमिक्स, बेंगलुरु एवं 'मेसर्स एक्यूरेट गाउजिंग एंड इन्सट्रूमेंटस प्रा. लि., पुणे' का चयन किया।

### मेसर्स पायरोडानेमिक्स, बेंगलुरु

कम्पनी ने यह पुरस्कार लागत प्रभावी स्ट्रेन माप प्रणालियों के रेंज के वाणिज्यीकरण हेतु : स्कैंड, विशेषकर स्कैंड 508, स्टेटिक और डायनेमिक स्ट्रेन मापन और विड टनल बल मापन के लिए एक 8 चैनल सिस्टम। इसे 150 Khz तक डायनेमिक स्ट्रेन मापन और उच्च ईएमआई, चुम्बकीय क्षेत्रों जैसे बेहद शोर वाले वातावरण में स्टेटिक स्ट्रेन मापन के लिए डिजाइन किया गया है।

### मेसर्स एक्यूरेट गाउजिंग एंड इन्सट्रूमेंटस प्रा. लि., पुणे

कम्पनी ने यह पुरस्कार 'आर्म मैक्स सीएनसी 6-4-5.3डी सहयोगी मापन मशीन के लिए जो लीनियर मोशन गाइड और एक कार्बन फाइबर स्पिंडल के साथ डिजाइन मशीन पुर्जों, कार्यस्थल फिक्सचरों, शीट मेटल एवं प्लास्टिक पुर्जों के निरीक्षण हेतु शॉप फ्लोर की चुनौतियों से निबटता है। तापमान संवेदी आसपास के तापमान के साथ पुर्जों के तापमान में परिवर्तन की क्षतिपूर्ति करता है। मशीन को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि वह इन्डेक्सेबल प्रोब हैड्स के साथ लेजर स्कैनर और मार्किंग सिस्टम सहित सीएनसी मोड में काम कर सके। मापन सॉफ्टवेयर के पास परिष्कृत सीएडी तुलना है जो आईजीईएस की सहायता कर सकता है और स्टेप इन्टरफेस को बढ़ा सकता है।

बोर्ड, पुरस्कार विजेताओं के चयन के लिए, चयन समिति के सदस्यों का आभार प्रकट करता है।

## पुरस्कारों का वितरण

प्रौद्योगिकी दिवस समारोह-2013, 11 मई, 2013 को मनाया गया और मुख्य अतिथि के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रौद्योगिकी दिवस कार्यक्रम 'इनोवेशन - मेकिंग ए डिफरेंस' के विषय पर केन्द्रित था। इस अवसर पर विषयगत व्याख्यान, प्रोफ. अनिल गुप्ता, आईआईएम, अहमदाबाद के द्वारा दिया गया।

## उद्योगों के साथ पारस्परिक बैठकें

टीडीबी ने उद्योगों, संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं के साथ उद्योग संघों और आर एंड डी संगठनों इत्यादि के साथ बहुत सी बैठकें आयोजित की। टीडीबी ने विभिन्न प्रदर्शनियों में भी भाग लिया।

इन बहुविध प्लेटफॉर्मों के माध्यम से टीडीबी ने उद्योगों, आर एंड डी संगठनों, अकादमी संस्थानों, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संगठनों इत्यादि में विशेषकर देश में विकसित प्रौद्योगिकी के लिए उनके वाणिज्यीकरण प्रयासों के लिए आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता की उपलब्धता के बारे में जागरूकता फैलाती है।



## Award for SSI Unit - 2013

The Selection Committee selected M/s Pyrodynamics, Bengaluru and M/s Accurate Gauging & Instruments Pvt. Ltd, Pune for award in SSI category

### M/s Pyrodynamics, Bengaluru

The company has received this award for commercializing a range of cost-effective Strain Measurement Systems: SCAD, especially SCAD 508, an 8 Channel System Designed for both Static & Dynamic Strain Measurement and Wind Tunnel Balance Force Measurements. It is designed to carry out Dynamic Strain Measurements up to 150 kHz and to carry out Static Strain Measurements in Highly Noisy Environments viz:- High EMI ; Magnetic Fields etc.

### M/s Accurate Gauging & Instruments Pvt. Ltd., Pune

The company has received this award for commercialization of Arm max CNC 6-4-5: 3D co-ordinate measuring machine to meet the challenges in shop floor for inspection of machined parts, workholding fixtures, sheet metal and plastic parts designed with linear motion guides and a carbon fiber spindle. Temperature sensors compensate for the change in ambient temperature as well for the part. The machine is designed to perform in CNC mode together with indexable probe heads as well as laser scanner and a marking system. The measuring software has sophisticated CAD comparison and can support IGES and step interfaces.

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for selecting the award winners.

## Presentation of the Awards

The Technology Day Function 2013 celebrated on 11<sup>th</sup> May 2013 was presided over by President of India Shri Pranab Mukherjee as Chief Guest. The Technology Day Function was centered on the Theme "Innovation – Making a Difference". The Theme Lecture was delivered on the occasion by Prof. Anil Gupta, IIM, Ahmedabad.

## Interactive Meetings with Industry

TDB organised a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations and R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the Industries, R&D Organisations, Academic Institutions, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialization efforts especially for indigenously developed technologies.

इस प्रकार की बैठकें सितम्बर, 1996 से भारत और विदेशों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत अहमदाबाद, बैंगलोर, बेईजिंग (चीन), ब्रुसेल्स (बेल्जियम), भोपाल, भुवनेश्वर, बिकानेर, बुडापेस्ट (हंगरी), कार्डीरो (मिस्त्र), चंडीगढ़, चेन्नई, चिदम्बरम, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली, देवानगरे, गुजरात, गुडगांव, गुवाहाटी, ग्रेटर नोएडा, हनोवर (जर्मनी), हैदराबाद, हुबली, इम्फाल, इंदौर, इस्ताम्बूल (टर्की), जयपुर, झुनझुनु, जम्मू, जोहान्सवर्ग (दक्षिण अफ्रिका), कानपुर, केरल, कोची, कोलकाता, लखनऊ, लुधियाना, मैड्रिड (स्पेन), मदुरई, मुम्बई, मैसूर, नई दिल्ली, नोएडा, नागपुर, नैनीताल, ऑक्सफोर्ड (यू. के.), पुने, राजामुन्दी, राजापलायम, राजकोट, रुरकी, रुद्रपुर, साओ पाउलो (ब्राजील), शिलोंग, शिमला, तमिलनाडु, थेस्सालोनिकी (ग्रीस), तिरुवनन्तपुरम, तिरुचिरापल्ली, उदयपुर, वापी, वेल्लोर, विजयवाडा में आयोजित की गई।

टीडीबी द्वारा अब तक हस्ताक्षर किए गए करारों का राज्यवार वितरण का विश्लेषण यह दर्शाता है कि वाणिज्यिक उद्यमियों को देशीय प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है एवं अब तक कवर नहीं किए गए अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में प्लांट लगाए जाने चाहिए।

टीडीबी ने देश भर में फैले चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, ट्रेड संघों एवं संस्थानों के घनिष्ठ समन्वय में कार्यशालाएं आयोजित की और भागीदारी की। टीडीबी के अधिकारियों ने वर्ष 2013-14 के दौरान प्रदर्शनियों में भाग लिया और उद्योगों एवं संस्थानों के साथ पारस्परिक बैठकें आयोजित की जिनकी सूची निम्नलिखित है :-

#### जुलाई 25-26, 2013

श्री नीरज केला, निदेशक, टीडीबी ने 25-26 जुलाई, 2013 को अशोका होटल, नई दिल्ली में आयोजित 'वैश्विक आर एंड डी सम्मेलन' में भाग लिया। इसका आयोजन फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स (फिक्की) और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने किया। इस दो दिवसीय आर एंड डी सम्मेलन एवं प्रदर्शनी को 'वैश्विक आर एंड डी सम्मेलन 2013 - भारत लक्ष्य' का नाम दिया गया। इस सम्मेलन में सरकार, उद्योग तथा शिक्षा जगत के स्थानीय एवं वैश्विक आर एंड डी विशेषज्ञों के साथ, नीति निर्माताओं, अग्रणी व्यवसायियों, इनोवेटर्स, उद्यमियों जैसे प्रमुख स्टेकधारकों ने भाग लिया और आर एंड डी इकोसिस्टम निर्मित किया। इस कार्यक्रम ने देशों के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में कॉर्नर स्टोन के रूप में वैज्ञानिक और औद्योगिक आर एंड डी की भूमिका को रेखांकित किया और आर एंड डी नेतृत्व के भविष्य के रोडमैप के निर्माण के लिए पूरे विश्व के विभिन्न स्टेकधारकों के साथ विचारों, बेहतर कार्य व्यवहारों और नीतियों के मुक्त विनिमय हेतु एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच का भी निर्माण किया। सम्मेलन स्थल के किनारे पर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें सरकार, उद्योगों और शिक्षा जगत के कुछ अत्यंत इनोवेटिव और सफल आर एंड डी परियोजनाओं, कार्यक्रमों और प्रयासों का प्रदर्शन किया गया। इसमें भागीदारों को उच्च स्तर की नेटवर्किंग और व्यवसाय अवसर मंच में भागीदारी करने, आर एंड डी निवेश के लिए भारत में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से जुड़े रहने का प्रस्ताव दिया गया। कार्यक्रम कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, ऊर्जा, रक्षा, जल, स्वास्थ्य रक्षा, फार्मा, सामग्री विलान एवं पर्यावरण जैसे क्षेत्रों पर फोकस करेगा।

#### जुलाई 27-28, 2013

टीडीबी ने 27-28 जुलाई, 2013 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित 9वें अन्तर्राष्ट्रीय कृषि एवं बागवानी एक्सपो एवं आवर्ती शोध, खाद्य एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो, सरकार की उपलब्धियां एवं योजनाएं एक्सपो-2013 में भाग लिया। इसका आयोजन मेसर्स एनएमएस मीडिया ग्रुप, नई दिल्ली ने किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्रीमती कृष्णा तीरथ, माननीय राज्य मंत्री, (स्वतंत्र प्रभार), महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने किया।



Such meetings have been held in India and abroad under the Ministry of Science & Technology at Ahmedabad, Bangalore, Beijing (China) Brushells (Belgium), Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Budapest (Hungary), Cairo (Egypt), Chandigarh, Chennai, Chidambaram, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Devangere, Gujarat, Gurgaon, Guwahati, Greater Noida, Hannover (Germany), Hyderabad, Hubli, Imphal, Indore, Istanbul (Turkey), Jaipur, Jhunjhunu, Jammu, Johannesburg (South Africa), Kanpur, Kerala, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madrid (Spain), Madurai, Mumbai, Mysore, New Delhi, Noida, Nagpur, Nainital, Oxford (UK), Pilani, Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Roorkee, Rudrapur, Sao Paulo (Brazil), Shillong, Shimla, Tamilnadu, Thessaloniki (Greece), Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vellore, Vijayawada, since September 1996.

An analysis of the state-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

TDB has participated and organized workshops in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions spread all over the country. TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2013-14. These are listed below:

#### **July 25 – 26, 2013**

Shri Niraj Kela, Director, TDB attended the Global R&D Summit 2013 during 25<sup>th</sup> – 26<sup>th</sup> July, 2013 at Hotel The Ashok, New Delhi organized by Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry (FICCI) and Department of Science & Technology. The two- day international R & D conference and exhibition was titled 'Global R&D Summit 2013 – Destination India'. The summit had a milieu of local and global R&D experts from government, industry and academia, along with key stakeholders such as policy-makers, business leaders, innovators, entrepreneurs and investors constituting the R&D ecosystem. This event explored the emerging role of Scientific and Industrial R&D as cornerstone for industrial and economic development of countries and create an international platform for open exchange of ideas, best practices and strategies with various stakeholders across the globe to generate future road-map for R&D leadership. The exhibition was organized alongside the summit housed and showcased some of the most innovative and successful R&D projects, programs and initiatives from government, industry and academia and offered a high-level networking and business opportunity platform for participants and keeping in tune with India's priority areas for R&D investment, the event will focus on areas such as – Agriculture, Biotech, Telecom, Energy, Defence, Water, Healthcare, Pharma, Material Science & Environment.

#### **July 27 – 28, 2013**

TDB participated in 9<sup>th</sup> International Agriculture & Horti Expo and concurrent shows Food & Technology Expo, Government Achievements & Schemes Expo-2013 held on 27<sup>th</sup> – 28<sup>th</sup> July, 2013 at Pragati Maidan, New Delhi organized by M/s NNS Media Group, New Delhi. This expo was inaugurated by Smt. Krishna Tirath, Hon'ble Minister of State (I/C) for Women & Child Development, Govt. of India.

**सितम्बर 27-29, 2013**

टीडीबी ने, पीएसजी संस्थान द्वारा 27-29 सितम्बर, 2013 को कोडिस्सीया ट्रेड फेयर ग्राउन्ड, कोयम्बटूर में आयोजित आई3 एक्सपो 2013 – विचारों, अविष्कारों और इनोवेशनों का एक राष्ट्रीय मेला को प्रायोजित किया। यह प्रदर्शनी एक अनूठा और विशाल मेला था जो जमीन से जुड़े लोगों, शिल्पियों, विद्यार्थियों, उद्यमियों, प्रौद्योगिकीविदों के लिए खुला था और इसमें विद्यार्थियों से लेकर व्यावसाय-नीति निर्माताओं तक के लिए एक विशेष स्पेक्ट्रम था।

**अक्टूबर 10-12, 2013**

टीडीबी ने, मेसर्स जसुभाई मीडिया प्रा. लि. द्वारा 10-12 अक्टूबर, 2013 को चेन्नई में आयोजित भारत के जल प्रबंधन उद्योगों का विश्व सम्मेलन- जल ईएक्स - दक्षिण सम्मेलन को प्रायोजित किया। सम्मेलन बेकार जल प्रबंधन प्रणाली, जल संरक्षण, जल शोधन, छनन उपकरण, जल का खारापन हटाना और आसवन, छनन एवं परा छनन प्रक्रिया, जल उपकरण, बॉयलर्स एवं कूलिंग टावर्स, पंप्स एवं मोटर्स, जल शोधन, रसायनों आदि पर केन्द्रित था।

**अक्टूबर 23-24, 2013**

टीडीबी ने 23-24 अक्टूबर, 2013 को होटल ललित, नई दिल्ली में आयोजित भारत-फ्रांस प्रौद्योगिकी सम्मेलन एवं प्रौद्योगिकी मंच में भाग लिया। इसका आयोजन संयुक्त रूप से भारतीय उद्योग महासंघ (सीआईआई), नई दिल्ली और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली ने किया श्रीमती जेनवीवे फायोरासो, उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री, फ्रेंच गणतांत्रिक सरकार के नेतृत्व में उद्योगों और अनुसंधान संस्थानों के विशाल प्रतिनिधिमंडल ने सम्मेलन में भाग लिया। यह प्रौद्योगिकी सम्मेलन एवं प्रौद्योगिकी मंच भारत का अत्यंत प्रभावी मंच था जो औद्योगिक संगठनों, संयुक्त आर एंड डी, संयुक्त परियोजनाओं और नये उत्पादों की संयुक्त मार्केटिंग और सेवाओं के साथ टेक्नो-व्यवसाय सहयोगों को प्रेरित करता है।

**नवम्बर 14 - 27, 2013**

टीडीबी ने भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला - 2013 द्वारा 14-27 नवम्बर, 2013 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में इन्सपायर पुरस्कार योजना के अन्तर्गत तीसरी राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी और परियोजना प्रतियोगिता में भाग लिया।

**नवम्बर 29 - दिसम्बर 1, 2013**

टीडीबी ने टेलीमेडिसीन समिति, 2013 द्वारा 29 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2013 तक जयपुर, राजस्थान में आयोजित "9वें अन्तर्राष्ट्रीय टेलीमेडिसीन सम्मेलन" में भाग लिया। यह सम्मेलन ग्रामीण स्वास्थ्य रक्षा पर विशेष बल देने के साथ, हमारे देश में स्वास्थ्य रक्षा में ई-स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी के प्रयोग के लिए अवसरों की खोज पर केन्द्रित थी। सम्मेलन का उद्देश्य विश्व में टेलीमेडिसीन विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य रक्षा व्यवसायियों को साथ लाकर भारत में टेलीहेल्थ के प्रति जागरूकता और व्यवहार को बढ़ाना था।

**वेब साइट**

टीडीबी के लिए वेबसाइट निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है :-

- i) [www.tdb.gov.in](http://www.tdb.gov.in)



**September 27-29, 2013**

TDB sponsored i3 Expo 2013 - A National Level Fair on Ideas, Inventions and Innovations held on 27<sup>th</sup> - 29<sup>th</sup> September, 2013 at CODISSIA Trade Fair Ground, Coimbatore organized by PSG Institutions. The exhibition was a unique and large fair open to gross root, artisans, students entrepreneurs, scientists, technologists; a wide spectrum from students to business - policy makers.

**October 10-12, 2013**

TDB sponsored in Water EX-South Conference - 2013 world meet of Water Management Industry in India held on 10<sup>th</sup> - 12<sup>th</sup> October, 2013 at Chennai organized by M/s Jasubhai Media Pvt. Ltd. The Conference was on Wastewater Management Systems, Water Conservation, Water Purification, Filtration Equipment Desalination & Distillation, Filtration & Ultra Filtration Process, Water Equipment, Boilers and Cooling Towers, Pumps and Motors, Water Treatment Chemicals etc.

**October 23 - 24, 2013**

TDB participated in India - France Technology Summit & Technology Platform held 23<sup>rd</sup> - 24<sup>th</sup> October, 2013 at Hotel The Lalit, New Delhi jointly organized by Confederation of Indian Industry (CII), New Delhi and the Department of Science & Technology (DST), Govt. of India, New Delhi. A large French delegation of industry and research institutions led by Mrs. Genevieve FIORASO, Minister, Higher Education and Research, Government of the French Republic attended the summit. The Technology Summit & Technology Platform was India's most effective platform forging techno-business collaborations among industry institutions R&D, joint R&D, joint projects & joint marketing of new products and services.

**November 14-27, 2013**

TDB participated in 3<sup>rd</sup> National Level Exhibition and Project Competition under Inspire Award Scheme held on 14<sup>th</sup> -27<sup>th</sup> November, 2014 at Pragati Maidan, New Delhi organized by Indian International Trade Fair - 2013.

**November 29 - December 1, 2013**

TDB sponsored in 9<sup>th</sup> International Telemedicine Conference held on 29<sup>th</sup> November to 1<sup>st</sup> December, 2013 at Jaipur Rajasthan organized by Committee of Telemedicon 2013. The Conference was on e-Health and it proposes to explore the opportunities that lie in deploying e-Health technology in healthcare in our country with special emphasis on Rural Healthcare. Telemedicine Conference strives to increase the awareness and practice of Telehealth in India by bringing together telemedicine experts, policy makers, healthcare professionals and technology as well as infrastructure providers around the world.

**Web site**

The web-site for TDB is available on the following address:

- i) [www.tdb.gov.in](http://www.tdb.gov.in)

## अनुसंधान एवं विकास उपकर

अनुसंधान एवं विकास उपकर अधिनियम 1986 यथा संशोधित 1995 को प्रौद्योगिकी के आयात के लिए सभी भुगतान पर लेवी और उपकर के समाहरण करने के लिए बनाया गया है। उपकर की दर 5 प्रतिशत है। औद्योगिक इकाईयां जो कि ऐसे आयातों के लिए भुगतान करने अथवा भुगतान किए जाने से पूर्व प्रौद्योगिकी आयात करती हैं, पर उपकर देय होता है। यह उपकर भारत के संघित निधि में जमा होता है। इसको देश में विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण और विदेशी प्रौद्योगिकी को वृहत रूप से घरेलू उपयोग के लिए अपनाए जाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एकत्र किया जाता है।

भारत सरकार, उपकर समाहरण विनियोजन के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास और उसके प्रयोग के लिए फंड का भुगतान करती है जिसे देश में विकसित प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यीकरण और आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने के लिए उपयोग किया जाता है। यह निधि प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा प्रशासित की जाती है।

### उपकर, समाहरण एवं भुगतान (1996 – 2014)

निम्नलिखित सारणी 1996-97 (जिस वर्ष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, भारत सरकार द्वारा गठित किया गया) से वर्षवार उपकर समाहरण, टीडीबी को आवंटन तथा भुगतान को दर्शाती है:-

#### अनुसंधान एवं विकास उपकर, समाहरण एवं संवितरण

(करोड़ रु. में)

वर्ष	उपकर समाहरण (सी.ए.जी. के आंकड़े)	टीडीबी को आवंटन		सरकार द्वारा टीडीबी को किया गया वार्षिक भुगतान
		अनुमानित बजट	संशोधित बजट	
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-00	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-04	119.51	55.00	53.65	53.65
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66
2006-07	186.56	33.50	4.90	4.32
2007-08	254.09	63.00	60.00	19.00



## RESEARCH AND DEVELOPMENT CESS

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purpose of encouraging the commercial application of indigenously developed technologies and for adapting imported technologies for wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board.

### Cess Collections and Payments (1996-2014)

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government) and allocations to TDB and payments to TDB.

#### Research and Development Cess, Collections and Disbursements

(Rs. in crore)

Year	Cess Collection (CGA's (Figures))	Allocation to TDB		Actual Payment to TDB by Govt.
		Budget Estimate (BE)	Revised Estimate (RE)	
1996-97	80.13	30.00	30.00	29.97
1997-98	81.42	70.00	49.93	49.93
1998-99	81.10	50.00	20.00	28.00
1999-00	88.93	70.00	50.00	50.00
2000-01	98.91	70.00	63.00	62.79
2001-02	95.30	63.00	57.00	57.00
2002-03	99.47	58.00	56.00	56.00
2003-04	119.51	55.00	53.65	53.65
2004-05	156.99	54.00	48.10	48.10
2005-06	176.61	43.50	42.65	42.66
2006-07	186.56	33.50	4.90	4.32
2007-08	254.09	63.00	60.00	19.00

2008-09	310.33	20.80	4.67	-
2009-10	418.22	50.00	20.00	-
2010-11	592.22	50.00	50.00	5.00
2011-12	702.54	50.00	50.00	-
2012-13	685.62	50.00	50.00	22.50
2013-14	737.54	50.00	35.00	13.50
<b>कुल</b>	<b>4965.49</b>	<b>930.80</b>	<b>744.90</b>	<b>542.42</b>

वर्ष 1996-2014 की अवधि के दौरान अनुसंधान एवं विकास उपकर समाहरण के कुल 4965.49 करोड़ रु. में से सरकार ने 18 वर्षों (1996-2014) के दौरान टीडीबी को 542.42 करोड़ रु. की संचित राशि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के गैर-योजना व्यय में से अनुदान सहायता के रूप में उपलब्ध कराया गया।



2008-09	310.33	20.80	4.67	0.00
2009-10	418.22	50.00	20.00	0.00
2010-11	592.22	50.00	50.00	5.00
2011-12	702.54	50.00	50.00	0.00
2012-13	685.62	50.00	50.00	22.50
2013-14	737.54	50.00	35.00	13.50
<b>Total</b>	<b>4965.49</b>	<b>930.80</b>	<b>744.90</b>	<b>542.42</b>

A total of Rs. 4965.49 crore was collected through R&D cess during the year 1996-2014. The Government however has made available to TDB a cumulative sum of Rs. 542.42 crore over the period of 18 years (1996-2014) through Grant-in-aid from non-plan expenditure of Department of Science and Technology.

## प्रशासन

### वार्षिक रिपोर्ट और परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के अध्याय 12 में यह उल्लेख है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष की गतिविधियों का पूरा वर्णन किया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम के धारा 13 (4) के अनुसार बोर्ड केन्द्र सरकार को लेखा परीक्षा रिपोर्ट के साथ अपनी लेखाओं की लेखा परीक्षित प्रति प्रस्तुत करेगा।

टीडीबी की वर्ष 2011-12 की वार्षिक रिपोर्ट सहित वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षित प्रति राज्य सभा एवं लोक सभा के पटल पर क्रमशः दिनांक 18 मार्च 2015 और 19 मार्च 2015 को रख दी गई है।

### टीडीबी सचिवालय

#### आयकर छूट

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सी बी डी टी), नई दिल्ली ने टीडीबी को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10[23सी (iv)] के तहत आकलन वर्ष 2000-01 और आगे के लिए 18 मई, 2007 के एवं 21 मई, 2007 को जारी अधिसूचना सं. 173/2007 के तहत छूट प्रदान की है।

#### राजभाषा कार्यान्वयन

टीडीबी ने अपने गठन के समय से सरकार के राजभाषा संबंधी विभिन्न प्रावधानों को कार्यान्वित किया है और अधिसूचनाएं, वार्षिक रिपोर्ट, परियोजना वित्तपोषण दिशा निर्देश, ब्रोशर्स, वाउचर्स इत्यादि को द्विभाषी रूप में मुद्रित किया है। विभिन्न प्रदर्शनियों में दर्शाए जाने वाली प्रदर्शन संबंधी वस्तुओं / पैनलों को हिन्दी एवं अंग्रेजी में तैयार किया गया है।



## ADMINISTRATION

### Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report.

The Annual Report, including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2012-13 was laid before Rajya Sabha and Lok Sabha on 18 March, 2015 and 19 March, 2015 respectively.

### TDB Secretariat

### Income Tax exemption

The Central Board of Direct Taxes (CBDT), New Delhi has granted exemption to TDB - u/s 10[23C(iv)] of the Income Tax Act, 1961 for the further period i.e. Assessment Year 2000-01 and onwards vide notification no. 173/2007 dated 18<sup>th</sup> May, 2007 issued on 21<sup>st</sup> May, 2007.

### Implementation of Official Language

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to the official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, Brochures, Vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

## प्रारंभिक जांच समिति के सदस्य

अगरवाल एस. पी.	पूर्व-जीएम, बैंक ऑफ बडौदा, नई दिल्ली
आहुजा ए. सी.	भूतपूर्व सीएमडी, आईवीसीएफ, नई दिल्ली
आलम एम. सरवर डॉ.	प्रोफेसर एवं विभाग प्रमुख, रसायन विभाग, जामिया हमदद, नई दिल्ली
आनन्द स्नेह डॉ.	प्रोफेसर, जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी केन्द्र, आईआईटी दिल्ली
बैनर्जी सुजीत	वैज्ञानिक 'एफ', डीएसटी, नई दिल्ली
बैनर्जी अखिल सी. डॉ.	स्टाफ वैज्ञानिक - VII, एनआईआई, नई दिल्ली
बसक पुलक रंजन	वैज्ञानिक 'ई', टाईफेक, नई दिल्ली
भारकर इन्दु	वैज्ञानिक 'एफ', डीएसआईआर, नई दिल्ली
विश्वास सीमित्रा	सलाहकार / वैज्ञानिक 'जी', टाईफेक, नई दिल्ली
बुधिराजा रेणु	निदेशक एवं एचओडी, ई-गवर्नेंस ग्रुप, आईटी विभाग, नई दिल्ली
चैनुलू ए. वी.	वैज्ञानिक 'एफ', डीएसआईआर, नई दिल्ली
चैटर्जी पी. के.	नई दिल्ली
दहिया आर. पी. प्रोफ.	ऊर्जा अध्ययन केन्द्र, आईआईटी दिल्ली
धवन एस. के. डॉ.	वैज्ञानिक 'जी', राष्ट्रीय फिजिकल प्रयोगशाला, नई दिल्ली
गोडसे विनायक	निदेशक, डाटा सुरक्षा, भारतीय डाटा सिक्यूरिटी काउंसिल, नई दिल्ली
गोयल दीपक	वैज्ञानिक 'ई', एनआईसी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विभाग, कम्यूनिकेशन एवं आईटी मंत्रालय, नई दिल्ली
गोसल अरुण	भूतपूर्व डीडीजी (ए) एवं डीडीजी (टी), टीईसी, नई दिल्ली
गौतम गोस्वामी डॉ.	वैज्ञानिक 'ई', टाईफेक, नई दिल्ली
गुप्ता अनिता डॉ.	वैज्ञानिक 'एफ', एनईबी डिवीजन, डीएसटी, नई दिल्ली
गुप्ता भूवनेश्वर डॉ.	प्रोफेसर, जैवअभियांत्रिकी प्रयोगशाला, टेक्सटाइल तकनीकी विभाग, आईआईटी दिल्ली
जेम्स जैकब	डीजीएम (आईटी) बीएचईएल, पॉवर परियोजना अभियांत्रिकी संस्थान (पीपीईआई), नोएडा



## MEMBERS FOR THE INITIAL SCREENING COMMITTEES

Agarwal S.P.	Ex-GM, Bank of Baroda, New Delhi
Ahuja A. C.	Former CMD, IFCI VCF, New Delhi
Alam M. Sarwar Dr.	Prof. & Head of the Department, Department of Chemistry, Jamia Hamdard, New Delhi
Anand Sneh Dr.	Professor, Centre for Biomedical Engineering, IIT Delhi
Banerjee Sujit	Scientist-'F', DST, New Delhi.
Banerjee Akhil C. Dr.	Staff Scientist – VII, NII, New Delhi
Basak Pulak Ranjan	Scientist-'E', TIFAC, New Delhi.
Bhaskar Indu	Scientist 'F', DSIR, New Delhi
Biswas Soumitra	Adviser / Scientist- G , TIFAC, New Delhi
Budhiraja Renu	Director & HOD, e-Governance Group, Dept. of IT, New Delhi
Chainulu A.V.	Scientist 'F' DSIR, New Delhi
Chatterjee P. K.	New Delhi
Dahiya R. P. Prof.	Centre for Energy Studies, IIT Delhi
Dhawan S. K Dr.	Scientist G, National Physical Laboratory , New Delhi
Godse Vinayak	Director, Data Protection, Data Security Council of India, New Delhi
Goel Deepak	Scientist-'E', NIC, Department of Electronics and IT, Ministry of Comm. and IT, New Delhi
Golas Arun	Former DDG(A) & DDG (T), TEC, New Delhi
Goswami Gautam Dr.	Scientist –E, TIFAC, New Delhi
Gupta Anita Dr.	Scientist 'F', NEB Division, DST, New Delhi
Gupta Bhuvanesh Dr.	Professor, Bioengineering Laboratory, Department of Textile Technology, IIT Delhi
James Jacob	DGM (IT) BHEL, Power Project Engineering Institute (PPEI), Noida

कपूर राजेश	निदेशक, टीसीआईएल, नई दिल्ली
कटपालिया गीता डॉ.	वैज्ञानिक 'एफ', इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विभाग, कम्यूनिकेशन एवं आईटी मंत्रालय, नई दिल्ली
खरे मुकेश डॉ.	एसोसिएट प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली
कुलकर्णी मिलिन्द आर.	वैज्ञानिक 'एफ', डीएसटी, नई दिल्ली
कृष्णन ए. एस. ए.	वैज्ञानिक 'जी', एमसीआईटी, नई दिल्ली
मैती चन्दन	वैज्ञानिक 'सी', सी-डैक
मल्होत्रा पी. के. डॉ.	वैज्ञानिक 'जी', एसईआरबी, डीएसटी, नई दिल्ली
मुबसीर साजिद	वैज्ञानिक 'जी', टाईफेक, नई दिल्ली
नन्दन वैशाली	वरिष्ठ सलाहकार, जीआईजेड, जीएमबीएच, नई दिल्ली
निगम दिलीप डॉ.	वैज्ञानिक 'एफ', एमएनआरई, नई दिल्ली
नियोगी यू. के. डॉ.	संयुक्त निदेशक, श्रीराम औद्योगिक अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
पांडा अमूल्य के. डॉ.	स्टाफ वैज्ञानिक - VII, एनआईआई, नई दिल्ली
प्रसाद राजेन्द्र डॉ.	प्रोफेसर, रुरल विकास एवं तकनीकी केन्द्र, आईआईटी दिल्ली
रघुनन्दन आर. डॉ.	चीफ एक्जक्यूटिव, जेएसएसएटीई-एसटीईपी, नोयडा
राय टी. एस. डॉ.	वैज्ञानिक 'एच', डीबीटी, नई दिल्ली
रिस्तुद नीलीमा डॉ.	डीन एवं एचओडी, हाउसिंग विभाग, स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एण्ड आर्कीटेक्चर, नई दिल्ली
रॉय अमिताभ	वैज्ञानिक, डीएसटी, नई दिल्ली
सरदार अर्घ्या	वैज्ञानिक 'ई', टाईफेक, नई दिल्ली
सक्सेना आर. के. डॉ.	मुख्य समन्वयक, तकनीकी आधारित इन्क्यूबेटर, माईक्रोबायोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
शर्मा जी. के. डॉ.	पूर्व-एनएटीआरआईपी, नई दिल्ली
सिंह डी. वी. डॉ.	पूर्व-निदेशक, सीआरआरई, नई दिल्ली



Kapoor Rajesh	Director, TCIL, New Delhi
Katpalia Geeta Dr.	Scientist -'F', Deptt. of Electronics & IT, Ministry of Comm. and IT, New Delhi
Khare Mukesh Dr.	Associate Professor, Department of Civil Engineering, IIT Delhi
Kulkarni Milind R.	Scientist 'F', DST, New Delhi
Krishnan A. S. A.	Scientist 'G', MCIT, New Delhi
Maiti Chandan	Scientist-'C', D-DAC
Malhotra P. K. Dr.	Scientist 'G', SERB, DST, New Delhi
Mishra S. K Dr.	Prof. & Head, Department of Endocrine Surgery, SGPGI, Lucknow
Mubashir Sajid	Scientist-'G', TIFAC, New Delhi
Nandan Vaishali	Senior Advisor , GIZ, GmbH, New Delhi
Nigam Dilip Dr.	Scientist 'F', MNRE, New Delhi
Niyogi U. K. Dr.	Joint Director, Shriram Institute of Industrial Research, New Delhi
Panda Amulya K. Dr.	Staff Scientist-VII, NII, New Delhi
Prasad Rajendra Dr.	Professor, Centre for Rural Development and Technology, IIT Delhi
Raghunandan R. Dr.	Chief Executive, JSSATE-STEP, Noida
Rao T.S. Dr.	Scientist 'H' , DBT, New Delhi
Risbud Neelima Dr.	Dean & HOD, Deptt. of Housing, School of Planning & Architecture, New Delhi
Roy Amitava	Scientist, DST, New Delhi
Sardar Arghya	Scientist-'E', TIFAC, New Delhi
Saxena R. K Dr.	Chief Co-ordinator, Technology Based Incubator, Department of Microbiology, University of Delhi
Sharma G.K. Dr.	Ex- NATRiP, New Delhi.
Singh D.V. Dr.	Ex-Director, CRRI, New Delhi.

सिंह जे. पी. डॉ.	एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईआईटी दिल्ली
सिन्हा शिवालिनी	समूह जीएम (टेक.), टीसीआईएल, नई दिल्ली
सुशील कुमार डॉ.	वरिष्ठ वैज्ञानिक, भौतिक एवं ऊर्जा हार्वेस्टिंग विभाग, एनपीएल, नई दिल्ली
तिवारी एस. के. डॉ.	वैज्ञानिक ई-II, पीपीडी, सीएसआईआर, नई दिल्ली
त्यागी अजित एवीएम डॉ.	पर्य-डीजी, आईएमडी एवं कोटेश्वरम चेयर प्रोफेसर, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली
उपाध्याय कुणाल	सीईओ, सीआईआईइ, आईआईएम अहमदाबाद
वार्सनेय के. सी.	भूतपूर्व ईडी, आईडीवीआई, नई दिल्ली
वरुण विमल कुमार	वैज्ञानिक 'एफ', डी एस आई आर, नई दिल्ली
यादव हरि ओम डॉ.	वैज्ञानिक, पीपीडी, सीएसआईआर, नई दिल्ली
जावद राजीव	संयुक्त निदेशक, सी-डैक, नोएडा



Singh J. P. Dr.	Associate Professor, IIT, New Delhi
Singh Pushpendra Dr.	Assistant Professor, IIIT Delhi
Sinha Shivalini	Group GM (Tech), TCIL, New Delhi
Sushil Kumar Dr.	Senior Scientist, Dept. of Physics of Energy Harvesting, NPL, New Delhi
Tiwari S. K. Dr.	Scientist E-II, PPD, CSIR, New Delhi
Tyagi Ajit AVM Dr.	Former - DG, IMD & Koteswaram Chair Professor, Ministry of Earth Sciences, New Delhi
Upadhyay Kunal	CEO, CIIE, IIM Ahmedabad
Varshney K.C.	Former ED, IDBI, Greater Kailash-II, New Delhi
Varun Vimal Kumar	Scientist 'F' DSIR, New Delhi
Yadav Hari Om Dr.	Scientist, PPD, CSIR, New Delhi
Yadav Rajiv	Joint Director, C-DAC, Noida

## परियोजना मूल्यांकन एवं परियोजना अनुविक्षण समितियों के विशेषज्ञों के नाम

अगरवाल एस. पी.	पूर्व-जीएम, बैंक ऑफ बरीदा, नई दिल्ली
आहुजा ए. सी.	भूतपूर्व सीएमडी, आईवीसीएफ, नई दिल्ली
आर्या कवि प्रोफे.	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी मुंबई
बाबु डीएआर	प्रमुख, रेडियोलॉजिकल भौतिकी एवं एडवाइजरी डिवीजन, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई
बैनर्जी यू. सी. प्रोफ.	डीन, एनआइपीइआर
बेदी बी. एस.	सलाहकार, हेल्थ इन्फॉर्मेटिक्स, सीडैक, दिल्ली
ब्रह्देश्वर बेजावडा डॉ.	सहायक प्रोफेसर, आईआईआईटी हैदराबाद
चन्द्र बाबु एन. सरत डॉ.	एकजक्यूटिव निदेशक, सी-डैक, बैंगलोर
चैटर्जी शॉरी डॉ.	एसोसिएट प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईआईटी दिल्ली
चौधरी एम. सी.	भूतपूर्व निदेशक (तकनीकी), टीसीआईएल, नई दिल्ली
दास अशोक डॉ.	सीईओ, मेसर्स सनमोक्षा पॉवर प्रा. लि., बैंगलोर
धुमल जयसिंह	मुख्य संयोजक, टीएफजी, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, मुंबई
डिमरी एस. डी.	सेवानिवृत्त डीजीओएफ एवं अध्यक्ष ओफबी, देहरादुन
एडे प्रसाद	सीओओ, आईकेपी नॉलेज पार्क, हैदराबाद
गिरीधर के. डॉ.	प्रोफेसर, इई विभाग, आईआईटी मद्रास
गुलाटी विक्रम	भूतपूर्व निदेशक, एनएटीआरआईपी, नई दिल्ली
गुप्ता आर. एल. डॉ.	प्रिसिपल वैज्ञानिक, आइएआरआइ, नई दिल्ली
झुनझनवाला अशोक प्रोफ.	प्रोफेसर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास
जोशी सुहास प्रोफ.	मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी बम्बई
कुमार बी सेल्वा	सहायक प्रोफेसर, पीएसजी तकनीकी कॉलेज, कोयम्बटूर



## EXPERTS FOR THE PROJECT EVALUATION AND PROJECT MONITORING COMMITTEES

Aggarwal S.P.	Ex-GM, Bank of Baroda, New Delhi
Ahuja A.C.	Former – CMD, IVCF, New Delhi
Arya Kavi Prof.	Computer Science & Engineering Department, IIT Bombay
Babu DAR	Head, Radiological Physics and Advisory Division, Bhabha Atomic Research Centre, Mumbai
Banerjee U.C. Prof.	Dean, NIPER
Bedi B. S.	Advisor, Health Informatics, CDAC, Delhi
Bruhadeshwar Bezawada Dr.	Assistant Professor, IIIT, Hyderabad
Chandra Babu N. Sarat Dr.	Executive Director, C-DAC, Bangalore
Chatterjee Shouri Dr.	Associate Prof., Department of Electrical Engg., IIT Delhi
Chaudhary M.C.	Former Director (Technical), TCIL, New Delhi
Das Ashok Dr.	CEO, M/s SunMoksha Power Pvt. Ltd., Bangalore
Dhumal Jaisingh	Chief Manager, TFG, ICICI Bank Ltd., Mumbai
Dimri S.D	Retd. DGOFF & Chairman OFB, Dehradun
Ede Prasad	COO, IKP Knowledge Park, Hyderabad
Giridhar K. Dr.	Professor, EE Department, IIT Madras
Gulati Vikram	Former Director, NATRiP, New Delhi
Gupta R.L. Dr.	Principal Scientist, IARI, New Delhi
Jhunjhunwal Ashok Prof.	Professor, Department of Electrical Engineering , IIT Madras
Joshi Suhas Prof.	Department of Mechanical Engineering, IIT Bombay
Kumar B. Selva	Assistant Professor, PSG College of Technology, Coimbatore

कुमार सुबोध डॉ.	प्रोफेसर, मेटेरियल्स इंजीनियरिंग विभाग, आईआईएससी, बंगलोर
मेटे नितान्त डॉ.	मुख्य-हरी तकनीकी सेल, केआईटीएल, पूने
मैथ्यूज एस. राजन	महानिदेशक, सीओएआई, नई दिल्ली
मित्तर आर. आर.	डीडीजी (एनजीएन), टीईसी, नई दिल्ली
मुरलीधर के. प्रोफ.	प्रोफेसर, जन्तुविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
मूर्धी वी. एस. आर.	समूह निदेशक, सुजाना ग्रुप ऑफ कम्पनीज, सिकन्दराबाद
मुथु एम. वी.	भूतपूर्व निदेशक-आईएफसीआई, बंगलोर
नायडू मूर्धि कृष्णा	जीएम, अमर राजा पॉवर सिस्टम्स लिमिटेड, तिरुपती
पाई एन. जी.	पूर्व-ईडी, सारस्वत को-ओप. बैंक, मुम्बई
प्रसाद आई. डी.	पूर्व सलाहकार, एपीआईटीसीओ, हैदराबाद
प्रसाद आर. एन. डॉ.	पूर्व - प्रभारी निदेशक एवं प्रमुख, क्वालिटी कंट्रोल, एनआईबी, नई दिल्ली
रघुनन्दन आर. डॉ.	चीफ एकजक्यूटिव, जेएसएसएटीई-एसटीइपी, नोएडा
राजा रत्नम डॉ.	भूतपूर्व वैज्ञानिक 'जी', सीएफटीआरआई, मैसूर
रामचन्द्रन के. बी. डॉ.	प्रोफेसर एवं प्रमुख, टीबीटी, आईआईटी मद्रास
सारस्वत वी. के. डॉ.	पूर्व-सचिव, डीआरडीओ, नई दिल्ली
शर्मा पी. अनन्ता	सीईओ, एसआइडीबीआई, वेन्चर कैपिटल लिमिटेड, मुम्बई
सत्यमूर्ति एल. एस.	टेलीमेडिसीन / ईस्वास्थ्य एवं अंतरिक्ष तकनीकी सलाहकार, बंगलोर
सेल्वाकुमार डेविड डॉ.	निदेशक, सी-डैक नॉलेज पार्क, बंगलोर
सिद्दीकी एम. ए. ए. डॉ.	प्रोफेसर, प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रमुख, फ्लोरीकल्चर डिवीजन, कश्मीर एसके
सिंह भरत	कृषि विज्ञान एवं तकनीकी कॉलेज
सिरदेशमुख आर. प्रोफ.	डीडीजी-वेपन्स, ऑरइन्स फॅक्ट्री बोर्ड, रक्षा मंत्रालय, कोलकाता
श्रीवास्तव अजय	डिस्टिंग्यूइड वैज्ञानिक एवं एसोसिएट निदेशक, जैवसूचना संस्थान, बंगलोर
	एमडी, मेसर्स डायमेंसन्स कन्सल्टिंग प्रा. लि., गुडगांव



Kumar Subodh Dr.	Professor, Dept. of Materials Engineering, IISc, Bangalore
Mate Nitant Dr.	Head - Green Technologies Cell, KITL, Pune
Mathews S. Rajan	Director General, COAI, New Delhi
Mittar R. R.	DDG (NGN), TEC, New Delhi
Muralidhar K Prof.	Professor, Department of Zoology, University of Delhi
Murthy V.S.R.	Group Director, Sujana Group of Companies, Secunderabad
Muthu M.V.	Former -Director, IFCI, Bangalore
Naidu Murthy Krishna	GM, Amara Raja Power System Limited, Tirupati
Pai N.G.	Ex-ED, Saraswat Co-operative Bank, Mumbai
Prasad I. D.	Ex-Advisor, APITCO, Hyderabad
Prasad R. N. Dr.	Ex- Dy. Director & Head, Quality Control, NIB, New Delhi
Raghunandan R. Dr.	Chief Executive, JSSATE-STEP, Noida
Raja Ratnam Dr.	Former Scientist 'G', CFTRI, Mysore
Ramachandran K. B. Dr.	Professor and Head, DBT, IIT Madras
Saraswat V.K. Dr.	Ex-Secretary, DRDO, New Delhi
Sarma P. Ananta	CEO, SIDBI Venture Capital Limited, Mumbai
Satyamurthy L. S.	Telemedicine / eHealth& Space Technology Advisor, Bangalore
Selvakumar David Dr.	Director, C-DAC Knowledge Park, Bangalore
Siddique. M. A. A. Dr	Professor and Head, Div. of Floriculture , Medicinal and Aromatic Plants, SK University of Agri. S&T of Kashmir
Singh Bharat	DDG-Weapons, Ordnance Factory Board, Ministry of Defence, Kolkata
Sirdeshmukh R. Prof.	Distinguished Scientis & Associate Director, Institute of Bioinformatics, Bangalore
Srivastava Ajay	MD, M/s Dimensions Consulting Pvt. Ltd., Gurgaon

श्रीवास्तव रोहित डॉ.	एसोसिएट प्रोफेसर, जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी समूह, जैवविज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी बम्बई
टंडन आर. पी. प्रोफ.	एचओडी, फिजिक्स एवं एस्ट्रॉफिजिक्स विभाग, डीयू
उपाध्याय कुणाल	सीईओ, सीआईआईइ इनिसिएटिव, आईआईएम अहमदाबाद
वार्सनेय के. सी.	भूतपूर्व ईडी, आईडीबीआई, नई दिल्ली
वेंकटेश्वरलु के. डॉ.	पूर्व-प्रोफेसर एवं एचओडी, न्यूरोलॉजी विभाग, आन्ध्र मेडिकल कॉलेज
यादव जे. एस. डॉ.	पूर्व-निदेशक, भटनागर फेलॉव, आईआईसीटी, हैदराबाद



Srivastava Rohit Dr.	Associate Professor, Biomedical Engineering Group, Dept. of Biosciences & Bioengineering, IIT Bombay
Tandon R. P. Prof.	HoD, Department of Physics and Astrophysics, DU
Upadhyay Kunal	CEO, CIIE, IIM Ahmedabad
Varsheny K.C.	Former ED, IDBI, New Delhi
Venkateshwarlu K. Dr.	Ex- Professor and HOD, Department of Neurology, Andhra Medical College
Yadav J.S. Dr.	Ex-Director, Bhatnagar Fellow, ICT, Hyderabad

## उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति (एचएलईसी) के विशेषज्ञों के नाम

आर्या कवि प्रोफे. अगरवाल अनुराग डॉ. बावादेकर प्रदीप डॉ.	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी मुंबई आईजीआईबी, नई दिल्ली एमडी, मेसर्स एमआईटीसीओएन कन्सलटैन्सी एवं इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, पूने
बेदी बी. एस.	सलाहकार, हेल्थ इन्फ्रॉर्मेटिक्स, सीडैक एवं प्रेजीडेंट, टीएसआई एवं एग्जक्यूटिव मेम्बर, आईएएमआई, दिल्ली
दामोदरन रमेश दास अशोक डॉ. गुहाथाकुर्ता सोमा डॉ.	सीजीएम, मेसर्स आईटीसीओटी, चेन्नई सीईओ, मेसर्स सनमोक्षा पॉवर प्रा. लि., बेंगलोर एडजुटेन्ट प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास
गुलाटी विक्रम गुप्ता प्रवीन नाहेश्वरी एल. के. डॉ.	निदेशक-ऑपरेशन्स, एनएटीआरआईपी, नई दिल्ली सीए, मेसर्स के. एस. गुप्ता एण्ड क., नई दिल्ली पूर्व-वीसी, बीआईटीएस, पिलानी
मैथ्यूज एस. राजन मोदक जयन्ता प्रोफ. मुर्ति वी. एस. आर. मुथु एम. वी.	महानिदेशक, सीओएआई, नई दिल्ली रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईएससी बेंगलोर ग्रुप निदेशक, सुजाना ग्रुप ऑफ़ कम्पनीज, सिकन्दराबाद भूतपूर्व निदेशक-आईएफसीआई, बेंगलोर
न्याती के. पी. डॉ. पाई एन. जी. पटेल जे. बी.	पूर्व-प्रमुख, एनवायरनमेन्ट मैनेजमेंट डिवीजन, सीआईआई, नई दिल्ली पूर्व-ईडी, सारस्वत को-ओप. बैंक, मुम्बई डिस्टिंग्यूस्ड विजिटिंग फ़ैकल्टी, ईडीआई, गांधीनगर, गुजरात
काजी जी. एन. डॉ. रघुनन्दन आर. डॉ. राव टी. एस. डॉ.	कुलपति, जामिया हमदद, नई दिल्ली चीफ़ एकजक्यूटिव, जेएसएसएटीई-एसटीईपी, नोएडा वैज्ञानिक 'जी', जैवतकनीकी विभाग, नई दिल्ली
राव डी. योगेश्वरा डॉ. सारस्वत वी. के. डॉ. श्रीवास्तव अजय	सलाहकार, पीएसए कार्यालय, नई दिल्ली पूर्व-सचिव, डीआरडीओ, नई दिल्ली एमडी, मेसर्स डायमेंसन्स कन्सल्टिंग प्रा. लि., गुडगांव
उपाध्याय कुणाल वार्सनेय के. सी.	सीईओ, सीआईआईई, आईआईएम अहमदाबाद भूतपूर्व ईडी, आईडीबीआई, नई दिल्ली



## EXPERTS FOR THE HIGH LEVEL EXPERT COMMITTEE (HLEC)

Arya Kavi Prof.	Computer Science & Engineering Department, IIT Bombay
Agrawal Anurag Dr.	IGIB, New Delhi
Bavadekar Pradeep Dr.	MD, M/s MITCON, Pune
Bedi B. S.	Advisor, Health Informatics, CDAC, New Delhi
Damodharan Ramesh	CGM, M/s ITCOT, Chennai
Das Ashok Dr.	CEO, M/s SunMoksha Power Pvt. Ltd., Bangalore
Guhathakurta Soma Dr.	Adjutant Professor, IIT Madras
Gulati Vikram	Director- Operations, NATRiP, New Delhi
Gupta Pravin	CA, M/s K. S. Gupta & Co., New Delhi
Maheshwari L. K. Dr.	Ex-VC, BITS, Pilani
Mathews S. Rajan	DG, COAI, New Delhi
Modak Jayant Prof.	Department of Chemical Engineering, IISc, Bangalore
Murthy V.S.R	Group Director, Sujana Group of Companies, Secunderabad
Muthu M. V.	Former Director – IFCI, Bangalore
Nyati K.P. Dr.	Ex-Head, Environment Management Division, CII, New Delhi
Pai N. G.	Ex-ED, Saraswat Co-operative Bank, Mumbai
Patel J. B.	Distinguished Visiting Faculty, EDI, Gandhinagar, Gujarat
Qazi G.N. Dr.	VC, Jamia Hamdard, New Delhi
Raghunanadan R. Dr.	Chief Executive, JSSATE-STEP, Noida
Rao T. S. Dr.	Scientist 'G', DBT, New Delhi
Rao Yogeswara D. Dr.	Adviser, Office of PSA, New Delhi
Saraswat V. K. Dr.	Ex-Secretary, DRDO, New Delhi
Srivastava Ajay	MD, M/s DCPL, Gurgaon
Upadhyay Kunal	CEO, CIIE, IIM Ahmedabad
Varshney K. C.	Ex-ED, IDBI, New Delhi

वर्ष 2013-14 के लिए  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की लेखाओं  
का लेखा परीक्षित वार्षिक विवरण



**AUDITED ANNUAL STATEMENT OF ACCOUNTS  
OF THE  
TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD  
FOR THE YEAR 2013-14**

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र

(राशि रु. में)

कॉर्पस/कैपिटल फंड और दायित्व	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
कॉर्पस / कैपिटल फंड	1	8,22,44,92,488	7,86,01,03,384
रिजर्व और सरप्लस	2	-	-
निर्धारित / इनडॉवमेंट फंड	3	2,64,77,686	89,15,13,945
सुरक्षित ऋण और लेनदारी	4	-	-
असुरक्षित ऋण और लेनदारी	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट दायित्व	6	-	-
वर्तमान दायित्व और प्रावधान	7	1,21,56,953	4,31,15,808
<b>कुल</b>		<b>8,26,31,27,127</b>	<b>8,79,47,33,137</b>
<b>परिसम्पत्तियाँ</b>			
निर्धारित परिसम्पत्तियाँ	8	53,76,574	65,03,199
निर्धारित इनडॉवमेंट फंड में निवेश	9	65,99,000	89,15,13,945
निवेश - अन्य	10	1,86,57,68,670	1,67,75,23,503
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	11	6,38,53,82,883	6,21,91,92,490
विविध खर्च (छूट न दिए जाने अथवा समायोजित न किए जाने की सीमा तक)		-	-
<b>कुल</b>		<b>8,26,31,27,127</b>	<b>8,79,47,33,137</b>
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24	-	-
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	25	-	-

ह./-  
(नीरज केला)  
निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(डा. इंदजीत सिंह)  
सचिव  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(प्रोफ. के विजयराघवन)  
अध्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Balance sheet as on 31st March 2014

Amount in Rupees

<u>Corpus/ Capital Fund And Liabilities</u>	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund	1	8,22,44,92,488	7,86,01,03,384
Reserves and Surplus	2	-	-
Earmarked / Endowment Funds	3	2,64,77,686	89,15,13,945
Secured Loans and Borrowings	4	-	-
Unsecured Loans and Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liabilities	6	-	-
Current Liabilities and Provisions	7	1,21,56,953	4,31,15,808
<b>Total</b>		<b>8,26,31,27,127</b>	<b>8,79,47,33,137</b>
<b>Assets</b>			
Fixed Assets	8	53,76,574	65,03,199
Investments- From Earmarked/ Endowment Funds	9	65,99,000	89,15,13,945
Investments- Others	10	1,86,57,68,670	1,67,75,23,503
Current Assets, Loans, Advances etc.	11	6,38,53,82,883	6,21,91,92,490
Miscellaneous Expenditure (to the extent not written off or adjusted)		-	-
<b>Total</b>		<b>8,26,31,27,127</b>	<b>8,79,47,33,137</b>
Significant Accounting Policies	24	-	-
Contingent Liabilities and Notes on Accounts	25	-	-

sd/-  
(Niraj Kela)  
Director

Technology Development Board

sd/-  
(Dr. Inder Jit Singh)  
Secretary

Technology Development Board

sd/-  
(Prof. K Vijayraghavan)  
Chairperson

Technology Development Board

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का लेखा

(राशि रु. में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
विक्री / सेवाओं से आय	12		
अनुदान / सब्सिडी	13	13,50,00,000	22,50,00,000
फीस / अंशदान	14	-	-
निवेश से आय (ईयरमार्केट/इनडोव में निवेश पर आय)	15	-	-
राजस्व, प्रकाशन आदि से आय	16	5,71,887	3,29,67,486
अर्जित ब्याज	17	40,71,20,048	50,27,42,304
अन्य आय	18	8,51,78,395	1,90,93,864
पूर्ण हो चुकी और चल रही मदों में वृद्धि/गिरावट	19		
<b>कुल (क)</b>		<b>62,78,70,330</b>	<b>77,98,03,654</b>
<b>व्यय</b>			
स्थापना व्यय	20	1,45,34,095	1,41,18,524
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	11,11,81,199	25,23,22,515
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि पर व्यय	22	10,50,00,000	16,25,00,000
ब्याज	23	-	-
मूल्यहास (अनुसूची 8 के तदनुसार वर्ष के अंत तक सकल योग)		15,30,333	7,22,582
<b>कुल (ख)</b>		<b>23,22,45,627</b>	<b>42,96,63,621</b>
<b>व्यय पर आय में अधिकता (क-ख)</b>		<b>39,56,27,703</b>	<b>35,01,40,033</b>
पहले की अवधि का समायोजन		(3,12,35,599)	38,09,34,050
जनरल रिजर्व में स्थानांतरण		-	-
<b>कॉरपस फंड में दिया गया अतिरिक्त शेष</b>		<b>36,43,89,104</b>	<b>73,10,74,083</b>
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	24		
आकस्मिक दायित्व और लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

ह./-  
(नीरज केला)  
निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(डा. इंद्रजीत सिंह)  
सचिव  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(प्रोफ. के. विजयराघवन)  
अध्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Income and expenditure accounts for the year ended 31<sup>st</sup> march, 2014

(Amount in Rupees)

<u>Income</u>	Schedule	Current Year	Previous Year
Income from Sales/ Services	12		
Grants / Subsidies	13	13,50,00,000	22,50,00,000
Fees/ Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Invest. from earmarked/endow.)	15	-	-
Income from Royalty, Publication etc.	16	5,71,887	3,29,67,486
Interest Earned	17	40,71,20,048	50,27,42,304
Other Income	18	8,51,78,395	1,90,93,864
Increase / (decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19		
<b>Total (a)</b>		<b>62,78,70,330</b>	<b>77,98,03,654</b>
<u>Expenditure</u>			
Establishment Expenses	20	1,45,34,095	1,41,18,524
Other Administrative Expenses etc.	21	11,11,81,199	25,23,22,515
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	10,50,00,000	16,25,00,000
Interest	23	-	-
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedule -8)		15,30,333	7,22,582
<b>Total (b)</b>		<b>23,22,45,627</b>	<b>42,96,63,621</b>
<b>Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)</b>		<b>39,56,27,703</b>	<b>35,01,40,033</b>
Prior Period Adjustments		(3,12,35,599)	38,09,34,050
Transfer to General Reserve		-	-
<b>Balance being surplus carried to corpus fund</b>		<b>36,43,89,104</b>	<b>73,10,74,083</b>
Significant Accounting Policies	24		
Contingent Liabilities and Notes on Accounts	25		

sd/-  
(Niraj Keta)  
Director  
Technology Development Board

sd/-  
(Dr. Inder Jit Singh)  
Secretary  
Technology Development Board

sd/-  
(Prof. K Vijayraghavan)  
Chairperson  
Technology Development Board

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का लेखा

(राशि रु. में)

प्राप्तियाँ		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
<b>आरंभिक शेष</b>			
	लघु अवधि जमा में निवेश	54,75,00,000	1,00,00,00,000
	सुलभ नकद	38,378	97,126
	बैंक में नकद	21,05,74,406	8,20,49,756
	पलेक्सी अकाउंट	79,33,110	73,32,604
<b>प्रौद्योगिकी विकास एवं आवेदन के लिए फंड</b>			
i)	टी डी फंड	13,50,00,000	22,50,00,000
ii)	लघु अवधि जमा पर ब्याज	3,90,15,658	9,64,69,695
iii)	ऋण पर ब्याज	13,06,26,714	12,29,50,965
iv)	राजस्व पर ब्याज	20,16,755	19,44,275
v)	अनुदान पर ब्याज	17,44,887	11,55,516
vi)	ऋण की अदायगी	27,62,50,193	39,77,86,917
vii)	राजस्व	5,71,887	22,16,468
viii)	दान	-	-
ix)	आईसीबीआई के वीसीएफ का स्थानांतरण	-	-
x)	कर्मचारियों को अग्रिम	-	94,100
xi)	विविध प्राप्तियाँ	1,26,044	73,867
xii)	सिक्यूरिटी जमा प्राप्ति / अग्रिम	-	12,41,270
xiii)	स्त्रोत पर आयकर वसूली की कटौती	-	4,43,118
xiv)	वेतन से वसूली	6,74,798	6,63,671
xv)	पीआईटीए	-	765
xvi)	यूटीआई - एसेन्ट इंडिया फंड एवं आईटीवीयूएस	3,85,89,586	2,74,11,203
xvii)	आरबीसीएफ	36,28,979	2,75,038
xviii)	लाभांश	15,76,576	1,19,262
xix)	वेंचर इस्ट टीमेंट फंड	84,84,088	18,60,309
xx)	अन्य प्राप्तियाँ (वेंचर फंड से लाभ एवं आय)	8,34,75,775	1,89,00,735
xxi)	गैर-समायोजित वसूली	(3,09,68,285)	1,14,76,011
xxii)	अर्नस्ट मनी डिपोजिट	1,00,000	-
xxiii)	डीएफआईडी - इन्वेंट	1,98,78,686	-
<b>कुल (ख)</b>		<b>1,47,68,38,235</b>	<b>1,99,95,62,671</b>

ह./-  
(नीरज केला)  
निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(डा. इंदजीत सिंह)  
सचिव  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(प्रोफ. के विजयराघवन)  
अध्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड



**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**Receipts and payments accounts for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

Amount in Rupees

Receipts		Current Year	Previous Year
<b>Opening Balance :</b>			
	Investment in short term deposits	54,75,00,000	1,00,00,00,000
	Cash in hand	38,378	97,126
	Cash at bank	21,05,74,406	8,20,49,756
	Flexi Account	79,33,110	73,32,604
<b>Fund for Technology Development &amp; Application</b>			
i)	TD Fund	13,50,00,000	22,50,00,000
ii)	Interest on short term deposits	3,90,15,658	9,64,69,695
iii)	Interest on loans	13,06,26,714	12,29,50,965
iv)	Interest on royalty	20,16,755	19,44,275
v)	Interest on grants	17,44,887	11,55,516
vi)	Repayment of loans	27,62,50,193	39,77,86,917
vii)	Royalty	5,71,887	22,16,468
viii)	Donations	-	-
ix)	Transfer from VCF of IDBI	-	-
x)	Advance to staff members	-	94,100
xi)	Miscellaneous receipts	1,26,044	73,867
xii)	Security Deposit Received / Advance	-	12,41,270
xiii)	Recoveries towards Income Tax deducted at source	-	4,43,118
xiv)	Recoveries from salaries	6,74,798	6,63,671
xv)	GITA	-	765
xvi)	UTI_Ascent India Fund & ITVUS	3,85,89,586	2,74,11,203
xvii)	RVCF	36,28,979	2,75,038
xviii)	Dividend	15,76,576	1,19,262
xix)	Venture East Tenet Fund	84,84,088	18,60,309
xx)	Other Receipt (Income & Profit from venture fund)	8,34,75,775	1,89,00,735
xxi)	Recoveries pending adjustment	(3,09,68,285)	1,14,76,011
xxii)	Earnest money deposit	1,00,000	
xxiii)	DFID - INVENT	1,98,78,686	
<b>Total</b>		<b>1,47,68,38,235</b>	<b>1,99,95,62,671</b>

sd/-  
(Niraj Kela)  
Director

Technology Development Board

sd/-  
(Dr. Inderjit Singh)  
Secretary

Technology Development Board

sd/-  
(Prof. K Vijayraghavan)  
Chairperson

Technology Development Board

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान

(राशि रु. में)

भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
<b>स्थापना व्यय</b>		
i) वेतन	1,32,23,248	1,35,83,689
ii) मजदूरी		
iii) यात्रा व्यय (घरेलू)	28,69,747	37,34,402
iv) यात्रा व्यय (विदेश)	2,65,820	46,314
v) पारिश्रमिक	25,450	21,000
vi) समयोपरि भत्ता	8,229	9,365
vii) चिकित्सा व्यय	2,74,037	60,830
viii) प्रतिनिधित्व के लिए पेंशन अंशदान	6,93,328	1,92,453
ix) बर्दी एवं लिक्विड		
<b>कार्यालय व्यय</b>		
i) टेलीफोन / टेलेक्स	8,78,078	4,04,396
ii) डाक टिकट	1,52,239	1,02,131
iii) पेट्रोल, रेल, लूब्रीकेंट्स	91,304	88,383
iv) नरमता एवं रख-रखाव	3,57,370	4,04,543
v) उपभोग्य स्टोर्स एवं छापाई	21,58,150	6,54,434
vi) समाचार पत्र एवं पत्रिका	18,222	8,649
vii) मनोरंजन एवं अतिथि सात्कार	79,560	1,52,767
viii) बैठकों पर व्यय	10,00,095	31,52,873
ix) विज्ञापन एवं प्रचार	32,99,439	11,44,341
x) प्रौद्योगिकी दिवस व्यय	39,98,344	8,33,169
xi) विविध व्यय	33,15,553	19,29,838
xii) राष्ट्रीय पुरस्कार	30,00,000	20,00,000
xiii) पुस्तकालय किताबें एवं जर्नल्स	1,650	10,420
xiv) विधि प्रचार	43,37,906	20,25,350
xv) परिसम्पत्ति प्रबंधन प्रचार	2,13,89,008	3,56,17,481
xvi) लेखा परीक्षा शुल्क	37,255	-
xvii) कर्मचारियों को अग्रिम	(2,000)	-
xviii) बसुली योग्य राशि	10,46,201	-
xix) विशेषज्ञों को टी.ए. / डी.ए.	12,81,457	19,86,983
xx) विशेषज्ञों को पारिश्रमिक	14,29,000	15,14,500
<b>मौजूदा परिसंपत्तियों / वास्तुओं में परिवर्तन</b>		
i) विविध सेवदारों को भुगतान		50,576



**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**Receipts and payments accounts for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

Payments		Amount in Rupees	
		Current year	Previous year
<b>Establishment expenses</b>			
i)	Salaries	1,32,23,248	1,35,83,689
ii)	Wages		
iii)	Travel Expenses (Domestic)	28,69,747	37,34,402
iv)	Travel Expenses (Abroad)	2,65,820	46,314
v)	Honorarium	25,450	21,000
vi)	Over Time Allowance	8,229	9,365
vii)	Medical Expenses	2,74,037	60,830
viii)	Pension Contribution for Deputationists	6,93,328	1,92,453
ix)	Liveries & Uniform		
<b>Office expenses</b>			
i)	Telephone / Telex	8,78,078	4,04,396
ii)	Postage stamps	1,52,239	1,02,131
iii)	Petrol, Oil, Lubricants	91,304	88,383
iv)	Repairs & Maintenance	3,57,370	4,04,543
v)	Consumable Stores & Printing	21,58,150	6,54,434
vi)	Newspapers & Magazines	18,222	8,649
vii)	Entertainment & Hospitality	79,560	1,52,767
viii)	Meeting Expenses	10,00,095	31,52,873
ix)	Advertisement & Publicity	32,99,439	11,44,341
x)	Technology Day Expenditure	39,98,344	8,33,169
xi)	Miscellaneous Expenses	33,15,553	19,29,838
xii)	National Award	30,00,000	20,00,000
xiii)	Library Books & Journals	1,650	10,420
xiv)	Legal Charges	43,37,906	20,25,350
xv)	Asset Management Charges	2,13,89,008	3,56,17,481
xvi)	Audit Fee	37,255	-
xvii)	Advance to staff members	(2,000)	-
xviii)	Amount recoverable	10,46,201	-
xix)	TA / DA to Experts	12,81,457	19,86,983
xx)	Honorarium Experts	14,29,000	15,14,500
<b>Change in current assets / liabilities</b>			
i)	Payment to Sundry Creditors		50,576

बोर्ड व्यय			
i)	सदस्यों का टी.ए. / डी.ए.	24,089	1,576
ii)	बोर्ड की बैठक का व्यय	91,922	95,561
iii)	विशेषज्ञों का शुल्क	15,000	17,500
पूँजीगत व्यय			
i)	उपकरण / संपकरण / मशीनरी	9,39,811	12,35,958
ii)	फर्नीचर एवं फिक्सचर	7,75,300	-
iii)	वाहन	-	-
iv)	स्रोत से आयकर कटौती का प्रेषण	4,43,118	1,25,672
v)	अन्य विभागों से रिकवरी का प्रेषण	6,74,798	6,63,671
vi)	टीडीएस पर ब्याज	7,34,300	31,743
टी डी एक से वितरण			
i)	ऋण	58,79,50,000	61,64,00,000
ii)	अनुदान	10,50,00,000	16,25,00,000
	ख) अन्य एजेंसियां		
iii)	इन्विटी		65,00,000
iv)	आईटीवीयूएस (यूटीआई)	-	-
v)	एसेन्ट इन्डिया फंड (यूटीआईवीएफएन)	-	-
vi)	एपीआईडीसी वेंचर कैपिटल फंड	-	-
vii)	वेंचर इंस्ट टीनेट फंड II	2,22,77,000	54,03,000
viii)	जीवीएफएल वेंचर फंड	63,75,000	2,73,75,000
ix)	आरवीसीएफ	-	4,50,00,000
x)	जीआईटीए	2,40,20,000	1,44,11,765
xi)	एसआईडीबीआई वीसीएफ	2,45,36,284	2,29,80,359
xii)	सीफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड	6,18,25,759	11,40,46,085
xiii)	मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड	10,30,00,000	9,70,00,000
xiv)	आईवीकेप वेंचर ट्रस्ट फंड-1	5,00,00,000	5,00,00,000
xv)	इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल एनर्जी (सीआईआईई)	59,13,777	
अंतरोध			
i)	सुलन गकद	97,734	38,378
ii)	बैंक में लघु अवधि जमा	30,95,00,000	54,75,00,000
iii)	बचत खाता में	8,75,36,967	21,05,74,406
iv)	फ्लेक्सी खाता में		79,33,110
v)	डीएफआईडी - इन्वेंट	1,98,78,686	
	कुल	1,47,68,38,235	1,99,95,62,671

ह./-  
(नीरज कोला)  
निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(डा. इंद्रजीत सिंह)  
सचिव  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(प्रोफ. के विजयराघवन)  
अध्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड



Board expenses			
i)	TA / DA to Members	24,089	1,576
ii)	Board Meeting Expenses	91,922	95,561
iii)	Fee to Board Members	15,000	17,500
Capital expenditure			
i)	Equipment / Apparatus / Machinery	9,39,811	12,35,958
ii)	Furniture & Fixtures	7,75,300	-
iii)	Vehicle	-	-
iv)	Remittance of Income Tax deducted at source	4,43,118	1,25,672
v)	Remittance of recoveries to other depts.	6,74,798	6,63,671
vi)	Interest on TDS	7,34,300	31,743
Disbursements from TDF			
i)	Loans	58,79,50,000	61,64,00,000
ii)	Grants	10,50,00,000	16,25,00,000
	(b) Other Agencies		
iii)	Equity		65,00,000
iv)	ITVUS (UTI)	-	-
v)	Ascent India Fund (UTI VFM)	-	-
vi)	APIDC Venture Capital Fund	-	-
vii)	Ventureast TeNet Fund II	2,22,77,000	54,03,000
viii)	GVFL Venture Fund	63,75,000	2,73,75,000
ix)	RVCF	-	4,50,00,000
x)	GITA	2,40,20,000	1,44,11,765
xi)	SIDBI VCF	2,45,36,284	2,29,80,359
xii)	SEAF India Agribusiness Fund	6,18,25,759	11,40,46,085
xiii)	Multi Sector Seed Capital Fund	10,30,00,000	9,70,00,000
xiv)	IvyCap Venture Trust Fund-I	5,00,00,000	5,00,00,000
xv)	Indian Fund for Sustainable Energy (CIIE)	59,13,777	
Closing balance			
i)	Cash in hand	97,734	38,378
ii)	Short term deposits with banks	30,95,00,000	54,75,00,000
iii)	In Saving Account	8,75,36,967	21,05,74,406
iv)	In Flexi Account		79,33,110
v)	DFID - INVENT	1,98,78,686	
<b>Total</b>		<b>1,47,68,38,235</b>	<b>1,99,95,62,671</b>

sd/-  
(Niraj Kela)  
Director  
Technology Development Board

sd/-  
(Dr. Inderjit Singh)  
Secretary  
Technology Development Board

sd/-  
(Prof. K Vijayraghavan)  
Chairperson  
Technology Development Board

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

अनुसूची 1-कॉरपस/कैपिटल फंड	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	7,86,01,03,384		7,12,90,29,301	
जमा: कॉरपस / कैपिटल फंड में अंशदान	-		-	
जमा: आय और व्यय लेखे से स्थानांतरित सकल आय का शेष	36,43,89,104		73,10,74,083	
		8,22,44,92,488		7,86,01,03,384
वर्ष के अंत में शेष		8,22,44,92,488		7,86,01,03,384

अनुसूची 2-रिजर्व और आपूर्ति	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
1. कैपिटल रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
2. पूनर्मुल्यांकन रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
3. विशेष रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
4. सामान्य रिजर्व:				
पिछले एकाउंट के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
घटा: वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
कुल				



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of balance sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amounts in Rupees)

Schedule 1- corpus/capital fund :	Current year		Previous year	
Balance as at the beginning of the year	7,86,01,03,384		7,12,90,29,301	
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	-		-	
Add : Balance of net income transferred from the Income and Expenditure Account	36,43,89,104		73,10,74,083	
		8,22,44,92,488		7,86,01,03,384
<b>Balance as at the year- end</b>		<b>8,22,44,92,488</b>		<b>7,86,01,03,384</b>

Schedule 2- reserves and surplus:	Current year		Previous year	
1. Capital Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
2. Revaluation Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
3. Special Reserves:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
4. General Reserve:				
As per last Account	-	-	-	-
Addition during the year	-	-	-	-
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
<b>Total</b>				

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 3-निर्धारित/इनडोवमें फंड	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
दायित्व				
अ. आईडीबीआई का वीसीएफ				
1) भारत सरकार से आई डी बी आई द्वारा प्राप्त अंशदान निवेश से आय		28,84,00,000		28,84,00,000
क) ब्याज	13,08,52,144		13,08,52,144	
ख) राजस्व	5,51,97,900		5,51,97,900	
ग) लाभांश	86,23,794		83,05,794	
घ) उपार्जित आय	2,39,03,76,810		2,47,83,65,039	
ड) लम्बित प्राप्तियाँ	-		-	
	<b>2,58,50,50,648</b>		<b>2,67,27,20,877</b>	
घटा : टीडीबी को दी गई राशि	21,25,00,000		21,25,00,000	
	<b>2,37,25,50,648</b>		<b>2,46,02,20,877</b>	
घटा : पूर्व में बसूली गई राजस्व	1,12,50,000		1,12,50,000	
	<b>23,61,30,0648</b>		<b>2,44,89,70,877</b>	
घटा : माफ किया गया ऋण	4,36,36,450		4,03,58,387	
घटा : निवेश की बिक्री से घटा	26,76,250		36,76,250	
	<b>2,31,49,87,948</b>		<b>2,40,49,36,240</b>	
घटा : ऋण पर किया गया प्रावधान	82,64,0484			
घटा : ब्याज एवं एफआईएलडी पर किये गये प्रावधान	2,39,03,76,810		1,68,50,02,439	
घटा : लेखा शुल्क एवं अन्य व्यय	17,60,553			
घटा : आईडीबीआई को प्रदान किया गया प्रबंधन शुल्क	12,23,80,000		11,54,20,000	
घटा : निवेश के मूल्य में कमी	26,26,000	(28,47,95,899)	17,17,856	
टीडीबी से प्राप्त राशि		<b>29,94,899</b>		<b>60,31,13,945</b>
		<b>65,99,000</b>		<b>89,15,13,945</b>
प्रौद्योगिकी कोष के लिए अभिनव उपकम ख. (इन्वेंट) - डीएफआईडी		<b>1,98,78,686</b>		
<b>कुल</b>		<b>2,64,77,686</b>		<b>89,15,13,945</b>



**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**Schedule forming part of balance sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

Schedule 3- earmarked/endowment funds	Current Year		Previous Year	
<b>Liabilities</b>				
A. VCF of IDBI				
1) Contribution received by IDBI from Government of India		28,84,00,000		28,84,00,000
<i>Income from Investment</i>				
a. Interest	13,08,52,144		13,08,52,144	
b. Royalty	5,51,97,900		5,51,97,900	
c. Dividend	86,23,794		83,05,794	
d. Accrued income Less waivers	2,39,03,76,810		2,47,83,65,039	
e. Receipt pending appropriation	-		-	
	<b>2,58,50,50,648</b>		<b>2,67,27,20,877</b>	
Less : Amount transferred to TDB	21,25,00,000		21,25,00,000	
	<b>2,37,25,50,648</b>		<b>2,46,02,20,877</b>	
Less: Excess Royalty recd. earlier	1,12,50,000		1,12,50,000	
	<b>23,61,30,0648</b>		<b>2,44,89,70,877</b>	
Less : Loans provided / written off	4,36,36,450		4,03,58,387	
Less : Loss on sale of Investment	26,76,250		36,76,250	
	<b>2,31,49,87,948</b>		<b>2,40,49,36,240</b>	
Less : Provision on loan	82,64,0484			
Less : Provision made on interest & FILD	2,39,03,76,810		1,68,50,02,439	
Less: Audit Fees & other Expenses	17,60,553			
Less : Paid to IDBI towards Management fees	12,23,80,000		11,54,20,000	
Less: Diminution in value of investment	26,26,000	(28,47,95,899)	17,17,856	
Amount receivable from TDB		<b>29,94,899</b>		<b>60,31,13,945</b>
		<b>65,99,000</b>		<b>89,15,13,945</b>
Innovative Ventures for Technology Development				
B. (INVENT) - DFID		1,98,78,686		
<b>Total</b>		<b>2,64,77,686</b>		<b>89,15,13,945</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 4-प्रतिभूत ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) आवधिक ऋण				
ख) प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण				
- प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण				
- प्राप्त ब्याज और देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-
<b>कुल</b>	-	-	-	-

टिप्पणी : वर्ष के भीतर देय राशि

(राशि रु. में)

अनुसूची 5-अप्रतिभूत ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-	-	-
4. बैंक :				
क) आवधिक ऋण	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-
7. अचल जमा	-	-	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
<b>कुल</b>	-	-	-	-

टिप्पणी : वर्ष के भीतर देय राशि



**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**Schedule forming part of balance sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

Schedule 4- secured loans and borrowings:	Current Year		Previous Year	
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)	-	-	-	-
3. Financial Institutions				
a) Term Loans				
b) Interest accrued and due	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Term Loans				
- Interest accrued and due	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)				
- Interest accrued and due	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
<b>Total</b>	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

(Amount in Rupees)

Schedule 5- unsecured loans and borrowings	Current Year		Previous Year	
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)				
3. Financial Institutions	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
7. Fixed Deposits	-	-	-	-
8. Others (Specify)	-	-	-	-
<b>Total</b>	-	-	-	-

Note: Amounts due within one year

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 8-आस्थागित ऋण एवं देयताएं	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
क. कैपिटल उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों के ऋण भार द्वारा सुरक्षित सहमति	-	-	-	-
ख. अन्य				
<b>कुल</b>				

टिप्पणी : वर्ष के भीतर देय राशि

(राशि रु. में)

अनुसूची 7-चालू देयताएं एवं प्रावधान	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
क. चालू देयताएं				
1. सहमति	-	-	-	-
2. विविध लेनदार				
क) माल के लिए				
ख) अन्य	1,00,000	1,00,000		-
3. प्राप्त प्रतिभूत		50,000		50,000
4. ब्याज प्राप्ति लेकिन इनपर देय नहीं:				
क) प्रतिभूत ऋण / उधार				
ख) अप्रतिभूत ऋण / उधार	-	-	-	-
5. सांख्यिक देयताएं				
क) अतिदेय	-			4,43,118
ख) अन्य				
6. अन्य चालू देयताएं				
क) प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	6,54,863			3,94,965
ख) लेखा परीक्षा शुल्क	2,02,745			1,60,000
ग) पिछला समायोजन	1,05,07,726	1,13,65,334		4,14,76,011
<b>कुल (क)</b>		<b>1,15,15,334</b>		<b>4,25,24,094</b>
ख. प्रावधान				
1. टैक्स के लिए				
2. ग्रेज्यूटी		6,41,619		5,91,714
3. अशिक्षिता / पेंशन				
4. एकत्रित अवकाश का नकदीकरण				
5. ट्रेड वारंटीज / दावे				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
<b>कुल (ख)</b>		<b>6,41,619</b>		<b>5,91,714</b>
<b>कुल (क + ख)</b>		<b>1,21,56,953</b>		<b>4,31,15,808</b>



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of balance sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

Schedule 6- deferred credit liabilities	Current Year		Previous Year	
a. Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b. Other				
<b>Total</b>				

Note: Amounts due within one year

(Amount in Rupees)

Schedule 7- current liabilities and provisions	Current Year		Previous Year	
<b>A. Current liabilities</b>				
1. Acceptances	-	-	-	-
2. Sundry Creditors				
a) For Goods				
b) Others	1,00,000	1,00,000		-
3. Security Received		50,000		50,000
4. Interest accrued but not due on :				
a) Secured Loans /borrowings				
b) Unsecured Loans/borrowings	-	-	-	-
5. Statutory Liabilities				
a) Overdue	-			4,43,118
b) Others				
6. Other current Liabilities				
a) Pension contribution for deputations	6,54,863			3,94,965
b) Audit fee payable	2,02,745			1,60,000
c) Pending Adjustment	1,05,07,726	1,13,65,334		4,14,76,011
<b>Total (A)</b>		<b>1,15,15,334</b>		<b>4,25,24,094</b>
<b>B. Provisions</b>				
1. For Taxation				
2. Gratuity		6,41,619		5,91,714
3. Superannuation/Pension				
4. Accumulated Leave Encashment				
5. Trade Warranties/Claims				
6. Others (Specify)				
<b>Total (B)</b>		<b>6,41,619</b>		<b>5,91,714</b>
<b>Total (A+B)</b>		<b>1,21,56,953</b>		<b>4,31,15,808</b>

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

विवरण	वर्ष के आरंभ में अधिका / घुटाका			वर्ष के दौरान जोड़े गए			वर्ष के उतारक अधिका / घुटाका			तुलनात्मक			विवरण वार्षिक		
	वर्ष के आरंभ में अधिका / घुटाका	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के उतारक अधिका / घुटाका	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के उतारक अधिका / घुटाका	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के उतारक अधिका / घुटाका	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान जोड़े गए	वर्ष के उतारक अधिका / घुटाका	विवरण वार्षिक
क. स्वामी परिसम्पत्ति															
1. जमीन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. विविध	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. फीसिल्ड जमीन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. जीएसटीक जमीन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5. स्वामित्वकारी मॉडर / पारिवा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6. जमीन पर अधिपत्य अधिकार को संशुद्ध नहीं	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7. खास एवं सौजन्यी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8. वाहन	3,80,081	-	3,80,081	-	-	-	3,80,081	2,14,908	24,762	-	-	2,14,908	2,39,760	1,40,321	1,65,683
9. मशीन / विन्यास	35,76,136	7,75,300	27,42,335	16,09,101	-	-	19,93,368	1,77,973	1,77,973	10,30,764	-	11,40,577	11,40,577	16,01,758	15,82,768
10. कार्यालय उपकरण	51,45,601	1,73,411	50,59,075	2,59,937	-	-	20,30,612	4,65,282	4,65,282	1,13,236	-	23,82,658	23,82,658	26,76,417	31,14,989
11. कम्प्यूटर / पेरिफेरल	27,36,394	7,66,400	24,52,722	10,50,072	-	-	10,96,035	8,62,316	8,62,316	4,63,707	-	14,94,644	14,94,644	9,58,078	16,40,359
12. इलेक्ट्रिकल अधिपत्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13. पुस्तकालय की किताबें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14. टूलबैग और वाटर सप्लाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
15. अन्य अल्प परिसम्पत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>घातु, वर्ष में जोड़ा</b>	<b>1,18,38,212</b>	<b>17,15,111</b>	<b>1,96,34,213</b>	<b>29,19,110</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>53,35,013</b>	<b>15,30,333</b>	<b>15,30,333</b>	<b>16,07,707</b>	<b>-</b>	<b>52,57,639</b>	<b>52,57,639</b>	<b>53,76,574</b>	<b>65,03,199</b>
<b>घ. कटौतियल घात राशि कार्य</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
<b>कुल</b>	<b>1,18,38,212</b>	<b>17,15,111</b>	<b>1,96,34,213</b>	<b>29,19,110</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>53,35,013</b>	<b>15,30,333</b>	<b>15,30,333</b>	<b>16,07,707</b>	<b>-</b>	<b>52,57,639</b>	<b>52,57,639</b>	<b>53,76,574</b>	<b>65,03,199</b>
(तुलनात्मक को शामिल करने हुए किताब पर दिए गए परिसम्पत्तियों की तुलना पर ही जाने वाली विवरणियां)															
<b>विवरण वर्ष</b>	<b>1,11,13,429</b>	<b>12,47,958</b>	<b>1,18,34,212</b>	<b>8,23,175</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>48,57,570</b>	<b>7,22,582</b>	<b>7,22,582</b>	<b>2,45,139</b>	<b>-</b>	<b>53,35,013</b>	<b>53,35,013</b>	<b>65,03,199</b>	<b>-</b>



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of balance sheet as on 31<sup>st</sup> march, 2014

(Amount in Rupees)

Description	Gross block			Depreciation			Net block			
	Cost/valuation at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/valuation at the year-end	As at the beginning of the year	On Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year-end	As at the Current year-end	As at the Previous year-end
<b>A. Fixed assets:</b>										
1. Land:										
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. Building:										
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
b) On Leasehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
c) Ownership Flats/ Premises	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
d) Superstructures on Land not belonging to the entity	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. Plant/machinery & equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. Vehicles	3,80,081	-	-	3,80,081	2,14,998	24,762	-	2,39,760	1,40,321	1,65,083
5. Furniture, fixtures	35,76,136	7,75,300	16,09,101	27,42,335	19,93,368	1,77,973	10,30,764	11,40,577	16,01,758	15,82,768
6. Office equipment	51,45,601	1,73,411	2,99,937	50,59,075	20,30,612	4,65,282	1,13,236	23,82,658	26,76,417	31,14,989
7. Computer/ peripherals	27,36,394	7,66,400	10,50,072	24,52,722	10,96,035	8,62,316	4,63,707	14,94,644	9,58,078	16,40,359
8. Electric installations	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. Library books	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. Tools & w. Supply	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. Other fixed assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>Total of current year</b>	<b>1,18,38,212</b>	<b>17,15,111</b>	<b>29,18,110</b>	<b>1,06,34,213</b>	<b>53,35,013</b>	<b>15,30,333</b>	<b>16,07,707</b>	<b>52,57,639</b>	<b>53,76,574</b>	<b>65,03,199</b>
<b>B. Current work-in-progress</b>										
<b>Total</b>	<b>1,18,38,212</b>	<b>17,15,111</b>	<b>29,18,110</b>	<b>1,06,34,213</b>	<b>53,35,013</b>	<b>15,30,333</b>	<b>16,07,707</b>	<b>52,57,639</b>	<b>53,76,574</b>	<b>65,03,199</b>
(Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above)										
<b>Previous year</b>	<b>1,11,13,429</b>	<b>12,47,958</b>	<b>5,21,175</b>	<b>1,18,38,212</b>	<b>48,57,570</b>	<b>7,22,562</b>	<b>2,45,139</b>	<b>53,25,013</b>	<b>65,03,199</b>	

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 9-निर्धारित/इनडोवमेंट फंडों से निवेश	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-		-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-		-
3. शेयर	-		-
4. डिबेंचर्स और बॉन्ड्स	-		-
5. सखिडियरिज एवं संयुक्त उद्यम	-		-
6. आई डी बी आई का वीसीएफ (परिसम्पत्ति)	-		-
<b>निवेश</b>			
(1) ऋण	8,26,40,484	-	8,98,30,840
घटा : प्रावधान	8,26,40,484		(19,12,293)
(2) इक्विटी	92,25,000		1,02,25,000
घटा : मूल्य में कमी	26,26,000	65,99,000	
<b>वसूली योग्य</b>			
(1) ब्याज	29,97,69,021		31,85,09,559
(2) एफआईएलडी	2,09,06,07,789		2,15,98,55,480
	<b>2,39,03,76,810</b>		
घटा : प्रावधान	2,39,03,76,810	-	(1,68,50,02,439)
आईडीबीआई के साथ नकद			7,798
<b>कुल</b>		<b>65,99,000</b>	<b>89,15,13,945</b>



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of balance sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

Schedule 9 - investments from earmarked/ endowment funds	Current Year		Previous Year
1. In Government Securities	-		-
2. Other approved Securities	-		-
3. Shares	-		-
4. Debentures and Bonds	-		-
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-		-
6. VCF of IDBI ( Assets)	-		-
<b>Investment</b>			
(i) Loan	8,26,40,484	-	8,98,30,840
Less: Provisions	8,26,40,484		(19,12,293)
(ii) Equity	92,25,000		1,02,25,000
Less: Diminution in value of	26,26,000	65,99,000	
<b>Receivables</b>			
(i) Interest	29,97,69,021		31,85,09,559
(ii) FILD	2,09,06,07,789		2,15,98,55,480
	<b>2,39,03,76,810</b>		
Less: Provisions	2,39,03,76,810	-	(1,68,50,02,439)
Cash & Bank Balance			7,798
<b>Total</b>		<b>65,99,000</b>	<b>89,15,13,945</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

अनुसूची 10-निवेश-अन्य	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में			
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां			
3. शेयर - इक्विटी भागीदारी	28,46,72,726	28,46,72,726	34,36,72,726
4. डिबेंचर्स और बॉन्ड्स			
5. सहायक उद्यम एवं संयुक्त उद्यम			
6. वेन्चर फंड			
क) यूटीआई आईटीवीयूएस	25,00,000		
घटा : विमोचन	(25,00,000)	-	25,00,000
ख) यूटीआई एसेंट इंडिया फंड	33,53,61,684		
घटा : विमोचन	(3,60,89,586)	29,92,72,098	33,53,61,684
ग) एपीआईडीसी वेन्चर फंड		30,00,00,000	30,00,00,000
घ) वेन्चर ईस्ट टीनेट फंड	11,77,41,891		
जमा : वितरण	2,22,77,000		
घटा : विमोचन	(84,84,088)	13,15,34,803	11,77,41,891
ङ) जीवीएफएल	14,36,25,000		14,36,25,000
जमा : वितरण	63,75,000	15,00,00,000	
च) आरबीसीएफ	12,12,84,758		
जमा : वितरण	-		
घटा : विमोचन	(36,28,979)	11,76,55,779	12,12,84,758
छ) एसआईडीबीआई वीसीएफ	3,29,80,359		
जमा : वितरण	2,45,36,284	5,75,16,643	3,29,80,359
ज) आईपीकोप वेन्चर ट्रस्ट फंड-1	5,00,00,000		
जमा : वितरण	5,00,00,000	10,00,00,000	5,00,00,000
झ) मल्टी सेक्टर सीड कैपिटलफंड	9,70,00,000		
जमा : वितरण	10,30,00,000	20,00,00,000	9,70,00,000
ञ) सीफ इंडिया एग्जिजिनेस फंड	11,40,46,085		
जमा : वितरण	6,18,25,759	17,58,71,844	11,40,46,085
ट) इडिब्लु फंड फॉर सस्टेनेबल एनर्जी (सीआईआई)		59,13,777	
7. जीआईटीए	1,93,11,000		
जमा : वितरण	2,40,20,000	4,33,31,000	1,93,11,000
		1,58,10,95,944	
<b>कुल</b>		<b>1,86,57,68,670</b>	<b>1,67,75,23,503</b>



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of balance sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

Schedule 10 - investments - others		Current Year		Previous Year
1. In Government Securities				
2. Other approved Securities				
3. Shares-Equity participation		28,46,72,726	28,46,72,726	34,36,72,726
4. Debentures and Bonds				
5. Subsidiaries and Joint Ventures				
6. Venture Funds				
a) UTI ITVUS	25,00,000			
Less : Redemption	(25,00,000)	-		25,00,000
b) UTI Ascent India Fund	33,53,61,684			
Less : Redemption	(3,60,89,586)	29,92,72,098		33,53,61,684
c) APIDC Venture Funds		30,00,00,000		30,00,00,000
d) Ventureast TeNet Fund	11,77,41,891			
Add: Disbursement	2,22,77,000			
Less : Redemption	(84,84,088)	13,15,34,803		11,77,41,891
e) GVFL	14,36,25,000			14,36,25,000
Add: Disbursement	63,75,000	15,00,00,000		
f) RVCF	12,12,84,758			
Add: Disbursement	-			
Less: Redemption	(36,28,979)	11,76,55,779		12,12,84,758
h) SIDBI VCF	3,29,80,359			
Add: Disbursement	2,45,36,284	5,75,16,643		3,29,80,359
i) IvyCap Venture Trust Fund-1	5,00,00,000			
Add: Disbursement	5,00,00,000	10,00,00,000		5,00,00,000
j) Multi Sector Seed Capital Fund	9,70,00,000			
Add: Disbursement	10,30,00,000	20,00,00,000		9,70,00,000
k) SEAF India Agribusiness Fund	11,40,46,085			
Add: Disbursement	6,18,25,759	17,58,71,844		11,40,46,085
l) Indian Fund for Sustainable Energy (CIIE)		59,13,777		
7. GITA	1,93,11,000			
Add: Disbursement	2,40,20,000	4,33,31,000		1,93,11,000
			1,58,10,95,944	
<b>Total</b>			<b>1,86,57,68,670</b>	<b>1,67,75,23,503</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलना पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 11-चालू परिसंपत्ति, ऋण, अधिम इत्यादि	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
<b>क. चालू परिसम्पत्ति</b>			
<b>1. सामान्य सूची</b>			
क) स्टोर्स एवं स्पेयर्स			
ख) लूज टूल्स			
ग) स्टॉक इन ट्रेड			
i) समाप्त माल			
ii) चल रहा कार्य			
iii) कच्ची सामग्री	-	-	-
<b>2. विविध देनदार</b>			
क) छः महीनों से अधिक अवधि से लंबित ऋण			
ख) अन्य			-
<b>3. हाथ में नकद शेष (बैंक / ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)</b>	97,734	97,734	38,378
<b>4. बैंक शेष</b>			
क) सूचीगत बैंकों के साथ			
- चालू खाते पर			
- जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	30,95,00,000		54,75,00,000
- बचत खातों पर	8,75,36,967		21,05,74,406
- फ्लैक्सी खातों पर		39,70,36,967	79,33,110
ख) गैर-सूचीगत बैंकों के साथ			
- चालू खाते पर	-		-
- जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	-		-
- बचत खातों पर	-		-
ग) सूचीगत बैंकों के साथ- इन्वेंट, डीएफआईडी खाता		1,98,78,686	
- बचत खातों पर			
<b>5. डाक घर - बचत खाता</b>			
<b>कुल (क)</b>		<b>41,70,13,387</b>	<b>76,60,45,894</b>



**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**Schedule forming part of balance sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

<u>Schedule II- current assets, loans, advances etc.</u>	<u>Current Year</u>		<u>Previous Year</u>
<b>A. Current assets:</b>			
1. <u>Inventories:</u>			
a) Stores and Spares			
b) Loose Tools			
c) Stock-in- trade			
i) Finished Goods			
ii) Work-in-progress			
iii) Raw Material	-	-	-
2. <u>Sundry Debtors</u>			
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months			
b) Others			-
3. <u>Cash balance in hand</u> (including cheques/drafts and imprest)	97,734	97,734	38,378
4. <u>Bank Balances:</u>			
a) <u>With Scheduled Banks:</u>			
- On Current Accounts			
- On Deposit Accounts (includes margin money)	30,95,00,000		54,75,00,000
- On Savings Accounts	8,75,36,967		21,05,74,406
- On Flexi Account		39,70,36,967	79,33,110
b) <u>With non- Scheduled Banks:</u>			
- On Current Accounts	-		-
- On Deposit Accounts	-		-
- On Savings Accounts	-		-
c) <u>With Scheduled Bank – A/c INVENT - DFID</u>		1,98,78,686	
- On Savings Accounts			
5. <u>Post Office- Savings Accounts</u>			
<b>Total (A)</b>		<b>41,70,13,387</b>	<b>76,60,45,894</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 11-चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम इत्यादि (जारी है):	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
<b>ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियां</b>			
1. ऋण			
क) स्टाफ			
ख) अन्य सत्ताएं जो उनसे मिलती जुलती सत्ताओं की गतिविधियों / उद्देश्यों में सम्मिलित			
ग) ऋण : शुरु हुए औद्योगिक इकाईयों को सहायता प्रारंभिक	3,56,98,94,501		3,40,03,96,054
जमा : वर्ष के दौरान	58,79,50,000		62,89,00,000
घटा : ऋण की अदायगी	(27,62,50,193)		(40,77,86,917)
घटा : ऋण का इक्विटी में परिवर्तन			(2,00,00,000)
घटा : ऋण माफी			(2,59,54,000)
घटा : पूर्व अवधि समायोजन	(86,94,462)	3,87,28,99,846	(56,60,636)
2. नकद, अग्रिम एवं अन्य राशि की अथवा वस्तु अथवा उसके कीमत में वसूली			
क) कर्मचारियों को अग्रिम	55,000		57,000
ख) अन्य सरकारी विभागों से वसूली	10,46,201		-
ग) अन्य - प्रतिभूति जमा	1,23,000		1,23,000
घ) अन्य	7,680	12,31,881	7,680
3. प्राप्त आय			
क) निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर			
ख) अन्य निवेश पर	2,58,34,705		1,25,52,232
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	2,06,84,03,064		1,87,05,12,183
घटा : ऋण माफी			
घटा : इक्विटी में परिवर्तन		2,09,42,37,769	
4. वसूलीयोग्य दावा			
<b>कुल (ख)</b>		<b>5,96,83,69,496</b>	<b>5,45,31,46,596</b>
<b>कुल (क + ख)</b>		<b>6,38,53,82,883</b>	<b>6,21,91,92,490</b>



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of balance sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

<u>Schedule 11-current assets, loans, advances etc. (Contd.)</u>	Current Year		Previous Year
<b>B. Loans, advances and other assets:</b>			
1. Loans:			
a) Staff			
b) Other Entities engaged in activities/ objectives similar to that of the entity	-	-	-
c) Loan : Assistance to industrial concerns			
Opening	3,56,98,94,501		3,40,03,96,054
Add: During the year	58,79,50,000		62,89,00,000
Less: Repayment of loan	(27,62,50,193)		(40,77,86,917)
Less: loan converted into equity			(2,00,00,000)
Less: Written Off	-		(2,59,54,000)
Less: Prior Period Adjustment	(86,94,462)	3,87,28,99,846	(56,60,636)
2. <u>Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or of value to be received</u>			
a) Advance to staff members	55,000		57,000
b) Recov. from other Govt. deptts	10,46,201		-
c) Others - Security Deposit	1,23,000		1,23,000
d) Others	7,680	12,31,881	7,680
3. <u>Income Accrued:</u>			
a) On Investments from Earmarked/Endow. Funds			
b) On Investments - Others	2,58,34,705		1,25,52,232
c) On Loans and Advances	2,06,84,03,064		1,87,05,12,183
Less: written off			
Less: Converted into equity		2,09,42,37,769	
4. Claims Receivable		-	-
<b>Total (B)</b>		5,96,83,69,496	5,45,31,46,596
<b>Total (A+B)</b>		6,38,53,82,883	6,21,91,92,490

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 12-बिक्री/सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1. बिक्री से आय			
क) तैयार माल की बिक्री			
ख) कच्चे सामग्री की बिक्री			
ग) कबाड़ की बिक्री			
2. सेवाओं से आय			
क) श्रम एवं संसाधित प्रभार			
ख) व्यावसायित / परामर्शी सेवाएं			
ग) एजेंसी कमीशन और दलाली			
घ) रखरखाव सेवाएं (उपस्कर / संपत्ति)			
ड) अन्य (निर्दिष्ट करें)			
<b>कुल</b>			

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 13-अनुदान/सब्सिडी: (गैर वसूलीयोग्य अनुदान एवं वसूली गई सब्सिडी)	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1) केन्द्र सरकार	13,50,00,000		22,50,00,000
2) राज्य सरकार (रि)			
3) सरकारी एजेंसियां			
4) संस्थान / कल्याण बोर्ड			
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन			
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)			
<b>कुल</b>	<b>13,50,00,000</b>	<b>-</b>	<b>22,50,00,000</b>



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

<u>Schedule 12 - income from sales/services</u>	Current Year		Previous Year
1. Income from Sales			
a) Sales of Finished Goods			
b) Sale of Raw Material			
c) Sale of Scraps	-	-	-
2. Income from Services			
a) Labour and Processing Charges			
b) Professional/Consultancy Services			
c) Agency Commission and Brokerage			
d) Maintenance Services (Equipment/Property)			
e) Others (Specify)			-
<b>Total</b>			

## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

<u>Schedule 13 - grants/subsidies</u> (Irrevocable Grants & Subsidies Received)	Current Year		Previous Year
1) Central Government	13,50,00,000		22,50,00,000
2) State Government (s)			
3) Government Agencies			
4) Institutions / Welfare Bodies			
5) International Organizations			
6) Others (Specify)			
<b>Total</b>	<b>13,50,00,000</b>	-	<b>22,50,00,000</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 14-शुल्क / अंशदान:	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-	-
2) वार्षिक शुल्क / अंशदान	-	-	-
3) सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क	-	-	-
4) परामर्शी शुल्क	-	-	-
<b>कुल</b>	-	-	-

टिप्पणी : प्रत्येक मद की बताई जाने वाली लेखा नीतियों का निर्धारित फंड से निवेश

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 15-निवेश से आय: (फंड में हस्तांतरित किया गया निर्धारित / इनडोवमेंट फंड से निवेश पर आय)	निर्धारित फंड से निवेश		अन्य निवेश
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	वर्तमान वर्ष
1. ब्याज			
क) सरकारी प्रतिभूति पर			
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेन्चर			
2. लाभांश			
क) शेयर पर			
ख) न्यूयूअल फंड प्रतिभूति पर			
3. किरा,	-	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-
<b>कुल</b>			
निर्धारित / इनडोवमेंट फंड में हस्तांतरित			



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

Schedule 14 - fees/subscriptions	Current Year		Previous Year
1) Entrance Fees	-	-	-
2) Annual Fees/Subscriptions			
3) Seminar/Program Fees	-	-	-
4) Consultancy Fees	-	-	-
<b>Total</b>	-	-	-

**Note:** Accounting Policies towards each item are to be disclosed

## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in rupees)

Schedule 15- income from investments (Income on Invest. From Earmarked/ Endowment Funds transferred to Funds)	Investment from Earmarked Fund		Investment - Others
	Current Year	Previous Year	Current Year
1) Interest			
a) On Govt. Securities			
b) Other Bonds/Debentures			
2) Dividends			
a) On Shares			
b) On Mutual Fund Securities			
3) Rents	-	-	-
4) Other (Specify)	-	-	-
<b>Total</b>			
<b>Transferred to earmarked/ endowment funds</b>			

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 16-राजस्व, प्रकाशन इत्यादि से आय	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1) राजस्व से आय		5,71,887	22,16,468
2) उपार्जित राजस्व			-
घटा: राजस्व माफी		-	3,07,51,018
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)			
<b>कुल</b>		<b>5,71,887</b>	<b>3,29,67,486</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 17-अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1. आवधिक जमा पर			
क) सूचीगत बैंकों के साथ	4,67,22,203		7,00,56,885
ख) गैर - सूचीगत बैंकों के साथ	-		
ग) संस्थाओं के साथ	-		
घ) अन्य	-	4,67,22,203	
2. बचत खातों पर			
क) सूचीगत बैंकों के साथ	55,75,928		63,90,596
ख) गैर - सूचीगत बैंकों के साथ	-		
ग) डाक घर बचत खाता	-		
घ) अन्य	-	55,75,928	
3. ऋण पर			
क) कर्मचारी / स्टाफ			
ख) औद्योगिक इकाई को ऋण सहायता		35,10,60,275	42,31,95,032
4. राजस्व पर ब्याज		20,16,755	19,44,275
5. अनुदान पर ब्याज		17,44,887	11,55,516
<b>कुल</b>		<b>40,71,20,048</b>	<b>50,27,42,304</b>

टिप्पणी : खेत पर कर कटौती को दर्शाया गया है।



**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

<b>Schedule 16 – income from royalty, publication etc.</b>	<b>Current Year</b>		<b>Previous Year</b>
1) Income from Royalty		5,71,887	22,16,468
2) Royalty Accrued			-
Less: Royalty written off		-	3,07,51,018
3) Others (Specify)			
<b>Total</b>		<b>5,71,887</b>	<b>3,29,67,486</b>

**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in rupees)

<b>Schedule 17- interest earned</b>	<b>Current Year</b>		<b>Previous Year</b>
1) On Term Deposits:			
a) With Scheduled Banks	4,67,22,203		7,00,56,885
b) With Non- Scheduled Banks	-		
c) With Institutions	-		
d) Others	-	4,67,22,203	
2) On Savings Accounts:			
a) With Scheduled Banks	55,75,928		63,90,596
b) With Non- Scheduled Banks	-		
c) Post Office Savings Accounts	-		
d) Others	-	55,75,928	
3) On Loans:			
a) Employees/Staff			
b) Loans assistance to industrial concerns		35,10,60,275	42,31,95,032
4) Interest on royalty		20,16,755	19,44,275
5) Interest on grants		17,44,887	11,55,516
<b>Total</b>		<b>40,71,20,048</b>	<b>50,27,42,304</b>

**Note** - Tax Deducted as source to be indicated

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 18-अन्य आय	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1. संपत्तियों की बिक्री / निपटान से लाभ क) प्राप्त संपत्ति - यूटीआई की यूनिटें ख) अनुदान से प्राप्त अथवा निःशुल्क प्राप्त संपत्ति	-	-	-
2. यूनिटों के विमोचन से लाभ	8,33,88,542		1,76,06,262
3. लाभांश	15,76,576		1,19,262
4. विविध आय	1,26,044		2,02,267
5. विविध सेवाओं का आय			
6. दान	-		-
7. वेन्चर फंड से आय	87,233		11,66,073
<b>कुल</b>	<b>8,51,78,395</b>		<b>1,90,93,864</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 19-तैयार माल और चल रहे कार्य की वृद्धि/घटाव	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
क) बंद स्टॉक - तैयार माल - चल रहा कार्य	-	-	-
ख) घटा : ओपनिंग स्टॉक - तैयार माल - चल रहा कार्य	-	-	-
<b>निवल वृद्धि / (घटाव) (क - ख)</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>









## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

Schedule 18—other income	Current Year		Previous Year
1) Profit on Sale/disposal of Assets:	-	-	-
a) Owned assets - UTI			
b) Assets acquired out of grants or received free of cost			
2) Profits on redemption of units	8,33,88,542		1,76,06,262
3) Dividend	15,76,576		1,19,262
4) Miscellaneous Income	1,26,044		2,02,267
5) Fees of Miscellaneous Services			
6) Donations	-		-
7) Income from Venture Fund	87,233		11,66,073
<b>Total</b>		<b>8,51,78,395</b>	<b>1,90,93,864</b>

## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

Schedule 19 – increase/(decrease) stock of finished goods & work in progress	Current Year		Previous Year
a) Closing Stock:			
- Finished Goods			
- Work - in - progress	-	-	-
b) Less: Opening Stock			
- Finished Goods			
- Work - in - progress	-	-	-
<b>Net increase / (decrease) [a-b]</b>	-	-	-

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 20-स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
क) वेतन और मजदूरी	1,25,48,450		1,29,20,018
ख) भत्ता और बोनस	8,229		9,365
ग) भविष्य निधि में अंशदान	6,74,798		6,63,671
घ) अन्य फंड में अंशदान			
ङ) कर्मचारी कल्याण खर्च	25,450		21,000
च) कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति और आवधिक लाभों पर व्यय	9,53,226		3,99,806
छ) विकिल्सा प्रभारों की प्रतिपूर्ति	2,74,037		60,830
ज) ग्रेच्यूटी	49,905		43,834
<b>कुल</b>		<b>1,45,34,095</b>	<b>1,41,18,524</b>



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

<u>Schedule 20—establishment expenses</u>	Current Year		Previous Year
a) Salaries and Wages	1,25,48,450		1,29,20,018
b) Allowances and Bonus	8,229		9,365
c) Contribution to Provident Fund	6,74,798		6,63,671
d) Contribution to Other Fund			
e) Staff Welfare Expenses	25,450		21,000
f) Expenses on Employees' Retir. and terminal Benefits	9,53,226		3,99,806
g) Reimbursement of medical charges	2,74,037		60,830
h) Gratuity	49,905		43,834
<b><u>Total</u></b>		<b>1,45,34,095</b>	<b>1,41,18,524</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु. में)

अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि:	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) राष्ट्रीय पुरस्कार	30,00,000	20,00,000
ख) विधि प्रभार	43,37,906	20,25,350
ग) संपत्ति प्रबंधन शुल्क	2,13,89,008	3,56,17,481
घ) संपत्ति माफी	13,12,946	2,66,036
ङ) टी.डी.एस. पर ब्याज / दंड	7,34,300	31,743
च) वेंचर फंड की बिक्री पर हानि	-	6,21,828
छ) टूट फूट और रख - रखाव	3,57,370	4,04,543
ज) डाक एवं टिकट	1,52,239	1,02,131
झ) प्रौद्योगिकी दिवस व्यय	39,98,344	8,33,169
ञ) वाहन चालन और रखरखाव	91,304	88,383
ट) टेलीफोन और संचार प्रभार	8,78,078	4,04,396
ठ) प्रिंटिंग, स्टेशनरी एवं उपभोग्य	21,58,150	6,54,434
ड) यात्रा और वाहन भत्ता		
	घरेलु	28,69,747
	विदेश	2,65,820
	विशेषज्ञ	12,81,457
		44,17,024
ड) पुस्तकालय की किताबें एवं आरक्षिक	1,650	10,420
ण) बोर्ड सदस्यों को टीए/डीए/शुल्क	39,089	1,576
त) लेखा परीक्षा शुल्क	80,000	80,000
थ) आयभगत व्यय	79,560	1,52,767
द) बैठकों पर व्यय	10,00,095	31,52,873
ध) व्यवसायिक प्रभार	14,29,000	15,32,000
न) क) ब्याज की माफी	-	13,86,92,279
ख) राजस्व की माफी	-	3,07,51,018
ग) ऋण की माफी	-	2,59,54,000
प) सरकार की ओर से देय राशि की माफी	5,90,00,000	-
फ) विविध व्यय	33,15,553	19,29,838
ब) अखबार एवं पत्रिका	18,222	8,649
भ) विज्ञापन एवं प्रचार	32,99,439	11,44,341
म) बोर्ड के व्यय	91,922	93,361
<b>कुल</b>	<b>11,11,81,199</b>	<b>25,23,22,515</b>



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

Schedule 21—other administrative expenses etc.	Current Year	Previous Year
a) National Award	30,00,000	20,00,000
b) Legal charges	43,37,906	20,25,350
c) Assets Management Fees	2,13,89,008	3,56,17,481
d) Assets written off	13,12,946	2,66,036
e) Interest / penalty on TDS	7,34,300	31,743
f) Loss on sale of Venture Fund	-	6,21,828
g) Repairs and maintenance	3,57,370	4,04,543
h) Postage & stamps	1,52,239	1,02,131
i) Technology Day Expenditure	39,98,344	8,33,169
j) Vehicles Running and Maintenance	91,304	88,383
k) Telephone and Communication Charges	8,78,078	4,04,396
l) Printing, Stationary & Consumables	21,58,150	6,54,434
m) Travelling and Conveyance Expenses		
Domestic	28,69,747	
Abroad	2,65,820	
Experts	<u>12,81,457</u>	57,67,699
n) Library books and periodical	1,650	10,420
o) TA / DA / fee to Board members	39,089	1,576
p) Auditors Remuneration	80,000	80,000
q) Hospitality Expenses	79,560	1,52,767
r) Meeting Expenses	10,00,095	31,52,873
s) Professional Charges	14,29,000	15,32,000
t) a) Interest written off	-	13,86,92,279
b) Royalty written off	-	3,07,51,018
c) Loan written off	-	2,59,54,000
u) amount due from Govt. written off	5,90,00,000	-
v) Misc. Expenses	33,15,553	19,29,838
w) Newspaper & Magazine	18,222	8,649
x) Advertisement and Publicity	32,99,439	11,44,341
y) Board Expenses	91,922	95,561
<b>Total</b>	<b>11,11,81,199</b>	<b>25,23,22,515</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 22-अनुदान पर व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1) संस्थानों / संगठनों को दिया गया दान		
(i) इन्क्यूबेटर्स	-	
(ii) अन्य एजेंसियां	10,50,00,000	16,25,00,000
2) संस्थानों / संगठनों को दी गई सब्सिडी		
<b>कुल</b>	<b>10,50,00,000</b>	<b>16,25,00,000</b>

नोट: संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियों के साथ अनुदान / सब्सिडी का खुलासा

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष को तुलन पत्र के एक भाग को बनाने वाली अनुसूची  
(राशि रु. में)

अनुसूची 23-व्याज	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) अचल ऋण पर		
ख) अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
<b>कुल</b>		



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

<b>Schedule 22 – expenditure on grants</b>	<b>Current Year</b>	<b>Previous Year</b>
1) Grants given to Institutions / Organizations		
(i) Incubators	-	
(ii) Other agencies	10,50,00,000	16,25,00,000
2) Subsidies given to Institutions / Organizations		
<b>Total</b>	<b>10,50,00,000</b>	<b>16,25,00,000</b>

**Note:** Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/Subsidies are to be disclosed

## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

Schedule forming part of income and expenditure for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014

(Amount in Rupees)

<b>Schedule 23 – interest</b>	<b>Current Year</b>	<b>Previous Year</b>
a) On Fixed Loans		
b) On Other Loans (including Bank Charges)		
c) Others (Specify)		
<b>Total</b>		



## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

### लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पण - 2013-14

#### क. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. प्राप्तियों एवं भुगतानों से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत नकद लेन-देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवतियों और भुगतानों का रिकॉर्ड रखा जाता है।
2. आय एवं व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का सारांश है। यह नकद तथा उपाजर्जनों दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का रिकॉर्ड रखता है। सवितरित ऋण राशि पर उपाजर्जित व्याज का लेखा, जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की जाती है, के लिए रखा जाता है तथापि व्याज को वास्तव में तब प्राप्त किया जा सकता है जब परियोजना संबंधित ऋण करारों की शर्तों एवं निबंधनों के अनुसार पूरी कर ली गई है। खातों में, साल के लिए स्टाफ को बकाया और लेखापरीक्षा शुल्क के अलावा, बकाया परन्तु भुगतान नहीं किये गये खर्चों के लिए प्रावधान नहीं किया गया।
3. अचल सम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासमान संतुलित पद्धति पर आयकर अधिनियम, 1961 में निर्धारित दरों के आधार पर प्रदान किया जाता है। वित्तीय वर्ष के दौरान अर्जित/बेची गई/स्थानांतरित/त्यागी गई अचल सम्पत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं प्रदान किया जाता है। अचल सम्पत्तियों में वृद्धि की गणना अधिग्रहण लागत के आधार पर की जाती है।
4. राजस्व संबंधी भुगतान आवती एवं भुगतान लेखा और तुलन पत्र (बैलेंस सीट) में प्राप्ति के आधार पर लिए जाते हैं।
5. सरकारी अनुदानों को आवती आधार पर मान्यता दी जाती है। व्यय नहीं की गई राशि को भारत सरकार को वापस नहीं किया जाता क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 9 (1) (क) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि में जमा कर दिया जाता है और इस प्रकार किसी प्रकार की वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः भारत सरकार को वापस करने हेतु कोई राशि बकाया नहीं है।
6. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा (1) के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि द्वारा प्रदत्त राशियों को अधिवसुली, ऋणों पर व्याज की प्राप्तियों, राजस्व, अनुदानों और किसी अन्य स्रोत से प्राप्त राशि को इस निधि में जमा कर दिया जाता है। इस प्रावधान को ध्यान में रखकर तुलन पत्र (बैलेंस सीट) तैयार किया गया है।
7. आईडीबीआई द्वारा अनुरक्षित निर्धारित / स्थायी निधियों (उद्यम पूंजी निधि) के तुलन पत्र ने निम्नलिखित को दर्शाया है :-

(क) राजस्व, प्रबंधन शुल्क और उस पर पैनाल व्याज के संबंध में आय/परिव्यय जिन्हें वास्तविक प्राप्तियों / भुगतानों के रूप में माना गया है को छोड़कर तुलन पत्र को प्रोद्भव आधार पर तैयार किया गया है।



## TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

### Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2013-14

#### A. Significant Accounting Policies

1. Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.
2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan installment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements. Provision of expenses due but not paid are not made in the accounts for the year except for Staff Dues and Audit Fees.
3. Depreciation on fixed assets is provided on the basis and rates prescribed under the Income Tax Act, 1961, on diminishing balance method. No depreciation is provided on the fixed Assets acquired/sold/transferred/discarded during the financial year. Addition in fixed assets are accounted at the cost of acquisition.
4. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.
5. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.
6. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.
7. The balance sheet of Earmarked/ Endowment funds (Venture Capital Funds) maintained by IDBI has indicated the following:-
  - a) The balance sheet is prepared on accrual basis except for income/expenditure in respect royalty, management fee and penal interest thereon, which are recognized on actual receipt/ payment.

- (ख) परिसम्पत्तियों/ऋण/निवेश का मूल्यांकन, आईडीबीआई (फंड मैनेजर) द्वारा मूल्यांकित मूल्य पर किया गया और परिसम्पत्तियों की बुक मूल्य को कम करने के प्रावधान का अभिलेखन वित्तीय विवरण में उपलब्ध नोट्स के आधार पर किया गया।
- (ग) तुलन पत्र के नोट के अनुसार, ग्राहक बकाया/वसूली में कोई बदलाव नहीं है, ज्ञापन पुस्तकों में ग्राहकों से वसूली योग्य राशि में अर्जित ब्याज/अतिरिक्त ब्याज आदि सभी राशियां शामिल होंगी। बकाया अर्जित ब्याज के साथ खराब ऋण को उस स्थिति में समाप्त किया जायेगा जहाँ वसूली प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है एवं ऋण खाते से कोई भी अदायगी की सम्भावना नहीं है और जिसे बोर्ड द्वारा समाप्त करने के लिए अनुमोदित किया गया है।
- (घ) आईडीबीआई (वीसीएफ) के वित्तीय विवरण को तुलन पत्र के साथ उनके द्वारा उपलब्ध कराये गये अन्य नोट्स एवं स्पष्टीकरण के साथ पढ़ा जायेगा।
8. निधि की राशियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पावधि जमा योजना में रखा जाता है अल्पावधि जमा पर ब्याज को प्राप्ती एवं भुगतान, लेखों और तुलन पत्र में दर्शाया गया है।
  9. कंपनियों में निवेश को लागत मूल्य पर दर्शाया गया है। टीडीबी के मैडेट के अनुसार यह निवेश टीडीबी के किसी भी कैपिटल अभिमूल्यन या अन्य लाभ के लिए नहीं किया गया है। शेयरों को उनके वास्तविक वसूली तक अधिग्रहण मूल्य के आधार पर लिया जायेगा। हालांकि, किसी भी कम्पनी के समापन/विघटन या किसी अन्य मामले में निवेश के उचित मूल्य में किसी भी प्रकार की स्थायी गिरावट की स्थिति में गिरावट मूल्य को आय एवं व्यय लेखों में चार्ज किया जायेगा।
  10. अप्राप्ति के मामले में, किसी भी प्रकार के पुनर्निर्धारण करार(रें) को ऋण करार में निर्धारित नियम एवं शर्तों के आधार पर किया जायेगा एवं खाते में बकाया राशि मूल करार के आधार पर बहाल होगा। इस वजह से, मूल करार पर वापस जाने के कारण ऋणकर्ता के बकाया राशि में वृद्धि हो सकती है।
  11. अगर उधारकर्ता ऋण करार के शर्तों के तहत ऋण/ब्याज की राशि का भुगतान करने में अक्षम है और वसूली का मामला विवाचन को निर्दिष्ट किया गया है तो बकाया ऋण राशि, दंडविषयक ब्याज के साथ ब्याज को मामले को विवाचन को निर्दिष्ट करने के तारीख पर रोक दिया जाता है। पुरस्कार शर्तों के अनुसार पारित पुरस्कार के प्राप्त होने के बाद ही बकाया ब्याज का प्रावधान या समायोजन किया जाता है।
  12. अगर उधारकर्ता ने ऋण करार के शर्तों के तहत ऋण/ब्याज की राशि का भुगतान करने में डिफॉल्ट किया है और उचित कानूनी प्रक्रिया में गये बिना ही परिसमापन में चला गया है तो परिसमापन की तारीख तक ब्याज लगाया जायेगा। चूंकि वसूली की तारीख तक ब्याज की वसूली का अधिकार टीडीबी के पास है अतः खारिज करने के लिए अंतिम प्रावधान आधिकारिक परिसमापक से मूलधन एवं ब्याज के अंतिम भुगतान की प्राप्ति के बाद ही किया जाता है।
  13. ऋणकर्ता से अप्राप्ति एवं अनुवर्ती आर्बिट्रेसन अवार्ड पास होने के मामले में, ऋण एवं ब्याज का पुनःव्याख्यान एवं ब्याज को चार्जिंग आर्बिट्रेसन अवार्ड के आधार पर किया जायेगा। इस वजह से, ऋणकर्ता के बकाये ब्याज की राशि में वृद्धि/गिरावट हो सकती है।



- b) The valuation of assets/ loans/ investments have been carried at the assessment value by IDBI (Fund manager) and the provision for reducing the book value of the assets is recorded as per the notes provided in the financial statements.
  - c) As per the Notes to Balance Sheet, there is no change in the customer outstanding / recovery i.e.: the amount recoverable from the customer would include the amount as per accord interest/ additional interest in Memorandum Books. Further write off of bad loans including accrued interest outstanding shall be done where the recovery process has reached a closure and no further repayments are expected from the loan accounts and the same have been approved for write off by the Board.
  - d) The financial statements of IDBI (VCF) are to be read with other notes and explanations attached with the Balance Sheet provided by them.
8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.
9. The investments in companies are stated at cost price. As per the mandate of TDB, the investments are not held for capital appreciation in the strict sense or for any other benefit to TDB, the shares are held at cost of acquisition till they are finally realized. However any permanent decline in the fair value of the investments so held due to the winding up or dissolution of the respective company or any other reason, the value of decline is charged to the income & expenditure account.
10. In the case of default, rescheduling agreement(s) whatsoever done are set aside in accordance with the terms and conditions of the Loan Agreement and balances in account are restored the original agreement. This may result in increase of outstanding amount of the borrower due to reverting back to the original agreement.
11. In the case where borrower is unable to pay the loan / interest amount as per the terms of loan agreement and when the dispute arising out of out of noncompliance of the loan agreement and consequently matter is referred to arbitration. In such instance the outstanding amounts of loan and interest is frozen on the date of reference to arbitration. Further provisioning or adjustment in the outstanding interest is made only after the award is passed in accordance with the award conditions.
12. In the case where the borrower has defaulted in repayment of its loan and interest as per loan agreement and has since gone into liquidation, booking of interest has not been restricted to the date of liquidation. Final provision for write off is made for principal and interest after receipt of final payment form the Official Liquidator since the right to claim interest up to the date of recovery is maintained by TDB.
13. In case of default by a borrower and the subsequent passing of an Arbitration Award, the restatement of loan and interest and also the charging of interest is done as per the award. This may result in decrease/ increase of outstanding amount of interest due from the borrower.

14. आर्बिट्रेशन कार्रवाई शुरू होने की स्थिति में, आर्बिट्रेशन कार्रवाई के शुरू होने से अवार्ड के प्राप्ति होने तक ब्याज की गणना को रोक दिया जाता है। अवार्ड के प्राप्त होने के बाद, उसपर ऋण एवं ब्याज की गणना अवार्ड के आधार पर किया जाता है जबकि अन्य शर्तें नियत रहती हैं।
15. वेंचर फंड एवं सीड फंड में निवेश लागत के आधार पर किया जाता है। चूंकि, ये फंड लगातार अपनी गतिविधियों के संदर्भ में विकसित हो रहे हैं एवं यह एक निरंतर प्रक्रिया है, निवेश के मूल्य में किसी भी प्रकार के स्थायी परिवर्तन परिकल्पित या उपलब्ध नहीं हैं। वेंचर फंड के निवेश में लाभ/हानि को या तो फंड के बंद होने पर या फंड के कार्यकाल के दौरान आय के संवितरण के दौरान स्वीकृत किया जाता है।
16. भंडार का सत्यापन वार्षिक आधार पर किया जाता है।
17. आंकड़ों को निकटतम रूप में पूर्वांकित किया जाता है।



14. In the case of start of Arbitration proceedings, the charge of Interest is discontinued from the date of the start of the proceedings till the award is passed. After the award, other conditions remaining constant, the loan and interest thereon is accounted as per award.
15. Investments with Venture Funds other Seed funds, are carried at cost. Since the Funds are continuously evolving in terms its activities and is an ongoing concern, no permanent change in the value of the investment is envisaged or provided. Income / Loss is recognized in the Venture Fund Investments either on closure of the funds or disbursement of income during the tenure of the fund.
16. Stock verification is done on annual basis.
17. Figures are rounded off to the nearest rupee.

## लेखाओं पर टिप्पणी

1. वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान टीडीबी को अनुदान के रूप में 1350.00 लाख (पिछले वर्ष 2250.00 लाख रु.) प्राप्त हुआ।
2. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के पास 31 मार्च, 2014 तक 19208.12 लाख (पिछले वर्ष 17029.79 लाख) की अतिदेय ऋण की राशि (राशि देय पर प्राप्त नहीं) है। इसके अतिरिक्त, 5206.06 लाख (पिछले वर्ष 4275.45 लाख) का साधारण ब्याज, 11783.66 लाख (पिछले वर्ष 10429.93 लाख) के बराबर ऋण पर आधारित अतिरिक्त ब्याज और साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज के रूप में 2322.24 लाख रु. (पिछले वर्ष 1634.68 लाख रु.) भी देय है।
3. (i) यूटीआई उद्यम पूंजी प्रबंधन कम्पनी लिमिटेड (यूटीआईवीएफ), बेंगलूर द्वारा प्रशासित एसेंट इंडिया फंड (आईएएफ) में बकाया निवेश 31 मार्च, 2014 तक 29.93 करोड़ रु. है। यूटीआई - एसेंट इंडिया फंड की यूनिटों के विमोचन से 3.61 करोड़ रु. की राशि प्राप्त हुई। निधि का लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च 2014 तक 100/- रु. पर 88.87/- रु. प्रति यूनिट था।  
(ii) वेंचरइस्ट फंड एडवाजरर्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा संचालित वेंचरइस्ट टीनेट फंड II, चेन्नई में बकाया निवेश 31.03.2014 तक 13.15 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2014 तक 1133/- रु. प्रति यूनिट थी (अंकित मूल्य 1000/- रु. प्रति यूनिट)।  
(iii) टीडीबी ने दिनांक 16.08.2004 के सह-निवेश करार के अनुसार एपीआईडीसी वेंचर कैपिटल लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा प्रशासित एवं प्रबंधित ए पी आई डी सी के साथ 'टीडीबी ट्रस्ट' (जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि के साथ सह-निवेश स्कीम) में दिनांक 31.03.2014 तक 30 करोड़ रु. (1,00,000/- प्रति यूनिट मूल्य की पूर्व रूप से भुगतान की गई 3000 यूनिटें) निवेश किए हैं। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2014 तक 1,21,274/- रु. प्रति यूनिट थी (अंकित मूल्य 1,00,000/- रु. प्रति यूनिट)।  
(iv) मेसर्स गुजरात वेंचर फिनांस लिमिटेड (जीवीएफएल), अहमदाबाद एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड में बकाया निवेश 31.03.2014 तक 15.00 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2014 तक 1,22,080/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तविक वैल्यू 1,00,000/- रु. प्रति यूनिट)।  
(v) मेसर्स राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड (आरवीसीएफ), जयपुर "एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड" में बकाया निवेश 31.03.2014 तक 11.76 करोड़ रु. है। इस वर्ष यूनिटों के विमोचन से 0.36 करोड़ रु. की राशि प्राप्त हुई। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2014 तक 100/- रु. पर 145.71 रु. प्रति यूनिट थी।  
(vi) मेसर्स एसआईडीबीआई ट्रस्टी कम्पनी लिमिटेड में बकाया निवेश 31.03.2014 तक 5.75 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2014 तक 782.27 रु. प्रति यूनिट थी (वास्तविक वैल्यू 1000/- रु. प्रति यूनिट)।  
(vii) मेसर्स सीफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड में बकाया निवेश 31.03.2014 तक 17.59 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2014 तक 4,33,996 रु. प्रति यूनिट थी (वास्तविक वैल्यू 5,00,000 रु. प्रति यूनिट)।  
(viii) मेसर्स मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड में बकाया निवेश 31.03.2014 तक 20.00 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2014 तक 9,697/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तविक वैल्यू 10,000/- रु. प्रति यूनिट)।



## Schedule – 25

## Notes on Accounts

1. TDB received 1350 lakhs (P.Y. Rs. 2250 lakhs) as grant during the financial year 2013-14.
2. Technology Development Board has an overdue loan repayment (amount due but not received) amounting to Rs.19208.12 lakhs (P.Y. Rs. 17, 029.79 lakhs) as on 31st March, 2014. In addition, simple interest of Rs. 5206.06 lakhs (P.Y. Rs 4,275.45 lakhs), additional interest on loan amounting to Rs.11783.66 lakhs (P.Y. Rs.10,429.93 lakhs) and Rs. 2322.24 lakhs (P.Y. Rs. 1,634.68 lakhs) as additional interest on simple interest, were also due.
3. (i) The outstanding investment in the Ascent India Fund (AIF) administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore is Rs 29.93 crore as on 31.03.2014. An amount of Rs 3.61 crore have been received towards redemption of units of UTI-Ascent India Fund during the year. The audited NAV of the fund was Rs 88.87/- per unit of Rs. 100/- on 31st March 2014.  
  
(ii) The outstanding investment in the Ventureast Tenet Fund II, operated by Venture East Fund Advisors Pvt. Ltd., Chennai is Rs 13.15 crores up to 31.3.2014. The audited NAV of the fund was Rs 1,133/- per unit (face value of Rs 1000/- per unit) on 31st March 2014.  
  
(iii) TDB has invested Rs 30 crore (3000 fully paid units of Face Rs 1, 00,000/- per units) up to 31.3.2014 in "TDB trust" (Co-Investment Scheme with Biotechnology Venture fund) with APIDC administered and managed by APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad as per co-investment agreement dated 16.08.2004. The audited NAV of the fund was Rs 1,21,274/- per unit (face value of Rs 1,00,000/- per unit) on 31st March 2014  
  
(iv) The outstanding investment in M/s Gujarat Venture Finance Limited (GVFL), Ahmedabad SME Technology Venture Fund is Rs 15.00 crores up to 31st March 2014. The audited NAV of the fund was Rs 1, 22,080/- per unit (face value 1, 00,000) on 31st March 2014.  
  
(v) The outstanding investment in M/s Rajasthan Venture Capital Fund (RVCF), Jaipur "SME Technology Venture Fund" is Rs 11.76 crores as on 31.03.2014. An amount of Rs 0.36 crores have been received towards redemption of units during the year. The audited NAV of fund was Rs 145.71/- per unit of Rs. 100/- on 31st March 2014.  
  
(vi) The outstanding investment in M/s SIDBI Venture Capital Limited is Rs. 5.75 crore as on 31.3.2014. The audited NAV of the fund was Rs. 782.27/- per unit (face value Rs. 1000) on 31st March 2014.  
  
(vii) The outstanding investment in SEAF India Agribusiness Fund is Rs. 17.59 crore as on 31.3.2014. The audited NAV of the fund was Rs. 4, 33,996/- (face value Rs. 5, 00,000) as on 31st March 2014.  
  
(viii) The outstanding investment in Multi Sector Seed Capital Fund is Rs. 20.00 crore as on 31.3.2014. The audited NAV of the fund was Rs. 9,697/- (face value Rs. 10,000) as on 31st March 2014.

(ix) मेसर्स आइवी कैंप वेंचर ट्रस्ट फंड-२ में बकाया निवेश 31.03.2014 तक 10.00 करोड़ रु. है। निधि की लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2014 तक 89,351.57/- रु. प्रति यूनिट थी (वास्तविक वैल्यू 1,00,000/- रु. प्रति यूनिट)।

(x) मेसर्स इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल इनर्जी (सीआईआईई) में बकाया निवेश 31.03.2014 तक 0.59 करोड़ रु. है।

(xi) ट्वेन्टी फर्स्ट सेंचुरी बैटरी प्रा. लि. में इक्विटी शेयर के रूप में निवेशित 5,90,00,000/- को, कम्पनी के बन्द होने एवं वसूली की सम्भावना नहीं होने के कारण, आय एवं व्यय खाते में शून्य के रूप में दर्शाया गया है। इस लागत को निवेश मूल्य में स्थायी कमी के रूप में स्वीकार किया गया है।

- टीडीबी ने, परिस्थितिकी तंत्र के सभी प्रमुख तत्वों को कवर करने के अधिदेश के साथ, जो इन्डस्ट्री एवं तकनीकी शुरुआतकर्ताओं को लाभान्वित करेगा, डीएसटी एवं अन्य संस्थानों के साथ, सीआईआईई के साथ संयुक्त वेंचर में कमरा: 51:49 की इक्विटी भागीदारी के साथ मेसर्स ग्लोबल इन्वेंशन एंड टेक्नोलॉजी एलायन्स (जीआईटीए) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया। टीडीबी का जीआईटीए में इक्विटी भागीदारी 7.35 करोड़ रु. की है। 31 मार्च, 2014 तक टीडीबी ने 4.33 करोड़ रु. जारी किया है।
- वित्तीय वर्ष के दौरान, निम्नलिखित अनुदान सहायता का वितरण किया गया:

क्रम सं.	कम्पनी का नाम	उद्देश्य	राशि (लाख में)
1.	मेसर्स इनटच नेचुरल्स प्रा. लि.	सीड सहायता	60.00
2.	मेसर्स टीआईटीएस/टीबीआई आईआईटी खड़गपुर	सीड सहायता	40.00
3.	मेसर्स केआईआईटी टेक्नोलॉजीज बिजनेस इन्क्यूबेटर	सीड सहायता	30.00
4.	मेसर्स सीआईआईई इन्सिएटिव्स, अहमदाबाद (ग्रांट)	सीड सहायता	30.00
5.	मेसर्स सिडबी इन्वेंशन एवं इन्क्यूबेशन केंद्र (आईआईटी कानपुर)	सीड सहायता	30.00
6.	मेसर्स आईआईटी हैदराबाद	सीड सहायता	30.00
7.	मेसर्स आईएन मेन्टरिंग एवं इन्क्यूबेशन सर्विसेज	सीड सहायता	30.00
8.	मेसर्स एमिटी टेक्नोलॉजी इन्क्यूबेटर	सीड सहायता	30.00
9.	मेसर्स फाउंडेशन फॉर इन्वेंशन्स एवं टेक्नोलॉजी ट्रांसफर	सीड सहायता	30.00
10.	मेसर्स मणिपाल यूनिवर्सिटी टीबीआई	सीड सहायता	30.00
11.	मेसर्स जेएसएसएटीई - स्टेप	सीड सहायता	30.00
12.	मेसर्स अम्रिता टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर	सीड सहायता	30.00
13.	मेसर्स सीआईआईई इन्सिएटिव्स	सीड सहायता	30.00
14.	मेसर्स फिक्की	सीड सहायता	500.00
15.	मेसर्स लाईफ साइंस इन्क्यूबेटर	सीड सहायता	30.00
16.	मेसर्स बनयान इन्टेलेक्चुअल इन्सिएटिव्स	सीड सहायता	30.00
17.	मेसर्स टेक्नोपार्क टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर	सीड सहायता	30.00
18.	मेसर्स विलग्रो इन्वेंशन्स फाउंडेशन	सीड सहायता	30.00
	<b>कुल</b>		<b>1,050.00</b>



(xi) The outstanding investment in M/s Ivy Cap Venture Trust Fund-I is Rs. 10.00 crore as on 31.3.2014. The audited NAV of the fund was Rs. 89,351.57/- (face value Rs. 1,00,000) as on 31st March 2014.

(x) The outstanding investment in M/s Indian Fund for Sustainable Energy (CIIE) is Rs. 0.59 crore as on 31.3.2014.

(xi) Investment in Twenty First Century Battery Private Limited, by way of equity shares of Rs. 590,00,000/- has been valued at NIL and charged to Income & Expenditure Account due to the company having being liquidated with not expected chance of recovery. The value has been considered as a permanent reduction in the cost of the investment.

4. TDB has signed agreement with M/s Global Innovation Technology Alliance (GITA), in joint venture with CII, in equity contribution of 51:49 respectively with a mandate to cover all key elements of innovation ecosystem that benefit industry and technology start-ups, with DST and other organizations. The equity participation of TDB in GITA is Rs. 7.35 crore. TDB release Rs. 4.33 crore up to 31st March 2014.
5. The following grant-in-aid distributed during the financial year.

S. No	Company's Name	Purpose	Amount (in lakhs)
1.	M/s Intouch Natural P. Ltd.	Seed Support	60.00
2.	M/s TIETS/TBI IIT Kharagpur	Seed Support	40.00
3.	M/s KIIT Technology Business Incubator	Seed Support	30.00
4.	M/s CIIE initiatives Ahmedabad (grant)	Seed Support	30.00
5.	M/s SIDBI innovation & incubation Centre (IIT Kanpur)	Seed Support	30.00
6.	M/s IIT ,Hyderabad	Seed Support	30.00
7.	M/s IAN Mentoring and incubation services	Seed Support	30.00
8.	M/s Amity Technology Incubator	Seed Support	30.00
9.	M/s foundation for Innovations & Technology Transfer	Seed Support	30.00
10.	M/s Manipal University TBI	Seed Support	30.00
11.	M/s JSSATE-STEP	Seed Support	30.00
12.	M/s Amrita Technology Business Incubator	Seed Support	30.00
13.	M/s CIIE Initiatives	Seed Support	30.00
14.	M/s FICCI	Seed Support	500.00
15.	M/s Life Science Incubator	Seed Support	30.00
16.	M/s Banyan Intellectual Initiatives	Seed Support	30.00
17.	M/s Techno park Technology Business Incubators	Seed Support	30.00
18.	M/s Villgro Innovations Foundations	Seed Support	30.00
	<b>Total</b>		<b>1,050</b>

6. वर्ष के दौरान 13.12 लाख रु. की परिसम्पत्ति को बट्टे-खाते में डाला गया।
7. भारत सरकार द्वारा अनुदानों से संबंधित उद्यत पूंजी निधि (वीसीएफ) लेन - देन के मद के भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) के दस्तावेजों के बकायें राशियों की प्राप्तियों और देनदारियों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 की धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर 1996 को बोर्ड को हस्तांतरित करने की आवश्यकता है। 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के तुलन-पत्र में शामिल किया गया है। तुलन-पत्र में आईडीबीआई के वीसीएफ से संबंधित पिछले वर्ष के आंकड़ों को भी दर्शाया गया है।
8. टीडीबी के साथ, आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए), भारत सरकार एवं अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी), यूनाईटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन गवर्नमेंट के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन दिनांक 29.08.2013 के अनुसार यह निर्णय लिया गया कि "इनोवेटिव वेंचर्स एंड टेक्नोलॉजी फॉर डेवलपमेंट (इवेंट)" प्रोग्राम के इन्क्यूबेसन कम्पोनेंट का कार्यान्वयन एवं समीक्षा टीडीबी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा किया जायेगा। टीडीबी की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करने की है कि निर्धारित फंड का खर्च निश्चित गतिविधियों पर यथोचित परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। तदनुसार, टीडीबी को करार के तहत वर्ष के भीतर वितरण के लिए 1,98,78,686/- रु. के बराबर जीवीपी 200000/- की राशि प्राप्त हुई। टीडीबी को फंड प्रबंधक के रूप में यह राशि एक अलग बैंक खाते में रखना है एवं इसे परियोजना दिशा-निर्देश के अनुसार जारी करना है और प्रगति रिपोर्ट एवं लेखा परीक्षित लेखों को डीएफआईडी को प्रस्तुत करना है।

ह./-  
(नीरज केला)  
निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(डा. इंदजीत सिंह)  
सचिव  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

ह./-  
(प्रोफ. के विजयराघवन)  
अध्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड



6. Assets written off during the year is Rs. 13.12 lakhs.
7. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2014 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDBI.
8. In accordance with the Agreement between Government of India through Department of Economic Affairs (DEA) and Department For International Development (DFID), Government of United Kingdom of Great Britain together with TDB vide Memorandum of Understanding dated 29.8.2013, it was agreed that the incubation component of "Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT) programme will be implemented and monitored with TDB, Department of Science & Technology, government of India. The responsibility of TDB is to ensure that funds will be spent on approved activities required to deliver the overall outputs and outcomes of the project. Accordingly TDB received funds amounting GBP 200000/- equivalent to Rupees 1,98,78,686/- under the agreement during the year for disbursement. TDB is obliged to hold this fund in a separate bank account as fund manager to be released as per project guideline from time to time and submit progress report and audited accounts to DFID.

sd/-  
(Niraj Kela)  
Director  
Technology Development Board

sd/-  
(Dr. Inderjit Singh)  
Secretary  
Technology Development Board

sd/-  
(Prof. K Vijayraghavan)  
Chairperson  
Technology Development Board

## वर्ष 2013-14 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के लेखों की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2014 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), नई दिल्ली के संलग्न तुलन पत्र (बैलेंस शीट), उसी तिथि को समाप्त आय एवं व्यय लेखा, प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 (1995 की सं. 44) के अनुच्छेद 13(2) के साथ पठित लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक (दायित्व, शक्तियां एवं सेवा की शर्तें, अधिनियम 1971 के 19(2) के अन्तर्गत लेखा परीक्षा की है। इस वित्तीय विवरण को बनाने का दायित्व टीडीबी के प्रबंधन का है। हमारा दायित्व, अपनी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के लेखा नियंता एवं महालेखापरीक्षक की वर्गीकरण, उत्तम लेखा नीतियों के सदृश लेखा मानक, प्रकटीकरण मानदंड इत्यादि से संबंधित लेखा प्रतिपादनों पर टिप्पणियां शामिल हैं। वित्तीय लेनदेनों पर विधि अनुपालित लेनदेन, नियम एवं विनियम (औचित्य और नियमितता) और दक्षता युक्त निष्पादन इत्यादि पहलुओं पर लेखा अवलोकन, यदि कोई है, तो इसे पृथक निरीक्षण द्वारा सीएजी की अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से सूचित किया जाता है।

3. हमने यह लेखा परीक्षा, भारत में सामान्यतः अपनाए गए मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित होता है कि हम लेखा परीक्षा को इस तरह योजनागत और निष्पादित करें ताकि इस बात का उचित आश्वासन प्राप्त किया जा सके कि वित्तीय विवरण सामग्री, अशुद्ध विवरणों से मुक्त हो। लेखा परीक्षा दिये वित्तीय विवरणों के कुछ अंशों की जांच एवं उन जांच विवरण के समर्थन में प्रमाण और प्रकटीकरण के अध्ययन पर आधारित होती है। लेखा परीक्षा, उपयोग में लाये लेखा सिद्धान्तों, प्रबंधन द्वारा निर्मित महत्वपूर्ण आकलनों का मूल्यांकन और लेखा विवरणों के प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन होता है। लेखा परीक्षा की जांच में वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत की गई राशियों के समर्थन में प्रमाणों और प्रकटीकरण की जांच शामिल है। लेखा परीक्षा, प्रयोग किए गए लेखा सिद्धान्तों और प्रबंधन द्वारा महत्वपूर्ण आकलनों पर हमारा मूल्यांकन है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा वित्तीय विवरणों पर दी गई हमारी टिप्पणियों को औचित्यपूर्ण आधार प्रदान करेगा।



**Separate Audit Report of Comptroller and Auditor General of India on the  
accounts of Technology Development Board, New Delhi  
for the year ended 31 March, 2014**

We have audited the attached Balance Sheet of Technology Development Board (TDB), New Delhi as at 31st March 2014 and the Income & Expenditure Account/ Receipts & Payments Account for the year ended on that date under section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(2) of the Technology Development Board Act, 1995 (No.44 of 1995). These financial statements are the responsibility of the Board's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ Comptroller and Auditor General's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. लेखा परीक्षा के आधार पर हम यह रिपोर्ट देते हैं कि:
- (i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो कि हमारी जानकारी और विश्वास में लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए अनिवार्य है।
  - (ii) इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र (बैलेंस शीट) और आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को भारत सरकार द्वारा स्वीकृत फॉर्मेट में तैयार किया गया है।
  - (iii) हमारे विचार से अपेक्षित लेखों की समुचित बहियों और अन्य संबंधित रिकॉर्डों को अनुरक्षित किया गया है जैसा कि हमारी ऐसी बहियों की जांच से पता चलता है।
  - (iv) हमारी लेखा परीक्षण रिपोर्ट निम्नांकित है :

**क) तुलन पत्र ( बैलेंस शीट )**

**1. परिसम्पत्तियाँ**

**1.1 निर्धारित / अक्षय निधि से निवेश**

( अनुसूची 9 : 65.99 लाख रु. )

मेसर्स ऑटोलाईट (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों के मूल्य को उचित बाजार मूल्य पर आंकलन नहीं करने के कारण आईडीबीआई - टीडीबी ने निर्धारित / अक्षय निधि (इक्विटी) से निवेश को 9.40 लाख रुपये से बढ़ाकर एवं व्यय (शेयर के मूल्य का ह्रास) को 9.40 लाख रुपये से घटाकर दिखाया।

**1.2 निवेश - अन्य**

**1.2.1 इक्विटी एवं वेंचर कैपिटल फंड**

( अनुसूची 10 : अन्य निवेश - 18657.69 लाख रु. )

पिछले वर्ष की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में उल्लेख होने के बावजूद भी टीडीबी ने इक्विटी/वीसीएफएस के अपने निवेश को बाजार मूल्य के आधार पर मूल्यांकित नहीं किया। लेखा परीक्षा ने पाँच (5) प्रकरणों की जांच में यह पाया कि उनमें निवेशित 5982.20 लाख रु. की राशि का मूल्यांकन उचित बाजार मूल्य पर नहीं किया।

**1.2 वर्तमान परिसम्पत्ति, ऋण एवं अग्रिम**

( अनुसूची 11 : 63853.82 लाख रु. )



4. Based on our audit, we report that –
- (i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
  - (ii) The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Government of India;
  - (iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by TDB, except those stated in this audit report, in so far as it appears from the examination of such books.
  - (iv) We further report that -

**(A) Balance Sheet**

**1. Assets**

**1.1 Investment from Earmarked/ Endowment Fund**

**(Schedule 9 : Rs. 65.99 lakh)**

IDBI-TDB overstated its Investment from Earmarked/ Endowment Funds (equity) and understated its Expenditure (Diminution in value of share) by Rs 9.40 lakh each due to, not taking up value of shares of one company i.e.M/s Autolite (India) Ltd. at fair market price.

**1.2 Investments – Others**

**1.2.1 Equity and Venture Capital Funds**

**(Schedule 10 : Investments Others – Rs. 18657.69 lakh)**

Despite a mention in previous year's Separate Audit Reports that TDB did not report the value of investments i.e. Equity/ Venture Capital Funds (VCFs) at fair market price i.e. after taking into account the decline/ increase in the value of Equity/ VCFs, other than temporary. Audit observed in 5 test checked cases that investments amounting to Rs. 5982.20 lakh were not valued as fair market price.

**1.2 Current Assets, Loans and Advances**

**(Schedule 11 : Rs 63853.82 lakh)**

टीडीबी ने अपनी वर्तमान परिसम्पत्तियों (ऋण एवं अग्रिम पर उपाजित आय) एवं पूर्व अवधि आय दोनों को 30.42 लाख रु. कम आंकलित किया जिसका कारण दो कम्पनियों मेसर्स जावेरी एग्री और मेसर्स कौशिक मशीनरी से प्राप्य ब्याज को अपने लेखा में नहीं दर्शाया।

#### ख) अनुदान सहायता

भारत सरकार द्वारा तकनीकी के आयात पर पाँच प्रतिशत की दर से लिये जाने वाले करारोपन से संग्रहित धनराशि से, टीडीबी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा अनुदान प्राप्त होता है। टीडीबी का वर्ष 2013-14 के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से 1350.00 लाख रु. का अनुदान प्राप्त हुआ।

वर्ष 2013-14 के आद्य शेष (ओपनिंग बैलेंस) में 7660.46 लाख रु. थे। वर्ष 2013-14 के दौरान आद्य शेष (ओपनिंग बैलेंस) के अतिरिक्त 7107.92 लाख रु. की राशि लघु अवधि जमाओं में प्राप्त ब्याज/ऋणों/रॉयल्टी/अनुदान/ऋणों के पुनर्भुगतान/वेंचर फंड से आय/गारंटी आदि से प्राप्त हुई। साथ ही वर्ष के दौरान कुल भुगतान 10598.25 लाख रु. जो कि निवेशों/स्थापना एवं कार्यालय खर्च/ऋण भुगतान/अनुदान वितरण आदि के लिए हुआ एवं 4170.13 लाख रु. को खर्च नहीं हुई राशि के रूप में दर्शाये गये।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दिये गये हमारे अवलोकनों के आधार पर हम रिपोर्ट देते हैं कि तुलनापत्र (बैलेंस शीट), आय एवं व्यय लेखा एवं प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, लेखा बहियों से मेल खाते हैं।

(vi) हमारी राय एवं हमें प्राप्त सूचना और हमें दिये स्पष्टीकरणों के आधार पर, जांचित वित्तीय विवरण जिसे लेखांकन नीतियाँ, लेखा पर प्रबंधन द्वारा दी टिप्पणियाँ और हमारे द्वारा दी गई लेखा टिप्पणियाँ एवं इस लेखा परीक्षा के अनुलग्नक में दी गई सामग्री के साथ देखने पर यह भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के साथ समरूप, सत्य एवं सही दृश्य प्रस्तुत करते हैं।



TDB had understated its current assets (Income accrued on loans and advances) as well as prior period income each by Rs30.42 lakh due to short accountal of interest receivable from two companies i.e. M/s Javeri Agro and M/s Coushik Machinery.

**(B) Grant-in-aid**

TDB receives grants from Department of Science and Technology out of the R&D Cess levies and collected by the Government at the rate of five per cent on payments made towards import of technology. TDB received a grant of Rs 1350.00 lakh from the Department of Science and Technology during 2013-14.

In addition to opening balance of Cash/ Bank balance of Rs 7660.46 lakh, an amount of Rs 7107.92 lakh was received by TDB as interest on short term deposits/ loans/ royalty/ grants, repayment of loans, royalty, income from venture funds, guarantee etc. during the year 2013-14. After making a total payment of Rs 10598.25 lakh for investments, establishment/ office expenses and disbursement of loans/ grants etc., Rs 4170.13 lakh was shown as unspent as on 31 March 2014.

- (v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.
- (vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

क) अब तक यह है के रूप में यह रिपोर्ट प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की 31 मार्च, 2014 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के तुलनापत्र और टीडीबी के कार्य से सम्बंधित है। और

ख) अब तक यह है के रूप में यह वित्तीय वर्ष 2013-14 की समाप्ति पर बनाये उस वर्ष के दौरान आय और व्यय के अधिशेष से सम्बंधित है।

भारत के लेखानियंता एवं महालेखाकार के लिए और उनकी ओर से

हस्ता.

मुख्य लेखा परीक्षा निदेशक

वैज्ञानिक विभाग

स्थान:

दिनांक: नई दिल्ली



- (a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state-of-affairs of the TDB as of 31 March 2014; and
- (b) In so far as it relates to Income and Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

For and behalf of CAG of India

Dated :  
Place : New Delhi

  
19/3/15  
Principal Director of Audit,  
Scientific Departments

## लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

## 1. आन्तरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वेतन एवं लेखा विभाग द्वारा वर्ष 2013-14 के लिए टीडीबी का आन्तरिक लेखापरीक्षण नहीं किया गया।

## 2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

टीडीबी के लेखापरीक्षण के दौरान, आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली में निम्नलिखित कमियां पाई गईं :

## क) अनुदान सहायता रजिस्टर का रखरखाव न करना

सामान्य वित्त नियमावली के नियम 212 (4) के अनुसार, टीडीबी को निर्धारित प्रपत्र में अनुदान सहायता के लिए एक रजिस्टर बनाने की आवश्यकता थी। हालांकि, पहले की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में बार-बार बताये जाने के बावजूद, टीडीबी ने इस रजिस्टर को नहीं बनाया। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि वर्ष 2011-12, 2012-13 एवं 2013-14 में अनुदान सहायता के रूप में विभिन्न संगठनों को 3715.00 लाख रुपये की राशि जारी की गयी।

## (ख) बकाया उपयोगिता प्रमाणपत्र

सामान्य वित्त नियमावली के नियम 212 (1) के अनुसार प्रत्येक अनुदान प्राप्तकर्ता संस्थान को वित्तीय वर्ष के समापन के 12 महीनों के भीतर उपयोग प्रमाणपत्र देना पड़ता है जिसमें दर्शाया जाता है कि अनुदान का उपयोग उसी प्रयोजन के लिए किया गया है जिसके लिए यह स्वीकृत हुआ था। 31 मार्च, 2014 को 30 मामलों में 2172.81 लाख रु. के उपयोग प्रमाणपत्र बकाये थे।

## 3. अचल परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वर्ष 2013-14 के लिए अचल परिसम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन किया गया।

## 4. वस्तु सूचियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली वर्ष

2013-14 के लिए वस्तु सूचियों का भौतिक सत्यापन किया गया।

## 5. वैधानिक देयों के भुगतान में नियमितता

लेखा परीक्षा के दौरान इस तरह की कोई भी अनियमितता नहीं पाई गयी।

निदेशक ( निरीक्षण )



*Annexure to Audit Report***1. Adequacy of Internal Audit System**

Internal audit of TDB for the year 2013-14 has not been conducted by Pay and Accounts Office of Department of Science and Technology.

**2. Adequacy of Internal control system**

During the audit of TDB, the following deficiencies in relation to internal control system were observed :

**(a) Non-maintenance of Grant in aid Register**

As per Rule 212(4) of General Financial Rule, TDB was required to maintain a Register of Grants-in-aid in the prescribed format. However, TDB did not maintain said register despite repeatedly pointed out through earlier Separate Audit Reports. It is worth mentioning here that an amount of Rs 3715.00 lakh was released to different organizations as grants-in-aid during the year 2011-12, 2012-13 and 2013-14.

**(b) Outstanding Utilization Certificate**

In terms of Rule 212(1) of General Financial Rules, each grantee Institution is required to furnish the utilization certificate within 12 months of the closure of the financial year, indicating that the grant has been utilized for the purpose for which it was sanctioned. The utilization certificates in 30 cases aggregating Rs 2172.81 lakh were outstanding as of 31 March 2014.

**3. System of physical verification of fixed assets**

Physical verification of fixed assets for the year 2013-14 has been conducted.

**4. System of physical verification of inventories**

Physical verification of inventories for the year 2013-14 has been conducted.

**5. Regularity in payment of statutory dues**

No such irregularity was noticed during the course of audit.

*ant* 19/3/15  
Director (Inspection)

